खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :29⁰ C
न्यूनतम: 25⁰ C

हल्द्वानी, गुरुवार 26 जून 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 305 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | आषाढ़ कृष्ण पक्ष 15 विक्रमी सम्वत् 2082 | 29 ज़िलहिज्जा 1446 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मोदी राज में अब किसान आत्महत्या नहीं करता: योगी पेज 2

पंत ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग खेल टाइम्स

अगर इमरजेंसी नहीं लगी होती तो... संपादकीय

भारत के साथ बातचीत को बेताब शहबाज शरीफ पेज 12

अंतरिक्ष पहुंचकर एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले 'व्हाट ए राइड'

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुक्ला एक्सिओम मिशन-4 के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर पहुंचे

फ्लोरिडा, वार्ता

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत 25 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। उनका ये मिशन पहले 6 बार तकनीकी दिक्कतों के कारण टल चुका था। उनके साथ तीन अन्य एस्ट्रोनॉट भी स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शुभांशु ने कहा कि व्हाट ए राइड।

मेरे कंधे पर लगा तिरंगा बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। वहीं लॉन्चिंग सफल होने पर शुभांशु के माता-पिता, आशा शुक्ला और शंभु दयाल शुक्ला भावुक हो गए। उन्होंने बेटे की सफलता पर ताली बजाकर खुशी जताई। मिशन भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12.00 बजे फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। स्पेसएक्स के फॉल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में सभी एस्ट्रोनॉट ने उड़ान भरी। ये स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 4:30 बजे आईएसएस से जुड़ेगा। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार सभी एस्ट्रोनॉट। 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 4: 30 बजे आईएसएस पहुंचेंगे। लॉन्च के करीब 10 मिनट बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट फॉल्कन-9 रॉकेट से अलग हो गया। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

मोदी ने एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों के एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के बुधवार को सफल प्रक्षेपण का स्वागत किया है। श्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को भी शुभकामनाएं दीं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु को योगी ने दीं शुभकामनाएं

लखनऊ। उप्र के मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में मानव मिशन एक्सिओम मिशन 4 में मिशन पायलट बनने और ऐतिहासिक उड़ान भरने के लिए हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने इस बड़ी उपलब्धि को भारत की वैज्ञानिक क्षमता और वैश्विक भागीदारी की अद्‌भुत मिसाल बताया। योगी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि यह भारत के लिए गौरव का क्षण है।

1975 की इमरजेंसी में हुई थी लोकतंत्र की हत्या: मोदी

इमरजेंसी के 50 साल- पीएम सहित पूरी कैबिनेट ने रखा मौन

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसके बाद आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया। कैबिनेट बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए।

पहला- पुणे मेट्रो विस्तार के लिए 3626 करोड़ रुपये पारित। दूसरा- झरिया (झारखंड) अंडरग्राउंड फायर के लिए 5940 करोड़ रुपये का संशोधित मास्टर प्लान मंजूर। तीसरा- आगरा में 111 करोड़ रुपये की लागत से अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित किया जाएगा। इससे पहले बुधवार सुबह पीएम मोदी ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इस दिन कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर लिया था। प्रेस की स्वतंत्रता खत्म कर दी थी। दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है। इमरजेंसी को लेकर मोदी ने लिखा कि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना, जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह हमारा कर्तव्य है। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था, जिसके चलते तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए। हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। पूरे भारत से अलग-अलग विचारधाराओं के लोग आए, उन्होंने एक उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। पीएम ने कहा कि इमरजेंसी के वक्त मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था पीएम ने अपनी पोस्ट में द इमरजेंसी डायरीज नाम की बुक का भी जिक्र किया। पीएम ने लिखा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को दिखाया। साथ ही, मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है, जिसकी प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे।

मोदी ने लिखा- कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया, इमरजेंसी लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय, कैबिनेट बैठक में लिए गए तीन बड़े फैसले

महाराष्ट्र विस चुनाव में गड़बड़ी वाली याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में गड़बड़ी को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिका की सुनवाई में कोर्ट का समय बर्बाद हुआ है। हालांकि याचिकाकर्ता पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है। जस्टिस जीएस कुलकर्णी और आरिफ डाक्टर की बेंच ने कहा कि इस याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसे में हम इसे खारिज करते हैं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि चुनाव में 6 बजे के बाद 75 लाख से ज्यादा वोट पड़े। साथ में चुनाव प्रक्रिया को अवैध घोषित करने की मांग की थी।

एसएससी घोटाला: ईडी ने 636 करोड़ की संपत्ति की जब्त

कोलकाता। ईडी ने 2016 के पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग (ग्रुप सी एवं डी स्टाफ) भर्ती घोटाले में गिरफ्तार बिचौलिए प्रसन्ना कुमार रॉय की 27.19 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रसन्ना कुमार रॉय की तीन चाय बागान कंपनियों सैमसिंग ऑर्गेनिक टी प्राइवेट लिमिटेड, यांगटोंग ऑर्गेनिक टी प्राइवेट लिमिटेड और बामनडांगा टी एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर बनी बंगलों, फैक्ट्रियों, मशीनों और गाड़ियों जैसी संपत्तियां जब्त की गई हैं। ईडी ने सहायक शिक्षक और प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटालों में अब तक कुल 636.88 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

CBSE 10वीं की परीक्षा 2026 से दो बार होगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सीबीएसई (सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन) 10वीं के स्टूडेंट 2026 से साल में 2 बार एग्जाम देंगे। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने बुधवार को यह जानकारी दी है।

नए परीक्षा पैटर्न के मुताबिक, पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी और दूसरी ऑप्शनल। पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही सप्लीमेंट्री एग्जाम खत्म कर दिए गए हैं। 12वीं बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा। दूसरी परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी। विंटर बाउंड स्कूलों (सर्दियों में बंद रहने वाले स्कूल) के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी। अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब्जेक्ट्स में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

■ पहली परीक्षा कम्पल्सरी, दूसरी ऑप्शनल, अप्रैल-जून में जारी होंगे नतीजे, सप्लीमेंट्री खत्म

ईरान ने 'रश्त' में ड्रोन को मार गिराया

तेहरान। ईरान के वायु रक्षा बलों ने मंगलवार देर रात उत्तरी शहर रश्त में कई माइक्रो एरियल व्हीकल्स (एमएवी) का पता लगाया और उन्हें मार गिराया। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर' ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। गिलान प्रांत के सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के डिप्टी-गवर्नर अली बाघेरी के अनुसार रश्त पर एमएवी द्वारा हमला किया गया था। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि मानवरहित विमान इजरायल का था या नहीं। गौरतलब है कि 13 जून को इजरायल ने ईरान के विभिन्न क्षेत्रों पर बड़े हवाई हमले किए। जिनमें परमाणु और सैन्य स्थल शामिल हैं। हमले में कई वरिष्ठ कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक और नागरिक मारे गए।

हल्द्वानी में कार नहर में गिरी, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

हिमाचल: धर्मशाला में 20 मजदूर बाढ़ में बहे, दो शव बरामद

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला में बुधवार को तेज बारिश हुई। खनियारा इलाके के सोकणी दा कोट में इंदिरा प्रियदर्शनी हाइड्रल प्रोजेक्ट में काम करने वाले 15-20 मजदूर मनुणी खड्ड (नदी) में बह गए।

अब तक दो मजदूरों के शव मिले हैं। मनुणी नदी आम दिनों में सूखी ही रहती है, लेकिन तेज बारिश के कारण नदी में अचानक से बाढ़ आ गई। मजदूर नदी किनारे बने शेड में रह रहे थे। इसलिए बाढ़ की चपेट में आ गए। कुल्लू जिले में भी तीन जगह सैंज घाटी के जीवा नाला, गढ़सा घाटी के शिलागढ़ और बंजार के होरनगढ़ में बादल फटा। जीवा नाला में बाप-बेटी समेत तीन लोग बह गए। वहीं उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में धारचुला-लिपुलेख रोड पर लैंडस्लाइड हुआ। इसके कारण आदिकैलाश रोड बंद हो गया। दोनों तरफ वाहन फंसे हुए हैं। बुधवार सुबह हल्द्वानी में एक कार नहर में गिर गई। कार सवार सात लोगों में से चार की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है। जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। एसडीआरएफ के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया। गुजरात के सूरत का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटी में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिये रेस्क्यू किया गया। परवत पाटिया इलाके में 5 फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ -शेष पृष्ठ दो पर

■ पिथौरागढ़ में लिपुलेख रोड पर लैंडस्लाइड से आदिकैलाश का रास्ता बंद

■ कुल्लू में तीन जगह बादल फटा, पिता-पुत्री समेत तीन लोग लापता

जमानत आदेश की अवमानना पर पांच लाख जुर्माना

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तर प्रदेश जेल प्राधिकरण को फटकार लगाई और जमानत के बावजूद आरोपी की रिहाई न होने पर नाराजगी जाहिर की। आरोपी को बीती 29 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया गया था।

आरोपी के खिलाफ धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे आरोपी को हर्जाने के तौर पर पांच लाख रुपये दें। आरोपी को बीती 24 जून को गाजियाबाद की जेल से रिहा कर दिया गया। उप्र जेल प्रशासन के निदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में पेश हुए। पीठ ने नाराज होते हुए पूछा कि आपके अधिकारियों की संवेदनशीलता पर आपका क्या कहना है? पीठ ने कहा कि अधिकारियों को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले नागरिक अधिकारों की अहमियत के बारे में संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आजादी बेहद ही कीमती और अहम अधिकार है, जिसकी गारंटी हमारा संविधान देता है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि आरोपी को मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया और इस बात की जांच की जा रही है कि आरोपी की रिहाई में देरी क्यों हुई। इस पर अदालत ने कहा कि इसकी जांच गाजियाबाद के मुख्य जिला और सत्र न्यायाधीश द्वारा की जानी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट ने जांच के बाद रिपोर्ट पेश करने को भी कहा। आरोपी ने दावा किया कि उसे धर्मांतरण विरोधी कानून की एक उपधारा के चलते रिहा नहीं किया गया क्योंकि जमानत आदेश में इसका जिक्र नहीं था।

■ सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी, उत्तर प्रदेश जेल प्राधिकरण को लगाई फटकार

नया डिजिटल प्लेटफॉर्म ई-सीनेट बना मददगार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को जानकारी दी कि हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनावों के लिए डिजिटल तकनीक की मदद से आयोग ने 72 घंटे यानी तीन दिन के अंदर चुनावी आंकड़ों के इंडेक्स कार्ड जारी कर दिए हैं।

यह काम आयोग ने अपने नए डिजिटल प्लेटफार्म ई-सीनेट के जरिये किया है। बता दें कि इंडेक्स कार्ड चुनाव के बाद तैयार होने वाली एक गैर-कानूनी (नॉन-स्टैच्यूटरी) रिपोर्ट होती है, जो वोटिंग से जुड़े आंकड़ों को समझने में मदद करती है। इस रिपोर्ट के जरिये उम्मीदवारों, मतदाताओं, मतदान प्रतिशत, वोट शेयर, लिंग के हिसाब से वोटिंग पैटर्न, क्षेत्रीय मतभेद और राजनीतिक पार्टियों के प्रदर्शन जैसे कई अहम पहलुओं की जानकारी मिलती है। चुनाव आयोग ने बताया कि उसने यह नया डिजिटल सिस्टम 19 जून को केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में पहली बार लागू किया था। इन चुनावों के नतीजे 23 जून को घोषित किए गए थे। बता दें कि ई-सीनेट नाम के इस सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह मतदान के दौरान होने वाले लगभग वोटर टर्नआउट यानी मतदान प्रतिशत के आंकड़ों को तेजी से अपडेट कर पाता है। इससे चुनाव की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ती है और आंकड़ों को समय पर समझना आसान हो जाता है। इस नई तकनीक के जरिये इंडेक्स कार्ड के अधिकांश आंकड़े अपने आप भर जाते हैं, क्योंकि ई-सीनेट सिस्टम सीधे डेटा एकत्र करता है।

■ चुनाव आयोग ने तीन दिनों में जारी किए उपचुनाव के आंकड़े

संक्षिप्त समाचार

60,244 पुलिसकर्मियों में कितने हैं पीडीए: अखिलेश

फर्रुखाबाद। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस वर्ष उत्तर प्रदेश में संपन्न हुई यूपी पुलिस की भर्ती पर सवाल उठाए हैं। सपा चीफ ने 60 हजार 244 पुलिस भर्ती को लेकर कहा कि इसमें कितने पीडीए हैं? कन्नौज सांसद ने फर्रूखाबाद में पूछा कि भाजपा सरकार सूची जारी कर बताए कि पुलिस भर्ती में कितने पीडीए हैं? इससे पहले उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने योगी सरकार में हाल ही हुई कांस्टेबल भर्ती पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यह एक रूटीन कार्य था। इसमें कुछ नया नहीं था, लेकिन सरकार की ओर से इसका जोरदार प्रचार किया गया। मायावती ने लिखा था, 'यूपी में अभी हाल ही में हुई सिपाही भर्ती को लेकर ऐसा प्रचारित किया गया, जैसे यह कोई नई बात हो, जबकि पुलिस में ऐसी भर्ती रूटीन कार्य है। ताकि बैकलॉग की बुराई पुलिस विभाग में भी न आए, लेकिन इस भर्ती में सर्वसमाज को सही हक मिला या नहीं व उनकी ट्रेनिंग का क्या?

श्रीनगर में ड्रग तस्कर की एक करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को श्रीनगर में एक कथित ड्रग तस्कर की करीब एक करोड़ रुपए मूल्य का दो मंजिला घर और उसके आसपास की जमीन को जब्त किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी करनाबल के तकनवारी निवासी परवेज अहमद भट है। उसके खिलाफ 2024 में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस) की धाराओं के तहत संगम थाने में प्राथमिकी दर्ज है। वह फिलहाल पीआईटी-एनडीपीएस अधि. नियम के तहत हिरासत में है।

योगी सरकार ने एनडीडीबी के साथ किया समझौता

मोदी राज में अब किसान नहीं करता आत्महत्या

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ कहा: पिछली सरकारों के दौरान नहीं हो पाया किसानों का विकास, अब बढ़ेगी दुग्ध उत्पादकों की आय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों की अकर्मण्यता के कारण कृषि के क्षेत्र में जो विकास हो सकता था वो नहीं हो पाया। इससे हमारे किसान लाभ से वंचित रह गए।

योजनाएं आपस में धन के बंदरबांट के लिए बनती थीं और हमारे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पाता था। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद देश में समग्र विकास की जो अवधारणा विकसित हुई है। उससे देश का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लखनऊ में गोरखपुर, कानपुर एवं कन्नौज के डेयरी प्लांट्स तथा अंबेडकरनगर की पशु आहार निर्माणशाला के संचालन के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड एवं उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन के मध्य एमओयू कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समग्र विकास के परिणाम स्वरूप अब किसानों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। अब अन्नदाता किसान खुशहाल है। आत्महत्या नहीं करता है। आज उसे कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य सेक्टरों में बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहन भी मिलता है। तकनीक भी मिलती है और सरकार हर प्रकार से उसे सहयोग करने के लिए तत्पर भी रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुधन संपदा और दुग्ध उत्पादन की विशाल क्षमता को यदि नियोजित और वैज्ञानिक तरीके से विक. सित किया जाए, तो उत्तर प्रदेश न केवल देश का अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य बन सकता है, बल्कि वैश्विक डेयरी मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है। योगी की उपस्थिति में राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (पीसीडीएफ) द्वारा संचालित तीन डेयरी प्लांट (कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज) तथा अम्बेडकरनगर स्थित एक पशुआहार निर्माणशाला के संचालन हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान संपन्न हुआ।

संविधान में धर्मनिरपेक्ष एवं समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में संशोधन करके धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात था। कांग्रेस को आपातकाल के लिए दलितों, वंचितों एवं पूरे देशवा. सियों से माफी मांगनी चाहिए। आपातकाल की 50वीं बरसी, संविधान हत्या दिवस पर लोकभवन में आयोजित भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय विषयक संगोष्ठी का शुभारम्भ किया।बाबा साहब अंबेडकर ने अपनी लेखनी के माध्यम से जिन दलितों एवं वंचितों को अधिकार दिलाया था, कांग्रेस ने उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया। योगी ने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस उपचार की सुविधा की घोषणा की। सपा हो या आरजेडी दोनों ने संविधान हत्या दिवस पर न तो कोई बयान और न ही सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने, पशुधन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता युक्त उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। एनडीडीबी जैसे दक्ष एवं अनुभवी संस्थान को संचालन सौंपे जाने से इन इकाइयों में तकनीकी कुशलता, व्यावसायिक पारदर्शिता और किसानों को प्रत्यक्ष लाभ सुनिश्चित होगा।

भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रहा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि चुनाव आयोग विपक्ष की बात नहीं सुनता है और चुनाव को लेकर उससे जो सवाल पूछे जाते हैं उनका जवाब नहीं दिया जाता। चुनाव आयोग सिर्फ सरकार के इशारे पर उसकी कठपुतली बनकर काम कर रहा है।

खड़गे ने बुधवार को यहां कांग्रेस के नए मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली की बात आंकड़ों के साथ कह रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग मानने को तैयार नहीं है। चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बन गया है और उसके इशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के दौरान हमने सीटें जीतीं, लेकिन पांच महीने बाद ही विधानसभा

■ सवालों का जवाब नहीं दे पाता चुनाव आयोग

चुनावों में आंकड़े बदल गए। पांच साल में जब वोटर लिस्ट बदलती है, तो दो-तीन प्रतिशत की वृद्धि होती है, लेकिन यहां पांच महीने में ही आठ प्रतिशत का उछाल देखा गया। मैंने कई चुनाव लड़े और लोगों को लड़वाए, पर ऐसा मैंने कभी नहीं देखा। हम लगातार इस मामले को उठा रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग कोई भी बात सुनने को तैयार नहीं है, क्योंकि सब जगह सरकार का नियंत्रण है। हर जगह आरएसएस के लोगों को बैठा रखा है और वहां दूसरों के लिए कोई जगह नहीं है।

कांग्रेस की नीयत अब भी तानाशाही वाली:बीजेपी

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय जनता पार्टी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूरे होने पर कहा कि कांग्रेस की नीयत अब भी तानाशाही वाली है और कांग्रेस शासित राज्यों में विरोध का क्रूर दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिख रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को सुबह एक बयान में कहा कि 25 जून, 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया था और देश के संविधान की हत्या कर दी थी। 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, उसकी नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। नड्डा ने कहा कि 1975 में अदालत ने इंदिरा गांधी को चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। रातों-रात प्रेस की बिजली काटी गई, सारे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया, प्रेस से आजादी छीन ली गई, अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया।

आपातकाल पाप क्षमा याचना करे कांग्रेस: शिवराज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि आपातक. ाल कांग्रेस का पाप है और उसे इसके लिए उसे क्षमा याचना करनी चाहिए। चौहान ने बुधवार को यहां आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कहा कि एक व्यक्ति की सनक ने तय कर दिया कि पूरे देश में नसबंदी करो और उसके लिए लक्ष्य तक तय कर दिए गए। जिन लोगों ने लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ आवाज उठाई और संविधान की रक्षा की, उन्हें जेलों में डाल दिया गया।

बीजेपी की गोद में बैठ गई कांग्रेस: केजरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी बीजेपी की गोद में बैठ गई है।

विस उपचुनाव में दो आप प्रत्याशियों की जीत से गदगद केजरीवाल ने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप प्रत्याशी संजीव अरोड़ा और गोपाल इटालिया ने क्रमश: अपनी सीटों पर जीत दर्ज की। इस जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता को बधाई दी और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। केजरीवाल ने कहा कि एक समय कहा जाता था कि राजनी. ति अच्छे लोगों के नहीं है, लेकिन आम आदमी पार्टी ने इस धारणा को तोड़ा।

थरूर की नई पोस्ट से कांग्रेस में हलचल

नई दिल्ली, वार्ता

■ किसी से इजाजत मत मांगो, ये पंख तुम्हारे हैं: थरूर

कांग्रेस के सीनियर नेता और सांसद शशि थरूर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने पार्टी के अंदर सियासी घमासान तेज कर दिया है। 25 जून को उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि किसी से इजाजत मत मांगो, ये पंख तुम्हारे हैं, चाहे आसमां किसी का भी क्यों न हो। इस पोस्ट के साथ एक चिड़िया की तस्वीर साझा की गई, जो कई सवाल खड़े कर रही है, जैसे कि क्या कांग्रेस के अंदर थरूर किसी प्रकार की कैद में हैं? क्या थरूर पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं?

शशि थरूर ने अपने एक्स अकाउंट पर यह पोस्ट की, जिसमें उन्होंने एक प्रेरणादायक संदेश के साथ एक छोटी सी चिड़िया की तस्वीर भी साझा की। पोस्ट के बाद से सोशल मीडिया पर चर्चा जोरों पर है। कई लोग इसे कांग्रेस छोड़ने की ओर इशारा मान रहे हैं। खासकर तब, जब हाल के दिनों में थरूर की भाजपा नेताओं से मुलाकातें और प्रधानमंत्री के साथ उनकी नजदीकियां चर्चा में रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान थरूर का भाजपा के साथ सहयोग और पीएम की तारीफ करना भी लोगों के मन में शक पैदा कर रहा है। कुछ लोगों का मानना है कि यह पोस्ट उनकी आजादी और नई पारी की शुरुआत का संकेत हो सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस के समर्थक इसे एक प्रेरणादायक संदेश मानकर थरूर का बचाव कर रहे हैं कि वो उनकी अन्य पोस्ट के समान ही साधारण सी है।

कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट: खड़गे

नई दिल्ली। खड़गे ने दिल्ली में बुधवार को शशि थरूर को लेकर कहा कि मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन थरूर की लैंग्वेज बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें पार्टी की वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पूरे विपक्ष ने मिलकर कहा कि हम आर्मी के साथ हैं। हमारे लिए देश पहले है, लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट हैं।

सेंसेक्स 82755.51
निफ्टी 25244.75

सोना रु. 97,157
प्रति 10 ग्राम (24 केरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 105200
प्रति किलो

चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, वार्ता

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम समझौते होने से एशियाई बाजारों में जारी तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार ने लगातार दूसरे दिन लंबी छलांग लगाई।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 700.40 अंक अर्थात 0. 85 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 82755.51 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 200.40 अंक यानी 0.80 प्रतिशत उछलकर 25244. 75 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.63 प्रतिशत मजबूत होकर 46,106.45 और स्मॉलकैप 1.59 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 53,897.25 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4162 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2821 में लिवाली जबकि 1207 में बिकवाली वहीं 134 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए

रखी गई कुल 2990 कंपनियों के शेयरो में से 2135 में तेजी जबकि 776 में गिरावट रही वहीं 79 में टिकाव रहा। बीएसई में तेल एवं गैस और कैपिटल गुड्स की 0.54 प्रतिशत तक की गिरवट को छोड़कर अन्य 19 समूहों में तेजी का रुख रहा।

इससे कमोडिटीज 0.99, सीडी 1.26, ऊर्जा 0.27, एफएमसीजी 0.85, वित्तीय सेवाएं 0.48, हेल्थकेयर 1.11, इंडस्ट्रियल्स 0.24, आईटी 1.68, दूरसंचार 1.42, यूटिलिटीज 0.95, ऑटो 1.00, बैंकिंग 0. 11, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.26, धातु 0.37, पावर 0.54, रियल्टी 0.58, टेक 1.69, सर्विसेज 0.86 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 1.69 प्रतिशत उछल गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.01 और जर्मनी का डैक्स 0.43 प्रतिशत लुढ़क गया। वहीं, जापान का निक्केई 0.39, हांगकांग का हैंगसेंग 1.23 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.04 प्रतिशत चढ़ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 394 अंक की तेजी के साथ 82,448.80 अंक पर खुला, लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद 82,339.57 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। वहीं, लिवाली होने से दोपहर बाद यह 82,815.91 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

अंत में पिछले दिवस के 82,055.11 अंक के मुकाबले 0.85 प्रतिशत की छलांग लगाकर 82755.51 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी भी 106 अंक की बढ़त लेकर 25,150.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 25,125.05 अंक के निचले, जबकि 25,266.80 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा।अंत में पिछले सत्र के 25,044.35 अंक की तुलना में 0.80 प्रतिशत मजबूत होकर 25244.75 अंक पर बंद हुआ।

सोना 106 गिरकर 97,157 पर आया

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में बुधवार को गिरावट देखी गई । इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 106 गिरकर 97,157 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोना 97,263 पर था। वहीं चांदी की कीमत 767 कम होकर 1,05,200 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,05,967 पर थी। नई दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,100 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रही, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550 थी। वहीं कोल. काता में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700, जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700 थी।

सरसों तेल महंगा, अन्य जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों में जारी गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बुधवार को दिल्ली थोक जिस बाजार में सरसों तेल महंगा हो गया, जबकि अन्य सभी जिसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 26 रिंगिट फिसलकर 3937 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.40 सेंट की गिरावट के साथ 51.77 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में सरसों तेल में 184 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और

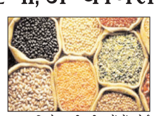

वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा।

इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन: चना 5600-5700, दाल चना 6600-6700, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9450-9550, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3650-3750 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4200-4300, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17033 रुपए, मूंगफली तेल 17948 रुपए, सूरजमुखी तेल 16116 रुपए, सोया रिफाइंड 14102 रुपए, पाम ऑयल 13333 रुपए और वनस्पति तेल 14666 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

पीएलआई में 21534 करोड़ रुपये वितरित

नई दिल्ली। सरकार ने उत्पादन से सम्बद्ध प्रोत्साहन योजनाओं (पीएलआई) के अंतर्गत 12 क्षेत्रों के लिए कुल मिला कर 21,534 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की है। यह जानकारी इन योजनाओं की समीक्षा के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में बुधवार को हुई एक बैठक में दी गई।

पीआईएल के तहत स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए चयनित इन 12 क्षेत्रों इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण , आईटी हार्डवेयर, बल्क ड्रग्स, चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यू टिकल्स, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, व्हाइट गुड्स, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, विशेष इस्पात, कपड़ा और ड्रोन और ड्रोन के कल-पुर्जे और प्रणालियां शामिल हैं। समीक्षा बैठक में गोयल ने कहा कि भारत उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रह है, जिनमें देश को अन्य देशों की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्राप्त है। उन्होंने अधिकारियों ने विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करने की जरूरत पर बल दिया, ताकि निर्यात बढ़ाया जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हल्द्वानी में... है। यहां बीमार बुजुर्ग को स्ट्रेचर पर लिटाकर पानी से निकालकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी तेज बारिश का अलर्ट है। केरल के वायनाड के बुधवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। चूरलमाला में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। पिछले साल मुडक्कई, चूरलमाला, अटामाला समेत दूसरे इलाकों में लैंडस्लाइड में 369 लोगों की मौत हुई थी। पहाड़ों पर नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हुआ है। इससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड और लद्दाख में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी गुजरात और राजस्थान के कई हिस्सों में भी भारी बारिश के संकेत हैं। अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी तेज बारिश हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में 26 जून से मानसून सक्रिय होने के साथ बारिश तेज होने की संभावना है। जयपुर में मंगलवार सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 3 इंच से ज्यादा (77.8एमएम) बारिश हुई। मध्य प्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग के मुताबिक, ट्रफ गुजरने के साथ ही साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है। प्रदेश में अगले 4 दिन तेज बारिश की संभावना है।

यूपी करेगा देश में सर्वाधिक 35 करोड़ पौधारोपण: सक्सेना

लखनऊ। मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में वन महोत्सव के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है।एक से सात जुलाई तक होने वाले इस आयोजन में पूरे प्रदेश में रिकार्ड 35 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा, जो पूरे देश में सर्वाधिक है। अधिकृत सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस संबंध में वन एवं वन्यजीव विभाग ने सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं।

विभिन्न विभागों के समन्वयन से निर्धारित लक्ष्य 52.33 करोड़ पौधों की सैपलिंग का एकत्रीकरण किया जा चुका है। साथ ही 72,912 हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण के लिए अग्रिम मृदा कार्य भी संपन्न हो चुका है। प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में मेरठ और गोरखपुर मण्डल के अलावा सभी मण्डलों की समीक्षा बैठक संपन्न हो चुकी है। जल्द ही पौधरोपण की तिथि तय होते ही प्रदेशव्यापी स्तर पर वन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी यूपी ने पूरे देश में सर्वाधिक 35 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य तय किया गया है। वन महोत्सव आयोजन के नोडल अधिकारी विभाग

■ वन एवं वन्य जीव विभाग ने सभी तैयारियां लगभग पूरी की

के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक दीपक कुमार ने बताया कि वन महोत्सव को लेकर विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

वन विभाग ने विभिन्न विभागों के समन्वयन से निर्धारित लक्ष्य के मुताबिक 52.33 करोड़ पौधों की सैपलिंग जिला एवं मण्डल स्तरों पर स्थित विभाग के मुख्यालयों में एकत्रित कर ली है। जिसके तहत लगभग 47.2 करोड़ पौधों की सैपलिंग वन विभाग ने स्वंय, जबकि लगभग 1. 55 करोड़ उद्यान विभाग, 0.33 करोड़ रेशम विभाग और 3.17 करोड़ निजी संस्थाओं के सहयोग से एकत्र कर ली है। जिसमें से 18.60 करोड़ पौध सागौन, शीशम आदि की, जबकि 10.79 करोड़ आम, अमरूद जैसे फलदार वृक्ष और 5.75 करोड़ सहजन,नीम आदि औषधीय पेड़, 5.62 करोड़ सिरस, अमलतास जैसे सौन्दर्यीकरण के पौधे और 0.29 करोड़ पौधे पीपल, बरगद आदि के विशाल वृक्षों की सैपलिंग तैयार की जा चुकी है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विधानसभा का मानसून सत्र जुलाई में

मुख्यमंत्री धामी कैबिनेट में 4 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड विधानसभा का आगामि मानसून सत्र जुलाई में होगा। कैबिनेट ने सत्र बुलाने को मंजूरी दे दी है, सत्र की तिथि और स्थान निर्धारित करने का अधिकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपा गया है। अब यह सीएम तय करेंगे कि मानसून सत्र कब से और कहां आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने चार महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। बैठक लगभग पौने दो घंटे चली, जिसमें राज्य की नीतिगत दिशा और प्रशासनिक निर्णयों पर चर्चा हुई।

प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में विधानसभा के आगामी मानसून सत्र को लेकर अहम फैसला लिया गया। कैबिनेट ने जुलाई महीने में सत्र

■ मानसून सत्र की तिथि व स्थान तय करेंगे मुख्यमंत्री ■ विशेष शिक्षा शिक्षक सेवा नियमावली 2025 को मिली मंजूरी पंचायती राज को मिली नई जिम्मेदारी

बुलाने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। हालांकि सत्र की तिथि और स्थान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तय करेंगे।

बैठक में शिक्षा के क्षेत्र में भी एक बड़ा निर्णय लिया गया। उत्तराखंड विशेष शिक्षा शिक्षक सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी प्रदान की गई, जिसके तहत प्रदेश में विशेष शिक्षा शिक्षकों के 135 पदों पर भर्ती की जाएगी। इससे विशेष जरूरतों वाले बच्चों को गुणवत्ताप. रक शिक्षा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तृतीय चरण को शुरू करने की दिशा में भी कार्रवाई तेज हो गई है। कैबिनेट ने इस कार्यक्रम को राज्य में लागू करने के लिए पंचायती राज विभाग को अधिकृत किया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

उत्तराखंड विशेष शिक्षा शिक्षक सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद शासन की और से सृजित 135 विशेष शिक्षा शिक्षकों के पदों की भर्ती के लिए नियमावली में संशोधन कर इसे मंत्रिमंडल से पारित किया गया। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के 7 मार्च 2025 के आदेश के तहत यह फैसला लिया गया, जिसके बाद 20 मार्च को 135 पद सृजित किए गए थे। इस नियमावली के लागू होने से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा में गुणवत्ता और सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह निर्णय शिक्षा व्यवस्था में समावेशी सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तृतीय चरण को लेकर निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम के तीसरे चरण के लागू होने की दशा में 1 अप्रैल 2026 से इसे क्रियान्वित करने के लिए पंचायती राज विभाग को अधिकृत किया गया है। यह निर्णय गांवों में स्वच्छता अभियान को और गति देगा। एकल सदस्य समर्पित आयोग की तृतीय रिपोर्ट पर मंत्रिमंडलीय उप समिति के सुझावों को कैबिनेट में प्रस्तुत किया गया। कैबिनेट में समिति की और से दी गई संस्तुतियों को अवलोकन में लिया गया। संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव: हाईकोर्ट में हुई आरक्षण रोस्टर पर सुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण रोस्टर निर्धारण के खिलाफ दायर विभिन्न याचिक. ाओं की सुनवाई की। इस मामले में अगली सुनवाई 26 जून को होगी। तब तक चुनाव प्रक्रिया पर रोक जारी रहेगी।

बुधवार को मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में दोपहर बाद करीब दो घंटे से अधिक समय तक सुनवाई हुई। कोर्ट के पास समय की कमी के कारण न्यायालय में गुरुवार को भी सुनवाई जारी रहेगी। सुनवाई पर अदालत ने कहा कि वो चुनाव नहीं कराने के पक्ष में नहीं, नियमों के तहत कराने के पक्ष में है। सरकार की ओर से महाधिवक्ता व मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने पक्ष रखते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग समर्पित आयोग की रिपोर्ट के बाद आरक्षण रोस्टर को शून्य घोषित करना

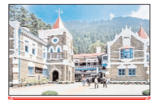

पंचायत चुनाव पर रोक बरकरार

आज भी जारी रहेगी सुनवाई

एकमात्र विकल्प था। 9 जून को जारी यह रूल्स 14 जून को गजट नोटिफाई हो गया था, जबकि याचिकाकर्ताओं ने उत्तराखंड पंचायत राज अधिनियम व संविधान के अनुच्छेद 243 टी व अन्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आरक्षण में रोस्टर अनिवार्य है. यह संवैधानिक बाध्यता है। इस मामले में सरकार की ओर से यह भी तर्क रखा गया कि कुछ याचिकाकर्ताओं के कारण सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता है। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा कि कितनों सीटों पर आरक्षण रोस्टर की पुनरावृत्ति हुई है? क्या यह पंचायत राज एक्ट व संविधान के अनुच्छेद 243 टी का उल्लंघन नहीं है? सभी पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट इन याचिकाओं की सुनवाई 26 जून को भी करेगा। आरक्षण नियमावली को दी गई है चुनौती: बागेश्वर निवासी गणेश कांडपाल और अन्य ने राज्य सरकार के 9 जून व 11 जून को जारी नियमावली को हाईकोर्ट में याचिका दायर करके चुनौती दी थी। सरकार ने इस नियमावली में राज्य में अब तक के आरक्षण रोस्टर को शून्य घोषित कर दिया था। आरक्षण का नया रोस्टर जारी कर उसे पहली बार वर्तमान चुनाव से लागू माना है। याचिकाकर्ता के मुताबिक, एक तरफ सरकार का यह नियम कोर्ट के पूर्व में जारी आदेश के खिलाफ है।दूसरा पंचायती राज अधिनियम 2016 की धारा 126 के अनुसार कोई भी रूल तभी प्रभावी माना जाएगा, जब उसका सरकारी गजट में प्रकाशन होगा।

महिला अपराधों में भाजपा नेताओं की संलिप्तता पर सरकार मौन: कांग्रेस

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में बढ़ते महिला अपराधों और उसमें भाजपा नेताओं की कथित संलिप्तता को लेकर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्य सरकार की चुप्पी पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा के शासन में महिलाएं पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं और अपराधियों को राजनी. तिक संरक्षण मिल रहा है।

रौतेला ने कहा कि उत्तराखंड में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे राज्य की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने कहा कि बेटियों की अस्मिता से खेल का जो सिलसिला सत्ता की छाया में पनप रहा है, वह राज्य की संवेदनशीलता और नैतिक ढांचे पर बड़ा सवालिया निशान है। उन्होंने हरिद्वार की पूर्व भाजपा महिला मोर्चा जिला

अध्यक्ष अनामिका शर्मा का जिक्र करते हुए कहा कि उस पर अपनी नाबालिग बेटी को बार-बार अपने प्रेमी और उसके साथी के हवाले करने का आरोप है। रौतेला ने कहा कि यह अपराध हरिद्वार से लेकर आगरा और वृंदावन तक फैले हुए हैं। शर्मनाक बात यह है कि जेल जाने के बावजूद अनामिका शर्मा को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो क्लिपिंग से यह भी सामने आया है कि जेल में उन्हें वीआईपी सुविधाएं मिल रही हैं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा कि क्या अन्य कैदियों को भी ऐसी सुविधाएं दी जाती हैं, जहां से वे अपने घरों पर कॉल कर सकें? क्या जेल प्रशासन का यह दोहरा मापदंड भाजपा नेताओं के लिए ही आरक्षित है? रौतेला ने भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर का मामला भी उठाया और कहा कि उन्होंने यूसीसी कानून की खुलेआम अवमानना की है। उन्होंने एक महिला के सम्मान और उसके सामाजिक अस्तित्व से खिलवाड़ किया, लेकिन पार्टी ने महज ष्नोटिसष् जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली। क्या यही भाजपा की पारिवारिक और नैतिक राजनीति है? पत्रकार वार्ता में महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष नजमा खान, आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा, चन्द्रकला नेगी, जिलाध्यक्ष पूनम सिंह, प्रदेश महासचिव अनुराधा तिवारी व प्रदेश सचिव सुशीला शर्मा भी मौजूद रहीं।

लोकतंत्र सेनानियों की सम्मान निधि को बढ़ाया जाएगा: धामी

सेनानियों को तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाएं: सीएम, मानसून सत्र में सेनानियों के कल्याण को आएगा अधिनियम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। सीएम धामी ने लोकतंत्र सेनानियों की मुद्दों के तत्परता से निस्तारण के लिए शासन स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए हैं। लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण व हित में मानसून सत्र में अधिनियम लाने की तैयारी करने, लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि की प्रक्रिया को सरल बनाने व सेनानियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के साथ ही संबंधित सचिव को लोकतंत्र सेनानियों को तत्काल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है।

सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिमाह मिलने वाली सम्मान निधि को बढ़ाने का फैसला लिया था, जिसे आने वाले समय में और बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपातकाल लगाये जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित संविधान हत्या दिवस 2025 पर मुख्यमंत्री आवास में लो. कतंत्र सेनानियों व उनके परिवार. जनों का स्वागत किया।

समस्त लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जिन्होंने आपातकाल के अंधकारमय कालखंड में भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा को अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया, उन्हें सम्मानित करना अत्यंत गौरव का अवसर है। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोशियारी, सचिव शैलेश बगौली, लोकतंत्र सेनानी कृष्ण कुमार अग्रवाल, प्रेम बड़ाकोटी व लोकतंत्र सेनानी और उनके परिजन मौजूद रहे।

आपातकाल संविधान की आत्मा को कुचलने का प्रयास: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून 1975 का दिन हमेशा एक काले अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। 50 वर्ष पूर्व इसी दिन देश पर आपातकाल थोपा गया था और संविधान की आत्मा को कुचलने का प्रयास किया गया था। और यह सब एक व्यक्ति की हठधर्मिता और तानाशाही रवैए का परिणाम था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण, श्रद्धेय नानाजी देशमुख और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं ने जेलों में रहते हुए भी लोकतंत्र के प्रति युवाओं में चेतना जाग्रत करने का कार्य किया।

आपातकाल के काले अध्याय से आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1977 के उस आम चुनाव में देश की जनता ने पहली बार किसी गैर कांग्रेसी सरकार को चुनकर लोकतंत्र की नई सुबह का सूत्रपात किया। भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई के बाद वो दूसरी सबसे बड़ी जनक्रांति थी जिसने भारत को सत्ता के एकाधिकार से मुक्ति दिलाने का कार्य किया था। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं आपातकाल के समय भूमिगत रहकर लोकतंत्र की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहे थे। यही कारण है कि उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के योगदान और आपातकाल के काले अध्याय से आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराने को 25 जून को "संविधान हत्या दिवस" के रूप में मनाने की शुरुआत की।

युवाओं का करियर ऑप्शन बन रहा खेल : रेखा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के उपलक्ष में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-17 बालक हॉकी प्रतियोगिता हरिद्वार ने 2-0 से जीत ली है। जबकि उपविजेता पिथौरागढ एवं तृतीय स्थान टनकपुर ने प्राप्त किया। बुधवार को खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में विजेताओं को सम्मानित किया।

बुधवार को स्टेडियम के खेले गए हॉकी प्रतियोगिता के पफाइनल में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद खेल मंत्री रेखा आर्य ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर

शुभारंभ किया। खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में विजेता टीम को टॉपफी देकर सम्मानित किया। वहीं दूसरी ओर क्विज प्रतियोगिता में नैतिक वर्मा, देवेश अग्रवाल, विशाल पुरी, दिव्यांशु जोशी, स्लोगन मे कृषणाजलि, कनिका, प्रियांशी नेगी, निबंध प्रतियोगिता में हर्षित थुवाल, पलक पाल, रक्षित जोशी, विजेताओ को मुख्य अतिथि द्वारा आकर्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पहले खेल को उपेक्षा की नजर से देखा जाता था लेकिन अब युवा बड़ी संख्या में इसे करियर विकल्प के रूप में चुन रहे हैं। इस मौके पर खेल उपनिदेशक रासिका सिद्दीकी, जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, उपकीडा अधिकारी वरुण बेलवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, मंडल अध्यक्ष मधुकर श्रोतिय, दर्जा धारी राज्य मंत्री नवीन वर्मा आदि मौजूद रहे।

मानसून सीजन समाप्त होने के बाद पंचायत चुनाव कराने को बनाएं आम सहमति : जुगरान

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आंदोलनकारी सम्मान परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता रवीन्द्र जुगरान ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बारे में पक्ष विपक्ष, समस्त राजनैतिक दलों, निर्वाचन आयोग व सभी पक्षकारों को विचार विमर्श कर मानसून सीजन समाप्त होने के बाद चुनाव कराने के लिए आम सहमति बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्योंकि यह मामला उच्च न्यायालय में भी विचाराधीन है, इसलिए न्यायालय को भी मानसून के समय चुनाव ना कराने का सुझाव देना चाहिए।

लोकतंत्र के काले अध्याय की जानकारी प्रत्येक पीढ़ी को होनी चाहिए : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा देश की भांति प्रदेश में भी आपातकाल की 50 वीं बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रही है। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि ये भारतीय लोकतंत्र का वो काला अध्याय है, जिसे हर पीढ़ी को जानना आवश्यक है, ताकि भविष्य में फिर कभी संवैधानिक भावनाओं, संसदीय अधिकारों और अभिव्यक्ति

■ आपातकाल की 50वीं बरसी संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रही है भाजपा

की आजादी का दमन न हो सके।

उन्होंने कहा कि हम अपने संविधान में सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। साथ ही प्रतिबद्धता से हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूते हुए गरीबों और दलितों के सपनों को पूरा भी कर रहे हैं। लेकिन बावजूद इसके हमारा स्पष्ट मानना है कि भारतीय लो. कतंत्र में 25 जून 1975 को लिखे आपातकाल के इतिहास को याद रखना प्रत्येक पीढ़ी के लिए जरूरी है। इसी उद्देश्य से भाजपा इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को संविधान हत्या दिवस के रूप में देश की तरह प्रदेश में विधानसभा स्तर पर मना रही है।

उत्तराखंड में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने को एनएफडीसी-यूएफडीसी की कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड को फिल्म निर्माण का हब बनाने के उद्देश्य से बुधवार को सहस्त्रधारा रोड स्थित एक होटल में नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएफडीसी) और उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद (यूएफडीसी) की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यशाला का विषय 'उत्तराखंड में फिल्मिंग इकोसिस्टम का विकास' रखा गया, जिसमें फिल्म नीति, सब्सिडी, डिजिटल पोर्टल, अवसंरचना और क्षेत्रीय सिनेमा पर

विशेष चर्चा हुई। यूएफडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने बताया कि उत्तराखंड की नई फिल्म नीति में क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी रूपये 25 लाख से बढ़ाकर रूपये 2 करोड़ कर दी गई है। कम चर्चित स्थलों पर शूटिंग और स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल रहा है। साथ ही, एकल स्क्रीन थिएटर खोलने पर रूपये 25 लाख की सहायता दी जा रही है। एनएफडीसी के महाप्रबंधक अजय धोके और भारत सरकार की फिल्म निदेशक शिल्पा राव ने राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं और डिजिटल प्लेटफॉर्म 'इंडियन सिने हब' की जानकारी दी, जो एकीकृत पोर्टल के रूप में फिल्म निर्माताओं को सुविधा देगा। इस मौके पर फिल्म्स निदेशक, सूचना मंत्रालय शिल्पा राव, उपाध्यक्ष, इंडियन सिने हब श्रुति राजकुमार, महाप्रबंधक एनएफडीसी अजय धोके अपर निदेशक सूचना आशीष त्रिपाठी, सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा जल भरने गई थी महिला, पैर फिसलने से तेज बहाव में बही

उत्तरकाशी। जल भरने गई महिला का पैर फिसलने से महिला गंगा की तेज लहरों में बह गई है। घटना जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के उजेली के पास की है जब कस्तूरी देवी अपने पति के साथ जल भरने गई अचानक नदी के तेज बहाव में बह गई। सूचना पर पुलिस सहित एसडीआरएफ जल पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। टीम ने नदी में सर्च अभियान चलाया, लेकिन नदी के तेज बहाव और बढ़े हुए जलस्तर में उसका कुछ पता नहीं लग पाया है। इधर कोतवाल निरीक्षक भावना कैंथोला ने बताया कि खांड गांव निवासी कैलाशी देवी से मिली जानकारी के अनुसार उसकी ननंद कस्तूरी देवी पत्नी दरवियान निवासी नारायणपुरी बड़कोट उनके घर पर आए हुए थे।

आपातकाल लोकतंत्र पर भूकंप था: उपराष्ट्रपति धनखड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के स्वर्ण जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने 25 जून 1975 को देश में थोपे गए आपातकाल को लोकतंत्र पर 'भूकंप' करार देते हुए कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय दौर था। उन्होंने कहा कि उस समय प्रधानमंत्री ने निजी हितों को सर्वोपरि रखते हुए कैबिनेट को दरकिनार कर राष्ट्रपति से आपातकाल लागू कराया। करीब 1. 40 लाख लोगों को जेलों में डाला गया, मौलिक अधिकार छीन लिए गए और न्याय तक पहुंच भी बंद कर दी गई।

धनखड़ ने बताया कि नौ उच्च न्यायालयों ने मौलिक अधिकारों की रक्षा की बात कही, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने उस पर पानी फेर दिया। हालांकि एकमात्र न्यायमूर्ति एचआर खन्ना ने विरोध जताया। उन्होंने युवाओं से कहा कि उन्हें यह जानना जरूरी है कि उस काल में प्रेस पर क्या बीती, किसे जेल भेजा गया और कैसे लोकतंत्र को दबाने की कोशिश की गई।

उपराष्ट्रपति ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाए जाने के फैसले को ऐतिहा. सिक करार देते हुए कहा कि यह हमें भविष्य में ऐसी गलतियों से सीख लेने और दोषियों की पहचान करने का अवसर देता है।

समारोह में उत्तराखंड के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक सरिता आर्या, विधायक राम सिंह कैड़ा, पूर्व सांसद डॉ. महेंद्र पाल, मंडलायुक्त दीपक रावत, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, डीएम वंदना सिंह, कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत, ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, जीबी पंत कृषि विवि के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

परिसर आधारित शिक्षा को सराहा, पूर्व छात्रों के योगदान की बताई अहमियत

उपराष्ट्रपति ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री देने के स्थान नहीं, बल्कि विचार और नवाचार के जन्म स्थल हैं। विद्यार्थियों से 'जस्ट डू इट' की तर्ज पर 'डू इट नाउ' की अपील करते हुए कहा कि भारत की तकदीर गढ़ने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। धनखड़ ने पूर्व छात्रों के सहयोग की मिसाल देते हुए कहा कि अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों के पास अरबों डॉलर के एलुमनाई फंड हैं। यदि कुमाऊं विश्वविद्यालय के एक लाख पूर्व छात्र सालाना 10,000 रुपये दें, तो सालाना 1000 करोड़ रुपये का कोष बन सकता है, जिससे विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर हो जाएगा।

समारोह में उपराष्ट्रपति की तबीयत बिगड़ी, राजभवन में आराम कर रहे

कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत राजभवन ले जाया गया। फिलहाल वे आराम कर रहे हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि उपराष्ट्रपति की हालत अब स्थिर है और उनके आगे के सभी कार्यक्रम यथावत रहेंगे।

विश्वविद्यालय ने ज्ञान को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया: राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कुमाऊं विवि ने पिछले 50 वर्षों में न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त की है बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक ज्ञान की रोशनी पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक चेतना युवाओं के लिए जरूरी है। राज्यपाल ने शिक्षकों की भूमिका को राष्ट्र निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण बताया और कहा कि उनका दायित्व सिर्फ पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा देना भी है।

पारदर्शिता के साथ योजनाओं को करें लागू : मेहरबान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। निबंधक सहकारिता के रूप में आईएएस मेहरबान सिंह बिष्ट ने बुधवार को मियांवला, देहरादून स्थित निबंधक मुख्यालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की, जिसमें विभागीय योजनाओं की प्रगति और कार्यान्वयन की विस्तृत जानकारी ली गई।

समीक्षा बैठक में निबंधक बिष्ट

■ निबंधक सहकारिता बिष्ट ने संभाला पदभार

ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभागीय योजनाओं को पूर्ण पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार का प्रमुख लक्ष्य राज्य के किसानों की आय में वृद्धि करना और सहकारिता विभाग के माध्यम से सभी जनपदों में अधिक से अधिक महिलाओं को ष्लखपति दीदीष बनाने का है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार की सहकारिता योजनाओं को भी प्रदेश में प्रभावी और पारदर्शी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया। बिष्ट ने यह भी निर्देश दिया कि उत्तराखंड सरकार की योजनाओं को समयबद्ध और लक्ष्य-निर्धारित तरीके से सभी जनपदों में लागू किया जाए। विशेष रूप से, बैंकिंग क्षेत्र में वास्तविक किसानों को पारदर्शी तरीके से ऋण वितरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक में अपर निबंधक आनंद शुक्ल ने बताया कि विभाग ने ष्मुख्यमंत्री घसियारी कल्याण योजनाष का सफल संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत गौ-पालकों को सब्सिडी युक्त उच्च गुणवत्ता का साइलेज उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में सहायक निबंधक (मुख्यालय) राजेश चौहान, मोनिका चूनेरा, सुमन कुमार और दिग्विजय सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुसीबत बना अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाइवे

क्वारब के पास ट्रक फंसने से डेढ़ घंटे ठप रहा यातायात

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के क्वारब के पास बदहाल सड़क से आवगमन को लेकर दिक्कतें कम होने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार को ट्रक के ंसने से हाइवे में करीब डेढ़ घंटा यातायात बाधित रहा। इससे यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दरअसल, क्वारब की दरकती पहाड़ी और बदहाल सड़क की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है। इससे आए दिन लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को बीच सड़क में ट्रक ंसने से हाइवे में डेढ़ घंटा जाम लगा रहा। इस दौरान मार्ग के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची प्रशासन की जेसीबी ने सड़क में ंसे ट्रक को कड़ी मशक्कत के बाद निकाला। जिसके बाद यातायात सुचारू हो सका। लंबे समय से बदहाल सड़क का स्थानीय समाधान नहीं होने से लोगों ने नाराजगी जताई। कहा कि क्वारब मार्ग से यात्रा करना मुसीबत बनते जा रहा है। आरोप लगाए की अब तक मार्ग को दुरस्थ नहीं किया जा सका है। जिसका खामियाजा आम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। एनएच के ईई अशोक चौधरी ने बताया कि अल्मोड़ा- हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग के क्वारब के पास ट्रक फंस गया था। जानकारी मिलते ही जेसीबी के माध्यम से फंसे ट्रक को हटाकर यातायात सुचारू कर दिया गया था।

दिन भर रुक-रुककर लगता रहा जाम

क्वारब सड़क की बदहाली के कारण लोग परेशान हैं। सड़क से सुचारू रूप से वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। समय-समय पर जाम लगने से दिन भर वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं। बुधवार को भी रुक-रुक कर क्वारब पर जाम लगता रहा। काफी देर तक लोग पहाड़ी के अगले छोर तक पहुंचने का इंतजार करते रहे। क्वारब का छोटा सा हिस्सा पार करने में लोगों को घंटों का समय लग गया। कई लोगों ने एनएच छोड़कर वैकल्पिक मार्गों का सहारा लिया।

कुमाऊं महोत्सव में माया उपाध्याय ने जमाया रंग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नगर के जीआईसी खेल मैदान में चल रहे दस दिवसीय कुमाऊ महोत्सव में मंगलवार देर रात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिसमें लोक गायिका माया उपाध्याय ने कुमाऊनी-गढ़वाली लोक गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री राम सांस्कृतिक व सामा. जिक सेवा समिति की ओर से आयोजित कुमाऊ महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक टीमों ने कुमाऊं-गढ़वाली नृत्यों और गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने में मजबूर कर दिया। देर रात तक दर्शक दीर्घा में लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लुप्त उठाने के लिए जमे रहे। यहां पहुंची लोक कलाकार माया उपाध्याय ने क्रीम पडोरा...., हिट दीपा म्यर दगड़ा......, हाय ककड़ी झिलमां नूण पिसौ सिल मां..., हे पूजा तिले धारू बोला...., अल्मोड़ा बाजार कमला ना मार लटका...., और बेडू पाको बारामासा ओ नरेणि काफल पाको चौता मेरी छैला..... आदि कुमाऊनी-गढ़वाली गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। वहीं, महोत्सव के दौरान रूद्रवंशी बिष्ट की ओर से आर्टिस्टिक योग की प्रस्तुति दी गई। दिशा अकादमी ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर यहां होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अरूण वर्मा, समिति के अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, अमरनाथ सिंह नेगी, हरीश कनवाल, डा. संतोष बिष्ट, जगदीश वर्मा आदि मौजूद रहे।

एक नजर

नंदा राजजात यात्रा मार्गों के सुधारीकरण के निर्देश

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नंदादेवी राजजात यात्रा को लेकर बुधवार को डीएम आलोक कुमार पांडेय ने तैयारियां बैठक ली। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों को यात्रा मार्गों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। अगस्त 2026 में प्रस्तावित नंदा देवी राजजात यात्रा के सफल आयोजन को लेकर डीएम ने सभी विभाग को अपने-अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्यों का विस्तृत एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। ताकि उन्हें शीघ्र ही शासन को प्रेषित किया जा सके। उन्होंने श्रद्धालुओं की अनुमानित संख्या को ध्यान में रखते हुए बुनियादी सुविधाओं की सुदृढ़ योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा यात्रा मार्गों की वर्तमान स्थिति का आकलन करते हुए उनमें आवश्यक सुधार कार्यों की योजना बनाने, यात्रा मार्गों पर स्थित प्रमुख मंदिरों के सौंदर्यीकरण करने, स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना करने, शौचालयों, टीन शेड, एवं पेयजल आपूर्ति जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सीडीओ रामजीशरण शर्मा, एडीएम चंद्र सिंह मर्तोलिया, एसडीओ चैतन्य कांडपाल, जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश खत्री, क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी चंद्र सिंह चौहान, जनमेजय तिवारी समेत अन्य मौजूद रहे।

दो शिक्षिकाओं और दो छात्रों पर मुकदमा दर्ज

अल्मोड़ा। एसएसजे परिसर के विधि संकाय की एक छात्रा का शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पीड़ित छात्रा की तहरीर पर पुलिस ने परिसर की दो शिक्षिकाओं और दो छात्रों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार विधि संकाय की एक छात्रा ने अल्मोड़ा कोतवाली में तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि बीते दिनों वह कॉलेज गई हुई थी। इस दौरान शिक्षिका वंदना टम्टा, अनीता भारती, छात्र शुभम पांडे व एक अन्य ने उसे कमरे में बंद कर दिया। शिक्षिकाओं के खिलाफ कॉलेज में चल रहे आंदोलन के खिलाफ जबरन माफीनामा लिखवाया गया। जबकि उस पर शारीरिक हमला कर धमकियां दी गई। छात्रा ने पुलिस से चारों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई है। कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि छात्रा की तहरीर पर दो शिक्षिकाओं और दो छात्रों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बागेश्वर का फुटबॉल ट्राफी पर कब्जा

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में नाइन-ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता समापन हो गया है। फाइनल प्रतियोगिता में बागेश्वर की टीम ने शानदार जीत दर्ज कर ट्राफी पर अपना कब्जा जमाया। हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में जिला फुटबॉल एसोसिएशन की ओर से आयोजित फाइनल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर निगम मेयर अजय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इसके बाद बागेश्वर और मुनस्यारी के बीच मुकाबला गया। शानदार मुकाबले में बागेश्वर की टीम ने मुनस्यारी की टीम को 3-0 के अंतर से परास्त कर ट्राफी पर अपना कब्जा जमाया। अतिथियों की ओर से विजेता और उपविजेता टीमों को ट्राफी और नकद धनराशि देकर सम्मानित किया। इस मौके पर यहां फुटबॉल एसोसिएशन जिलाध्यक्ष हरीश कनवाल, भूपेश बिष्ट, रवि रौतेला, पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक, विनीत बिष्ट, धमेंद्र बिष्ट, किशन गुरुरानी, अमित साह, अर्जुन बिष्ट, मनीष कनवाल, जीवन प्रकाश समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

ग्रामीण के ऊपर पहाड़ी से बोल्डर गिरा

बागेश्वर। कपकोट सौग मोटर मार्ग से पैदल घर को जा रहे दो ग्रामीण के ऊपर पहाड़ी से पत्थर गिर गया। पत्थर की चपेट में आकर एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हुआ। जबकि दूसरे को मामूली चोट बताई जा रही है। आपदा कंट्रोल रूम कपकोट से मिली जानकारी के अनुसार दुलम निवासी लक्ष्मण सिंह पुत्र दरवान सिंह तथा बड़ेत निवासी जमन सिंह पुत्र भगवत सिंह बुधवार की सुबह सौग मोटरमार्ग से अपने घर को जा रहे थे। तभी पहाड़ी से बोल्डर गिर गया। बोल्डर के चपेट में आकर 35 वर्षीय लक्ष्मण सिंह बुरी तरह घायल हो गए। जबकि उनके साथ चल रहे जमन सिंह को हलकी चोट आई। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी चिकित्सालय कपकोट लाया गया। यहां घायल के सिर में 8 टांके लगे। इसके अलावा उनके हाथ, पैर, कंधे में भी मरहम पटी की। जमान सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया है। बताया जा रहा है कि यह प्रकरण दैवी आपदा के मानकों में आता है। तहत आगे की कार्यवाही की जा रही है।

कुंडा पुलिस ने चलाया नशे के खिलाफ अभियान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। कुंडा थाना पुलिस ने क्षेत्र में बढ़ रहे नशे के खिलाफ जन जागरूक अभियान चलाकर आम जनता को जागरूक किया। बता दें कि नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर तथा पुलिस अधीक्षक काशीपुर एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी के निर्देश पर जिले भर में नशा मुक्त भारत अभियान विगत 12 जून से चलाया जा रहा है जो 26 जून तक चलाया जाएगा। उसी क्रम में कुंडा थाना प्रभारी हरेंद्र चौधरी के निर्देश पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के आदेश के अनुपालन में चौकी मंडी थाना कुंडा पुलिस द्वारा बैनर, फ्लक्सी आदि के साथ नशा छोड़ो जीवन से जन जागरूकता अभियान चलाकर स्थानीय लोगो को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए लोगो को नशे के दुष्परिणाम से अवगत कराकर नशा ना करने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर मंडी चौकी प्रभारी अर्जुन सिंह, उपनिरीक्षक दीपक चौहान, कांस्टेबल सुमित कुमार के अलावा तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

हिमाद्री हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट सहकारी समिति का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। डीनापानी स्थित हिमाद्री हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट सहकारी समिति का सीडीओ रामजी शरण शर्मा ने बुधवार को निरीक्षण किया। कहा कि ऐसे प्रयास आत्मनिर्भर की अवधारणा को साकार करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस इकाई को पूर्ण सहयोग देगा और इसके उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच से जोड़ने की रणनीति पर कार्य करेगा। मौके पर सीडीओ ने कहा कि जब महिलाएं स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक तकनीकों के माध्यम से आजीविका अर्जित करती हैं, तो यह न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक समृद्धि की दिशा में भी एक सशक्त कदम होता है। मौके पर परामर्शदाता मुक्ति दत्ता ने बताया कि समिति में कुशल महिला कारीगरों की ओर से मैरीनो, पश्मीना, ऐक्रेलिक एवं नेटल से बने शाल, स्टोल, स्कार्फ एवं अन्य परिष्कृत उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। ये उत्पाद स्थानीय कारीगरी की पहचान तो हैं ही साथ ही गुणवत्ता और डिजाइन की दृष्टि से बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में भी सक्षम हैं। उन्होंने इकाई में हो रहे नवाचारों, उत्पाद विविधता और उनकी संभावित विपणन रणनीति पर भी विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस इकाई का उद्देश्य केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि महिला कारीगरों को आर्थिक एवं सामाजिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है।

डाइट में मॉडल बाल वाटिका का उद्घाटन

जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे ने किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा में एससीईआरटी के सौजन्य से स्थापित पूर्व बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) के अंतर्गत मॉडल बाल वाटिका का उद्घाटन जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे द्वारा किया गया। डायट अल्मोड़ा के ईसीसीई (मॉडल बाल वाटिका) समन्वयक रमेश सिंह रावत ने बताया कि आंगनबाड़ी के बालवाटिका में तीन वर्ष से छः वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को उनकी आयु, रूचि एवं क्षमता के अनुसार सीखने सिखाने हेतु मॉडल बाल वाटिका की स्थापना की गयी हैं। जिसमें बच्चों को खेल , कविताओं, कहानियों, अंकगणितीय एवं तार्किक पहेलियों क्रियात्मक एवं रचनात्मक रूप से सीखने-सिखाने का कार्य किया जाएगा।

जो आंगनबाड़ी के बाल वाटिका की कक्षाओं हेतु अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि बच्चों को खेल अति प्रिय होते हैं इसलिए मॉडल बाल वाटिका में विभिन्न प्रकार के इनडोर एवं आउटडोर खेल सामग्री, खिलौने, चित्र, व्हाइट बोर्ड, ग्रीन एवं मैग्नेटिक बोर्ड एवं संगीत समग्र की व्यवस्था की गयी हैं जैसे लूडो, टेबल टेनिस, रुपये पैसे, झूले, पजल, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल इत्यादि खेल सामग्री। मॉडल बल वाटिका में बच्चों हेतु लर्निंग कार्नर भी स्थापित किया गया हैं जहां पर बच्चे अपने मनपसंद की किताबें पढ़ सकते हैं। डायट के मॉडल वाटिका में बच्चों हेतु खेल मैदान, फुलवारी एवं झूले भी है। इस अवसर पर अल्मोड़ा जनपद के मुख्य शिक्षाधिकारी अत्रेश सयाना, डायट प्राचार्य एलएम पांडे, नियोजन एवं प्रबंध विभागाध्यक्ष डा. हेम चंद्र जोशी, खंड शिक्षाधिकारी हरीश रौतेला, खंड शिक्षाधिकारी प्रेमा बिष्ट, समग्र शिक्षा अभियान के समन्वयक नीरज जोशी एवं प्रदीप बिष्ट सहित अन्य मौजूद रहे।

नशे के दुष्परिणाम बताए

बागेश्वर। नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत जनपद बागेश्वर में चलाए जा रहे विशेष अभियान में लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में एसपी चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में बुधवार को पुलिस द्वारा नगर में युवाओं आम जनमानस को नशे की लत से होने वाले सामाजिक, मानसिक एवं शारीरिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही नशा मुक्ति को जीवनशैली में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। नशा मुक्ति अभियान में पुलिस व समाज की आपसी सहभागिता और उत्तरदायित्व से अवगत कराते हुए नशे से पीड़ित लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करने हेतु भारत सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नम्बर 14446 व अन्य आपातकालीन नंबर के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही लोगों को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अभियान पर मादक पदार्थो से होने वाले नुकसान बताए।

इमरजेंसी पर भाजपा की गोष्ठी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मंडलसेरा में जिलाध्यक्ष प्रभा गढ़िया की अध्यक्षता में 25 जून आपातकाल दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पिथौरागढ़ जिला प्रभारी कुंदन परिहार, संयोजक जिला महामंत्री संजय परिहार, संयोजक जिला कोषाध्यक्ष राजेंद्र राठौड़, युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपक सिंह गसयाल रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देश में 25 जून 1975 को जो आपातकाल लगा उस समय इंदिरा गांधी की सरकार थी।

उस समय देश में विषम परिस्थितियों पैदा हो गई। इंदिरा गांधी द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर लोगों के अधिकारों का हनन करने का काम किया। अपने पद का दुरुपयोग करते हुए प्रजातंत्र को अपने हिसाब से चलाने का प्रयास किया किया। 1977 में आपातकाल के पश्चात चुनाव करवाए गए, ताकि खुद की पार्टी को लाभ पहुंचाया जा सके। आपातकाल के दौरान लोगों को यातनाएं दी थी। कार्यक्रम में पहुंचे कपकोट विधायक सुरेश गढ़िया ने कहा कि इस प्रकार के राजनीति से देश को गर्त में डालने वाली सरकार को अब जनता जबाव दे रही है।

इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विक्रम सिंह शाही, निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य देवेंद्र गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष मथुरा प्रसाद, कार्यालय प्रभारी दयाल कांडपाल, जिला मीडिया प्रकाश साह, मंडल अध्यक्ष नगर विवेक तिवारी, गरुड़ सुनील दोषाद, बजयूला दयाकृष्ण जोशी, ग्रामीण राजकुमार मेहता देवल चौड़ा भूपेश फर्त्याल आदि मौजूद थे।

बिजनेस में प्रॉफिट का लालच देकर 12 लाख रुपये ठगे

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। बिजनेस में प्रॉफिट का लालच देकर 12 लाख रूपये हड़प किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। मोहल्ला सिंघान निवासी दीनदयाल पुत्र स्व. तिलक राज वर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह शिक्षा विभाग में कर्मचारी हैं। फरवरी-मार्च के महीने में शादी डॉट कॉम से एक ोन आया तथा ट्रेडिंग लिंक भेजा गया। लिंक ओपन करने का संदेश था। इसमें ट्रेडिंग करने से लेकर प्रॉफिट मिलने तक के सभी डिटेल्स थे। दीनदयाल ने बताया कि उन्होंने उनका एक खाता बनाया और कहा कि टेलीग्राम पर उस ऑर्डर को पूरा करने पर आपका सारा पैसा प्रॉफिट सहित वापिस हो जायेगा, पहले उन्होंने 1000 रुपये डलवाकर 1300 वापिस कर दिये, तत्पश्चात उन्हें पूर्ण विश्वास में लेकर आगे की ट्रेडिंग करवायी तथा बार-बार कहा आपका पैसा सेफ है तथा आपको महा प्रॉफिट सहित वापिस होगा, ऑर्डर को पूर्ण करने पर सारा पैसा वापिस हो जायेगा। दीनदयाल ने बताया कि वे उनसे धन. राशि लेते गये तथा ज्यादा पैसा रुक जाने के कारण उन्होंने उन्हें फंसा दिया तथा उनके मेहनत के सारे पैसे अपने बैंक अकाउण्ट में ट्रांसफर करवाते रहे। वह इस विश्वास में रहे कि उनका पैसा वापिस हो जायेगा परन्तु उस कम्पनी द्वारा कोई भी धन. राशि नहीं लौटायी गयी तथा लिंक बदल दिया। दीनदयाल ने बताया कि इसके पश्चात उनके पास अलग अलग व्हाट्सएप नंबरों से कॉल आते रहे, जो वर्तमान में भी जारी रहे, परन्तु उनका पैसा ना लौटाकर बार-बार उन्हें जमा करने का प्रेशर बनाते रहे। उन्होंने उन लोगों से काफी रिक्वेस्ट की, परन्तु उन्होंने उनका पैसा वापिस नहीं किया। उनके इस ट्रेडिंग में लगभग 12 लाख रुपये चले गये। उन्होंने उक्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर उनके पैसे वापस दिलवाने की गुहार लगाई है। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कटोराताल चौकी इंचार्ज बिपुल चंद्र जोशी के हवाले की है।

ई-रिक्शा का रूट निर्धारित हो

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। काशीपुर में ई-रिक्शाओं के रूट व रेट निर्धारित किये जाने की मांग एक फिर मुखर हो चली है।

जनता की मांग है कि प्रशासन ई-रिक्शाओं का रूट व रेट जल्द निर्धारित करना चाहिए, ताकि ई-रिक्शा चालकों की मनमानी पर अंकुश लग सके। वहीं, क्षेत्रीय बुद्धिजीवियों का भी कहना है कि नगर की यातायात व्यवस्था दुरूस्त किये जाने के लिए ई-रिक्शाओं के रूट निर्धारण करना नितांत आवश्यक है। क्योंकि निर्धारित संख्या में ई-रिक्शाएं इन स्थानों पर आयेंगी तो शहर में विभिन्न स्थानों पर जाम की समस्या से निजात मिल सकेगी। इसके साथ ही ई-रिक्शाओं का किराया भी निर्धारित करने की मांग पिछले काफी समय से नगर की जनता द्वारा उठाई जा रही है, लेकिन आज तक रिक्शाओं का किराया निर्धारित नहीं किया गया। काशीपुर में ई-रिक्शा चालक मनमाना किराया वसूल रहे हैं, जबकि अन्य शहरों में ई-रिक्शाओं का किराया यहां के मुकाबले बहुत कम है। वहां दस रूपये में तीन-चार किलोमीटर तक ई-रिक्शा चालक सवारी को ले जाते हैं, जबकि काशीपुर में ई-रिक्शा चालक आधा-एक किलोमीटर तक जाने के लिए एक सवारी से 20 से 30 रूपये तक वसूल रहे हैं। रात में यह रेट बढ़कर दोगुना हो जाता है। बुद्धिजीवियों का यह भी कहना है कि यूपी के रहने वाले लोग भारी संख्या में यहां आकर ई-रिक्शा चला रहे हैं। इससे स्थानीय ई-रिक्शा चालकों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। हालांकि, पुलिस द्वारा ई-रिक्शा चाल. कों का सत्यापन किया जा रहा है, लेकिन तमाम लोग सत्यापन कराने में कोताही बरत रहे हैं। सत्यापन के लिए पुलिस को सख्ती बरतने की आवश्यकता है।

बागेश्वर में लगातार बारिश

बागेश्वर। जिले में लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। इसकी सबसे अधिक मार सड़कों पर पड़ रही है। मंगलवार की रात समूचे जिले में भारी बारिश हुई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कपकोट-पिंडारी, बदियाकोट-बोरबलड़ा, खड़लेख- भनार, मुनार गांसी, नामतीचेटागड़, धरमघर-सनगाड़ मोटर मार्ग मार्ग में भारी मात्रा में मलबा आ गया है। इस कारण सड़क बंद है। कपकोट-कर्मी मोटर मार्ग को खोल दिया गया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि बंद मार्ग खोलने का प्रयास जारी है। बुधवार देर शाम तक सड़कों को खोलने के लिए मौके पर जेसीबी मशीन कार्य करती रही। ग्राम करूली निवासी वंशीलाल शाह पुत्र दीवान लाल शाह के मकान के आंगन से लगे खेत की सुरक्षा दीवार अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हो गई।

दो घरों में हुई चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। आईटीआई थाना क्षेत्र के नीझड़ा इलाके में बीते दिनों दो घरों में धावा बोलकर हुई लाखों की चोरी का पुलिस टीम ने खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चुराए गए लाखों रूपये के आभूषण एवं कीमती सामान बरामद किया है।

चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण को लेकर एसएसपी के निर्देश पर थानाध्यक्ष कुंदन सिंह रौतेला के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम ने जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज एवं मैनुअल पुलिसिंग करते हुए 24 जून को द्रोणासागर टीले के पास संदिग्ध हालत में चहल कदमी करते हुए दो लोगों को दबोच लिया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में दोनों ने अपना नाम ग्राम गुमसानी थाना केलाखेड़ा उधम सिंह नगर निवासी तरसेम सिंह पुत्र सुखदेव सिंह तथा दूसरे ने अपना नाम ग्राम सदरपुर थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद निवासी सत्यम कुमार पुत्र स्व. कंचन सिंह बताया। पूछताछ में बताया कि दोनों दिन में और रात में सुनसान मकानों की रैकी करते हैं और िर मौका पाकर चोरी करते हैं। चोरों ने पुलिस को बताया कि चुराए गए माल को वह जंगल में छुपा देते हैं। दो-चार दिन बाद मौका पाकर उसे ठिकाने लगा दिया जाता है। पुलिस टीम ने गिरफ्तार चोरों की निशानदेही पर उनके कब्जे से सोने का हार, सोने का मंगलसूत्र, सोने की नथ, सोने की कील, सोने का लॉकेट, चांदी का हार, चांदी की पायल, चांदी के कड़े, दो बैटरी, एक इनवर्टर, एलइडी टीवी समेत आलानकब के उपकरण प्लास, आरी, हक्सा ब्लेड, कटर, हथौड़ी व संभल बरामद किया है। पकड़े गए दोनों चोरों का अपरा. धिक इतिहास लंबा है। तरसेम के खिलाफ यूपी उत्तराखंड के विभिन्न थानों में 11 मामले दर्ज हैं तथा सत्यम के विरुद्ध भी यूपी उत्तराखंड के विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर समेत आधा दर्जन गंभीर मामले दर्ज है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष आईटीआई कुंदन सिंह रौतेला के अलावा उप निरीक्षक प्रकाश सिंह बिष्ट, दीवान सिंह बिष्ट, जीवन सिंह चुफाल, सहायक उप निरीक्षक रविंद्र सिंह, कांस्टेबल नीरज शुक्ला, गिरीश विद्यार्थी, योगेश पांडे और रमेश बंगयाल शामिल रहे।

नशे के विरुद्ध व्यापक मुहिम छेड़ी जाए

कलेक्ट्रेट में नारको समन्वय केन्द्र की जिला स्तरीय बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आशीष भटगांई के निर्देशों पर अपर जिला. धिकारी एनएस नबियाल की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नारको समन्वय केंद्र की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक का उद्देश्य जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी और उनके दुरुपयोग को रोकने हेतु समन्वित प्रयासों पर चर्चा करना था।

अपर जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे आपसी तालमेल से कार्य करें और नशे के विरुद्ध व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग को वन क्षेत्रों में तथा उपजिलाधिकारियों को वन पंचायत क्षेत्रों में भांग की खेती रोकने के लिए अभियान चलाने को कहा। इसके अलावा, सभी विभागों को सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार करने और नशा मुक्ति अभियान का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राजस्व एवं पुलिस विभाग को नियमित चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अजय साह ने बताया कि 1 जनवरी 2025 से 25 जून 2025 तक जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत 11 मामलों में 16 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अतिरिक्त मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े 3 आरोपियों पर कार्यवाही की गई। इसी अवधि में नशे की रोकथाम के लिए 341 जागरूकता कार्यक्रम/गोष्ठियाँ, 7 बाइक रैलियां आयोजित की गई वहीं नशे में लिप्त 33 व्यक्तियों की काउंसलिंग की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला कार्यालय बागेश्वर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु 30 स्टील की बोतलें (नशा मुक्त बागेश्वर अंकित) प्रदान की गईं। बैठक में उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, ललित मोहन तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी जसमीत कौर, तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पौधारोपण आंदोलन जारी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमित. ीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को लेकर जारी किया जा रहा अनूठा पौधारोपण आंदोलन बुधवार को 355 वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत बुधवार को नैनीताल से आए महासंघ के उपाध्यक्ष संतोष पन्त, चंद्रशेखर जोशी, ममता जोशी, चित्रा पन्त व श्रेया पंत ने पौधारोपण आंदोलन से जुड़ते हुए मानसरोवर यात्री वाटिका में पौधारोपण किया। कर्मचारियों ने गुरना देवी मंदिर परिसर में भी पौधारोपण किया।दिनेश गुरु रानी ने कहा कि उनका पौधा रोपण आंदोलन जारी रहेगा।

आंगनबाड़ी सहायिका के नियुक्ति मामले ने तूल पकड़ा

बागेश्वर। धन्याड़ लाथी में आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर हुई तैनाती के मामले में एनएसयूआई कूद गई है। उन्होंने कहा कि जब तक कविता को न्याय नहीं मिलेगा चुप नहीं रहेंगे। इसके बाद एसडीएम के माध्यम से डीएम को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष कमलेश गड़िया ने कहा कि धन्याड़ (लाथी) की कविता देवी के साथ अन्याय हुआ है। इससे स्पष्ट है कि पूरी चयन प्रक्रिया में बड़ा गोलमाल है। जब कविता देवी ने आवेदन किया तो धन्याड़ में रिक्त पद अनुसूचित जाती के लिए आरक्षित था, लेकिन चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मेरिट में कविता देवी का नाम घोषित किया गया। उसे नियुक्ति पत्र नहीं दिया दिया। जब वह फोन के माध्यम से ज्वाइनिंग के लिए पूछा तो विभाग ने कहा कि यह सीट सामान्य है। चयन होने के बाद आरक्षण बदल दिया जाता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद किच्छा (उधमसिंह नगर)

गृहकर नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस निकाय के वार्ड सं0-03/09, किच्छा के पंचवर्षीय गृहकर वर्ष 2016-21 के क्रमांक (378) में स्थित भवन पर पूर्व से श्री जोगेन्द्र मदान पुत्र श्री प्यारे लाल मदान के नाम गृहकर दर्ज अभिलेख है, जिसकी चौहदी पूरब में रास्ता 9.14 मीटर, पश्चिम में-शुभ्रा तिवारी का मकान, उत्तर में रास्ता 6.10 मीटर चौड़ा एवं दक्षिण में ज्योति गुप्ता स्थित है। भवन स्वामी भवनस्वामी श्री जोगेन्द्र मदान पुत्र श्री प्यारे लाल द्वारा उक्त मकान को दान-पत्र पारिवारिक (हिबानामा तामीरात) दि.13.12.2022 को श्री किशन मदान पुत्र श्री प्यारे लाल मदान को दान कर दिये जाने के परिपेक्ष्य में दानगृहीता द्वारा उक्त मकान के गृहकर को अपने नाम नामान्तरण दर्ज किये जाने बावत दान पारिवारिक (हिबानामा तामीरात), आवेदक का आधारकार्ड सं. 4764 6850 9213, गृहकर रसीद की छायाप्रतियाँ, नोटरी शपथपत्र दि. 09.06.2025 मय प्रार्थना पत्र दि. 09.06.2025 इस निकाय में दाखिल किया गया है, के आधार पर उक्त मकान का गृहकर नामान्तरण दर्ज करने बावत 30 दिन के भीतर आपत्ति प्राप्त करने के उददेश्य से विज्ञप्ति सूचना प्रकाशनार्थ प्रेषित किया जाना प्रस्तावित है। उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों से, पूर्व भवन स्वामी श्री जोगेन्द्र मदान पुत्र श्री प्यारे लाल का नाम खारिज कर वित्तीय वर्ष 2025-26 से आवेदक श्री किशन मदान पुत्र श्री प्यारे लाल मदान के नाम नामान्तरण दर्ज किये जाने के सम्बन्ध में भविष्य में किसी प्रकार का कोई छल कपट अथवा मिथ्या वर्णन पाये जाने, वाद विवाद होने पर आवेदक का पूर्ण उत्तरदायित्व होगा, तथा माननीय सक्षम न्यायालय द्वारा पारित आदेश मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी

नवजात को घर ले जा रहा परिवार नहर में समाया

चार की मौत, तीन घायल, अंधा मोड़ और लापरवाही बनी मौत का सबब

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बुधवार सुबह हल्द्वानी में मूसलाधार बारिश के बीच एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। फायर ब्रिगेड कार्यालय के पीछे बहने वाली सिंचाई विभाग की नहर में एक कार

- महिला रामा ने सुशीला तिवारी अस्पताल में एक बेटे को दिया था जन्म प्रसूता के नवजात बेटे, पति, मां और जेठानी की हादसे में हुई मौत
- फायर स्टेशन के पास बुधवार सुबह साढ़े सात बजे हुआ हादसा

अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में चार दिन के एक नवजात बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सुशीला तिवारी अस्पताल में जारी है। कार में नवजात समेत कुल सात लोग सवार थे। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार बरा किच्छा उधमसिंह नगर निवासी गर्भवती महिला 27 वर्षीय रामा पत्नी राकेश ने रविवार शाम सवा छह बजे नवजात बेटे को जन्म दिया था। तब से वह सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती थीं। बताया जा रहा कि बीते मंगलवार की रात्रि सुशीला तिवारी अस्पताल से रमा देवी को डिस्चार्ज मिला था। लेकिन रात अधिक होने के कारण वह परिवार के साथ अस्पताल में ही रूक गए और आज बुधवार सुबह सवा सात बजे प्रसूता रामा व नवजात को घर ले जाने की तैयारी हुई। जिसके

बाद राकेश ने हल्द्वानी से किच्छा जाने के लिए एक टैक्सी बुक कराई और सुशीला तिवारी अस्पताल से सुबह साढ़े 7 बजे पूरा परिवार जच्चा-बच्चा समेत कार में सवार होकर किच्छा के लिए रवाना हो गया। जैसे ही कार सुशीला तिवारी अस्पताल से मात्र पांच सौ मीटर आगे बढ़ी तभी फायर स्टेशन के ठीक सामने मोड़ के पास उनकी कार यूके06एक्स-8728 अनियंत्रित होकर उफान पर आए बरसाती नहर में जा गिरी। कार के नहर में गिरते ही चीकपुकार मच गई। हादसे में प्रसूता रामा के पति (32) राकेश पुत्र नत्थूलाल, मां कमला (50) पत्नी रामपाल, जेठानी नीतू (34) पत्नी रमेश और चार दिन के नवजात की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि प्रसूता रामा, उसके जेठ रमेश और कार चालक श्याम लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक राकेश के सगे भाई रमेश की हालत नाजुक बताई जा रही है, जो आईसीयू में भर्ती हैं। जबकि श्याम लाल खतरे से बाहर

बताए जा रहे हैं। मृतक व घायल सभी बरा, किच्छा निवासी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार गिरते ही तेज बहाव के कारण पलट गई और आगे जाकर पुलिया में फंस गई। कुछ ही पलों में नहर का ओवरफ्लो पानी कार में भर गया, जिससे अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और कार को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। इधर कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

कार तेज बहाव में बहते हुए पुलिया में फंस गई थी। कार पलट गई थी और उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई, तीन लोग घायल है जिनका इलाज चल रहा है।

–एसपी सिटी प्रकाश चंद्र

स्थानीय लोग बोले हादसे के लिए विभाग जिम्मेदार

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस स्थान पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। यह जगह बेहद खतरनाक है। हम कई बार पीडब्ल्यूडी और प्रशासन को चेता. वनी दे चुके हैं कि मोड़ पर संक. तक, रैलिंग या दीवार लगाई जाए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह लापरवाही अब जान ले रही है।

खुशियों से भरा घर, पलभर में मातम

मोर्चरी में मृतक राकेश के परिजनों के अनुसार 22 जून रविवार को रात साढ़े सात बजे रामा देवी ने बेटे को जन्म दिया था। यह राकेश की तीसरी संतान थी। दो बेटियों के बाद बेटे के जन्म से परिवार बेहद खुश था। बेटे के

जन्म का जश्न अभी मना भी नहीं पाए थे कि परिवार पर यह दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। किसी ने नहीं सोचा था कि घर आने से पहले ही बेटा और पिता दोनों दुनिया छोड़ देंगे। परिजनों ने बताया कि राकेश खेती-किसानी करता था। सात साल पहले उसकी शादी हुई थी। अब बेटा हुआ था, इसलिए परिवार के ज्यादातर लोग अस्पताल पहुंचे थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि खुशी की घड़ी इतनी जल्दी मातम में बदल जाएगी।

फायरकर्मी राज कुंवर ने दिखाई बहादुरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बुधवार को हुए भीषण हादसे के दौरान जहां एक ओर कार नहर में गिरने से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं दूसरी ओर फायर स्टेशन पर तैनात फायरकर्मी राज कुंवर राणा ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए एक युवक की जान बचाकर मिसाल पेश की। घटना के समय राज कुंवर फायर स्टेशन पर ही मौजूद थे। जैसे ही हादसे की सूचना मिली, वह तत्काल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गए। इस दौरान जब वह एक अन्य युवक रमेश को बचा रहे थे, तभी उनका पैर

फिसल गया और वें खुद भी तेज बहाव में बहते हुए नहर में गिर गए। तेज बहाव में बहते हुए राज कुंवर किसी तरह खुद को एक जाल में फंसा कर रोक पाए। उसी दौरान उन्होंने देखा कि सामने एक टनल में हल्की सी रोशनी है। उन्होंने उसी तरफ रुख किया और जाल में हाथ फंसा कर खुद को रोके रखा। उनके साथ नहर में बह रहा रमेश भी उस समय पास था। राज कुंवर ने न सिर्फ रमेश को संभाले रखा, बल्कि उसे ढाढस बंधाते हुए बचाए रखा। करीब आधा घंटा दोनों टनल में फंसे रहे। इसी दौरान राम कुंवर ने अपने मोबाइल फोन से फायर स्टेशन को कॉल कर स्थिति की जानकारी दी। फायर स्टेशन से तत्काल रेस्क्यू टीम रवाना हुई। बचाव टीम ने हाइड्रा मशीन मंगवाकर सड़क पर बने मेनहोल का ढ़क्कन हटाया, फिर लोहे की चेन और रस्सी के सहारे दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाहर आने के बाद भावुक हुए फायरकर्मी राज कुंवर ने कहा करीब आधे घंटे तक मैं और रमेश अंदर फंसे रहे। एक पत्थर के सहारे खुद को टिकाए रखा। मुझे लगा अब जिंदगी शायद ही बच पाए। अब तक 80 से ज्यादा लोगों को बचा चुका हूं, लेकिन आज पहली बार मौत को इतने करीब से देखा। राज कुंवर की इस जांबाजी और सूझबूझ ने एक और जिंदगी को बचा लिया। उनके साहसिक कार्य की चारों ओर सराहना हो रही है।

पांच नामजद, 12 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज

गोलीकांड के मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते दो दिन पूर्व बिड़ला स्कूल के पास हुए गोलीकांड व पथरबाजी के मामले में पुलिस ने पांच नामजद व 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जबकि पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी रोहित के साथियों को हिरासत में ले लिया, और रोहित की गिरफ्तारी के लिए अन्य राज्यों में दबिश दे रही है। पुलिस का दावा है कि शीघ्र ही इस मामले के मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

बता दें कि रामपुर रोड स्थित चांदनी चौक बल्यूटिया आनंदपुर निवासी जितेंद्र सिंह मेहरा ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि बीती 23 जून को शाम साढ़े सात बजे उसका छोटा भाई हरीश सिंह मेहरा अपने साथी नीरज भगत, भूपेंद्र सिंह बोरा व गणेश सिंह दरम्वाल के संग कार में सवार होकर बिड़ला स्कूल से छड़ायल की तरफ जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार प्रेमपुर लोश्ज्ञानी रोड के पास बिड़ला स्कूल के पास पहुंची तो वहां पर पहले से घात लगाए बैठे रोहित मंडोला उर्फ राजा व उसके 10 से 12 हथियारबंद साथियों ने एक साथ गाड़ी पर हमला बोल दिया। जिसके बाद उन्होंने एक-एक को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। उनके भाई को बचाने के लिए जब भूपेंद्र व गणेश कार से बाहर आए तो हथियारबंद लोगों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच रोहित मंडोला उर्फ राजा ने अपनी पिस्टल निकालकर उनके भाई पर जान से मारने की नीयत से फायर झोंकी।

लेकिन गोली बीच बचाव कर रहे भूपेन्द्र को लग गई। आरोप है कि जिसके बाद रोहित ने दूसरी गोली भी भूपेंद्र को मार दी। जितेन्द्र ने आरोप लगाया कि रोहित मंडोला उर्फ राजा के साथ अन्नू बिष्ट, विशाल बिष्ट, अक्षय रंगवाल, उज्जवल परगांई के हाथ में हथियार थे। जबकि अन्य सात-आठ लोगों के हाथों में लाठी-डंडे थे। हमले में भूपेंद्र, गणेश व हरीश सिंह मेहरा को गंभीर चोटें आईं। जिनका उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा है। जबकि नीरज भगत अपनी जान बचाते हुए मौके से भागा और अपने मोबाइल से घटना की वीडियो बना ली। पुलिस ने इस मामले में पांच नामजद व 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का प्रयास, मारपीट, बलवा की धाराओं में मुकदमा कर लिया। पुलिस का दावा है कि शीघ्र ही इस मामले का मुख्य आरोपी राहित मंडोला की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही है शीघ्र ही रोहित को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुखानी पुलिस ने एक शराब तस्कर को 52 अदद टेट्रा पैक देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश चन्द्र जोशी के नेतृत्व में टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी तभी थाने में तैनात कांस्टेबल रविन्द्र खाती व सुनील आगरी को सूचना मिली की गैस गोदाम के पास एक युवक शराब की तस्की कर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके पर विशाल आर्या पुत्र भवन आर्या निवासी कुसुमखेड़ा नारायणनगर को शराब की तस्करी करते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। जिसकी जामातलाशी के दौरान उसके पास से 52 टेट्रा पैक देसी शराब बरामद हुई।

घायलों को बेहतर उपचार के निर्देश

सांसद अजय भट्ट व कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या पहुंचीं एसटीएच

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रामपुर रोड स्थित फायर बिग्रेड कार्यालय के पीछे सिंचाई नहर में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब उनकी कार अनियंत्रित होकर सिंचाई नहर में जा गिरी।

इस हृदय विदारक घटना पर पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री एवं नैनीताल-उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट एवं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बुधवार को सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचकर घायल लोगों का हाल-चाल जाना, और घायल परि.

जनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके साथ ही सांसद भट्ट ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि घायलों का उपचार प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। वहीं देर शाम कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने सुशीला तिवारी अस्पताल जाकर सिंचाई नहर में कार गिरने से हुए हादसे में घायल लोगों का हाल-चाल जाना, और हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने चिकित्सकों की टीम को घायलों को समुचित उपचार देने के भी निर्देश दिया।

चलती बाइक के ऊपर पेड़ गिरने से युवक घायल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कालाढूंगी। बाइक से दूध देने जा रहे युवक के ऊपर पेड़ गिरने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया कांस्टेबल किशन नाथ ने बताया की विनोद कुमार पुत्र जगदीश चंद्र बुधवार की सुबह डेरी में बाइक से दूध देने जा रहे थे कि चुनाखान मुख्य हाइवे में स्थित गुरुद्वारा के पास चलती बाइक में बगेन का पेड़ गिर जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए जिसको कालाढूंगी अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनको घर भेज दिया। फिलहाल बड़ी घटना होने से बच गई।

कालूसिद्ध मंदिर में पूजा-अनुष्ठान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल द्वारा बुधवार को हल्द्वानी के प्रसिद्ध कालूसिद्ध मंदिर में पूजा-अनुष्ठान और भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामूहिक पूजा अर्चना के बाद भंडारे से पूर्व मंदिर में तैयार किए गए व्यंजनों का भोग कालूसिद्ध बाबा को अर्पित किया गया। परंपरानुसार गुड़ की भेली का प्रसाद भी बाबा को चढ़ाया गया, जो यहां की धार्मिक मान्यता का प्रमुख हिस्सा है। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए बाबा कालूसिद्ध से नगर में सुख, समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। इस मौके पर मेयर गजराज सिंह

बिष्ट, मंडी परिषद अध्यक्ष डा. अनिल डब्बू, दर्जा राज्य मंत्री रेनू अधिकारी, राज्य मंत्री दिनेश आर्य, सतीश नैनवाल, राहुल छिमवाल, गणेश उपाध्याय, केदार पलड़िया, जगमोहन चिलवाल, अनिल खंडेलवाल, अजय कृष्ण गोयल, डा. बालम सिंह बिष्ट, रमेश जोशी, राज. कुमार केसरवानी, गोपाल भट्ट, गीतांजलि बमेठा, सुनीति कपूर, लता भट्ट, डा. गणेश उपाध्याय, बृजमो. हन सिजवाली, योगेश कांडपाल, हिमांशु मेर, विनय चौहान, अविनाश गुप्ता, विवेक गुप्ता, राजेंद्र सिंह बिष्ट (रज्जी), मनोज खुल्वे, कृष्ण कुमार आगरी, उमेश बेलवाल, हेमंत सूठा, श्याम सिंह नेगी, प्रेम परिहार, अनिल कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सरकार जरा इधर भी देख लो!

ट्रॉली से नदी पार कर रहे ग्रामीण, सिस्टम पर उठे सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सरकार जहां एक ओर विकास के दावे और घोषणाओं के नगमे गाती है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश करती है।

- दानीजाला गांव के लिए आज तक नहीं बना पुल

हल्द्वानी से महज 5 किलोमीटर दूर रानीबाग क्षेत्र में स्थित दानीजाला गांव इसका जीवंत उदाहरण है। आज तक इस गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए एक अदद पुल तक नहीं बनाया जा सका है।

पुल न होने के कारण ग्रामीणों को गौला नदी पार करने के लिए जान जोखिम में डालकर ट्रॉली का सहारा लेना पड़ता है। हर बारिश के मौसम में यह समस्या और विकराल हो जाती है। इस बार भी दानीजाला से ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जो सिस्टम की संवेदनहीनता और विकास के खोखले दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं। ग्रामीण लगातार पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, समाधान नहीं। दानीजाला गांव के ग्रामीण 2005 से पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं। तीन बार सरकार से स्वीकृति मिलने के बावजूद पुल निर्माण आज तक अधर में लटका हुआ है। स्थानीय निवासी पान सिंह बिष्ट बताते हैं कि पहली बार 2013-14 में पुल निर्माण के लिए 5 लाख की राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन बाद में पुल की दिशा ही बदल दी गई। 2018 में शासन ने फिर से पुल निर्माण के लिए 3.70 करोड़ की स्वीकृति देते हुए 10 जनवरी को शासनादेश भी जारी किया, लेकिन 8

फरवरी को ही इसे निरस्त कर दिया गया। 2020 में तत्कालीन जिलाधिक. ारी सविन बंसल के प्रयासों से 7.28 करोड़ की डीपीआर तैयार हुई, लेकिन कोरोना के चलते यह प्रस्ताव भी ठंडे बस्ते में चला गया और धनरा. शि स्वास्थ्य विभाग को भेज दी गई। ग्रामीण कई बार झूला पुल बनाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पान सिंह बिष्ट बताते हैं कि हर बार नई घोषणा होती है, फाइलें तैयार होती हैं, सर्वे होता है, लेकिन पुल नहीं बनता।

'पांच मुठ्ठी जमीन' बन रही विकास में बाधा

पुल निर्माण में सबसे बड़ा रोड़ा महज 540 वर्गफुट जमीन बन रही है, जो चौधरी परिवार को पट्टे पर मिली श्रेणी-7(क) की सरकारी भूमि है। परिवार के एक सदस्य ने एनओसी देकर जमीन एक हल्द्वानी निवासी को बेच दी, लेकिन दूसरे भाई ने इस पर आपत्ति जताते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा दिया। मामला न्यायालय में लंबित है और कोर्ट से स्टे मिलने के बाद से पुल निर्माण का काम एक बार फिर ठप हो गया।

ट्रॉली बनी जीवनरेखा, मौत का खतरा बना साया

गांव के लोग नदी पार करने के लिए लोहे की रस्सियों और ट्रॉली का सहारा लेते हैं। बरसात में नदी का जलस्तर बढ़ने पर हालात और भी खराब हो जाते हैं। बीमार मरीजों को ट्रॉली में डालकर अस्पताल पहुंचाया जाता है। पिछले साल अगस्त में यहां के रहने वाले व भारत-पाकिस्तान युद्ध 1971 के वीर सैनिक गोपाल जंग बस्नेत के अंतिम संस्कार के लिए भी शव को ट्रॉली से ढोया गया था। बारिश और दलदल के बीच अंतिम यात्रा के दृश्य ने सिस्टम की संवे. दनहीनता का आईना दिखाया था। लेकिन उसके बावजूद भी सिस्टम ने कोई सुध नहीं ली।

सरकार की नाकामी की तस्वीर बनी दानीजाला

हल्द्वानी जैसे प्रमुख शहर से महज कुछ किलोमीटर दूर बसे इस गांव की हालत देखकर यह सवाल उठता है कि आखिर किस मुंह से सरकार विकास के दावे करती है? एक ओर स्मार्ट सिटी की योजनाएं हैं, दूसरी ओर आज भी लोग ट्रॉली के सहारे नदी पार करने को मजबूर हैं। यह कहानी सिर्फ दानीजाला की नहीं, बल्कि देश के उन सैकड़ों गांवों की है जहां 'विकास' सिर्फ कागजों में दर्ज है।

तोड़फोड़ स्थायी समाधान नहीं: ललित जोशी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कांग्रेस नेता ललित जोशी ने नगर में जारी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और सड़क-नाला मरम्मत को लेकर सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि पूरे हल्द्वानी में नोटिसों की बाढ़ और आशियाने टूटने के डर से भय का माहौल है। यह शहर विकास नहीं, विनाश की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम और अन्य विभागों के अधिकारी मनमानी कर रहे हैं और आमजन के साथ-साथ जनप्रति. निधियों की भी नहीं सुन रहे। स्थिति ये है कि सत्ताधारी दल के नेताओं तक की उपेक्षा की जा रही है, जिससे जनता में गुस्सा और भय दोनों व्याप्त हैं। जोशी ने कहा कि हल्द्वानी में कार्यदायी संस्थाएं एक साल से कछुआ गति से कार्य कर रही हैं। सड़कें महीनों से खुदी हैं, गड्ढे और जलभराव आम बात हो गई है। यदि समय रहते प्रशासन ने ध्यान दिया होता तो हल्द्वानी बीमा. रियों का गढ़ न बनता। उन्होंने कहा हर वर्ष बरसात से पहले नगर निगम द्वारा तोड़फोड़ की जाती है, करोड़ों रुपये नालों की सफाई के नाम पर खर्च होते हैं, लेकिन परिणाम शून्य रहता है। हर साल वही कहानी दोहराई जाती है, लेकिन समस्या जस की तस बनी रहती है। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी भौगोलिक रूप से पहाड़ की तलहटी में बसा है, जहां बरसात में पानी आना स्वाभाविक है। ऐसे में स्थायी समाधान सिर्फ नालों के पुनर्निर्माण और उनके दिशापरिवर्तन से ही संभव है।

लालकुआं से झांसी चली ट्रेन

सांसद अजय भट्ट व विधायक मोहन बिष्ट ने दिखाई हरी झंडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लालकुआं। लालकुआं से झांसी को चलने वाली साप्ताहिक ट्रेन को सांसद अजय भटट, क्षेत्रीय विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट एवं मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। श्री भटट ने बताया कि लालकुआं-झांसी ट्रेन ऑन डिमांड पर चलाई गई है। लोगां द्वारा इस रेलसेवा में अधिक से अधिक उपयोग करने पर इस रेल सेवा का भविश्य में स्थाई रूप से संचालन किया जायेगा। उन्हांने बताया प्रथम दिन 176 यात्रियों ने आरक्षण कराया। उन्होंने बताया यह ट्रेन लालकुआं से बरेली- कासगंज-मथुरा-आगरा व ग्वालियर होते हुये झांसी पहुचेगी। उन्होंने कहा लाल. कुआं रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण करने के साथ ही रेलवे के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास के कार्य सरकार द्वारा किये जा रहे हैं। लालकुआं रेलवे स्टेशन से भविश्य में लंबी दूरी की ट्रेनां का संचालन किया जायेगा साथ ही भविश्य में वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी सुपरफास्ट ट्रेनें भी चलाई जायेंगी। उन्होंने बताया कि लालकुआं से कामाख्या देवी (कलकत्ता) व काठगोदाम से प्रयागराज के लिए भी ट्रेन शीघ्र चलाई जायेगी। इससे उत्तराखंड का पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और वहीं प्रदेश का आर्थिक विकास भी होगा। श्री भटट ने झांसी रेलसेवा के प्रारंभ होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव एवं सीएम का आभार व्यक्त किया।

काठगोदाम रेलवे स्टेशन में काम पूरा न होने पर सांसद ने जताई नाराजगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अमृत भारत योजना के तहत काठगोदाम रेलवे स्टेशन मे किये जा रहे कार्यां का सांसद अजय भट्ट ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य समय से पूर्ण ना होने उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा भारत सरकार द्वारा

अमृत योजना तहत लालकुआं, रामनगर एवं काठगोदाम रेलवे स्टेशनों का चयन किया गया है जो आधुनिक एवं स्थानीय शैली में बनाये जा रहे है। उन्होंने कहा अमृत योजना के तहल काठगोदाम रेलवे स्टेशन को 16 करोड़, लालकुआ को 29 करोड़ तथा रामनगर रेलवे स्टेशन को 10 करोड़ की लागत से कार्य किये जाने है। उन्होंने बताया काठगोदाम रेलवे स्टेशन में यात्रियो की सुविधा के लिए प्लेटफार्म में आवगमन के लिए लिफ्ट लगाई जा रही है साथ ही यात्रियों के रात्रि विश्राम के लिए डोरमेट्री बनाई जा रही है यह कार्य फेज-1 के तहत किये जा रहे है। उन्होंने कहा इसके बाद फेज-2 व 3 के कार्य किये जायेंगे। काठगोदाम रेलवे स्टेशन को भव्य एवं आधुनिक बनाया जायेगा। उन्होने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिये कि कार्यो की गुणवत्ता एवं समयब)ता का विशेश ध्यान दिया जाए लाप. रवाही होने पर कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। उन्होंने कहा कि दो माह के पश्चात कार्यो का पुन: निरीक्षण किया जायेगा जो भी कमियां हैं उन्हें ठीक कर लिया जाए। इस मौके पर राज्यमंत्री नवीन वर्मा, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, मजहर नईम नवाब, अरूण जोशी, धनसिंह बिष्ट, बॉबी संभल, राजकुमार क्षोतियां, संजीव शर्मा के साथ लालकुआं स्टेशन अधीक्षक पुष्कर सिंह, स्टेशन अधीक्षक काठगोदाम डीएस बोरा आदि मौजूद रहे।

नगर निकाय कर्मचारी महासंघ का शपथग्रहण

नैनीताल। नगर निकाय कर्मचारी महासंघ की नई कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने बुधवार को शपथ ग्रहण की। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल ने सभी नव निर्वाचित पदा. धिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर महासंघ की अध्यक्ष शोभा चौहान, उपाध्यक्ष खष्टी साह, सचिव रितेश कपिल तथा उप सचिव मीना क्र लिया ने शपथ ग्रहण की। बता दें महासंघ के चुनाव बीते गुरुवार को में हुए थे जिसमें सभी चार पदों पर निर्विरोध चुनाव हुआ। इस दौरान नगरपालिका ईओ रोहिताश शर्मा समेत मुखय चुनाव अधिकारी सुनील कुमार खोलिया समेत हिमांशु चंद्रा, गोपाल सिंह नेगी, पालिका सभासद मनोज साह जगाती, गजाला कमाल, भगवत सिंह रावत तथा सपना बिष्ट रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आपातकाल लगाकर कांग्रेस ने की थी लोकतंत्र की हत्याः बिष्ट

आपातकाल के पचास वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने कांग्रेस पर लगाए आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। प्रदेश महामंत्री राजेंद्र बिष्ट ने भाजपा जिला कार्यालय में प्रेसवार्ता कर एमरजेंसी के 50 वर्ष पूर्ण होने पर बताया कि कैसे 25 जून 1975 को उस समय की इंदिरा गांधी सरकार ने आधी रात को देश पर आपातकाल घोषित कर कुठाराघात कर लोकतंत्र की हत्या कर दी गई। यह निर्णय किसी युद्ध से कम नहीं था, बल्कि चुनाव रद्द कर सत्ता को बचाने की आवश्यकता की भूख के मध्य नजर हताशा भरा कदम था।

प्रदेश महामंत्री बिष्ट ने कहा 1975 में आपातकाल की घोषणा कोई राष्ट्रीय संकट का नतीजा नहीं थी, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की रणनीति थी, जिसे न्यायपालिका से मिली चुनौती से बौखला कर थोपा गया। कहा कि आज से ठीक पचास वर्ष पूर्व कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या करके देश में आपातकाल लागू कर राष्ट्रीय स्वयं सेवक, जनसंघ व अखिल भारतीय विद्याथी परिषद के लाखो कार्यकर्ताओं को न सिर्फ सलाखों के पीछे धकेल दिया था, वरन उन पर कई अत्याचार भी किए थे। आज भाजपा इस काले दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कर आम जनता को इस काले इतिहास की विस्तार से जानकारी दे रही है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र बिष्ट ने कहा कि आज देश में कांग्रेस संविधान बचाओ का नारा दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के ही नेताओं ने हमेशा लोकतंत्र की हत्या कर देश में संविधान का मजाक उडाघ्या है।

श्री बिष्ट ने कहा कि आपातकाल लगाने से पहल हुए सांसद के चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी ने जीत हासिल की थी। तब उनसे पराजित उम्मीदवार राजनारायण ने जिला बार कोर्ट में याचिका दायर कर इस चुनाव परिणाम को लोकतंत्र के खिलाफ बताया था। जिसके बाद कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा था कि इन्दिरा गांधी 6 वर्ष तक संवैधानिक पद पर नहीं रह सकती हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या करते हुए बिना आंतरिक असुरक्षा की स्थिति होते हुए भी 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू कर दिया।

श्री बिष्ट ने कहा कि आपातकाल लागू होते ही जनसंघ, आरएसएस व अभाविप कार्यकर्ताओं को पकड़ पकड़ कर जेल में बंद किया जाने लगा और उन पर कई अमानवीय जुल्म ढ़ाए गए। वार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, कार्यक्रम संयोजक रामपाल सिंह, जिला महामंत्री अमित नारंग, जिला मीडिया प्रभारी मयंक कक्कड़ आदि मौजूद थे।

युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

- घर से दवाई लेने निकला था युवक

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। एक दर्दनाक हादसे में यूपी के जिला रामपुर स्वार के ग्राम मानपुर निवासी एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक सेंट मैरीज हॉस्पिटल के पास रेलवे लाइन पार कर रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक सुल्तान (32), पुत्र मकबूल अपनी खराब तबीयत के चलते दवाई लेने बाजपुर आया था। वह हॉस्पिटल के पास से रेलवे लाइन पार कर रहा था, तभी लालकुआं से काशीपुर जा रही ट्रेन की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तथा आरपीएफ एएसआई कृष्ण सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए काशीपुर भेजा गया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की और आवश्यक कार्रवाई की। मृतक की पत्नी नसीम जहां ने बताया कि सुल्तान मेहनत-मजदूरी करता था और परिवार में तीन छोटे बच्चे हैं। वह लंबे समय से बीमार चल रहा था, इसी कारण वह इलाज के लिए बाजपुर आया था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।

मांगों को लेकर महिला एकता मंच ने सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। ग्राम मालधन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से पिथौरागढ़ ट्रांसफर किए गए फिजिशियन डा. प्रशांत कौशिक और प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. अर्चना कौशिक के ट्रांसफर पर तत्काल रोक लगाने, उनकी जगह दूसरे डाक्टरों की नियुक्ति करने, गोपाल नगर मालधन में पुनः खोली गई शराब की दुकान बंद करने आदि मांगों को लेकर महिला एकता मंच के प्रति. निधि मंडल ने रामनगर विधायक दीवान सिंह बिष्ट से मुलाकात कर उन्हें मांग पत्र सौंपा।

तीन दिन में चार सूत्रीय मांगों का समाधान नहीं किए जाने पर भाजपा सरकार के नेताओं व मंत्रियों के खिलाफ हल्ला बोल शुरू करने और मालधन बाजार बंद करने की चेतावनी महिला एकता मंच ने दी है। इस दौरान मंडल में ममता आर्य, शिवानी, रजनी, कौशल्या, सरस्वती जोशी ,बीडी नैनवाल, जमन आर्य, भगवती आदि शामिल रही।

एक नजर

पर्यावरण मित्रों को दिए सुरक्षा उपकरण

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर पालिका में कार्यरत समस्त पर्यावरण मित्रों को सुरक्षा उपकरणों का वितरण किया गया। यह उपकरण हमारा लक्ष्य, स्वच्छ खटीमा, सुंदर खटीमा के तहत सभी पर्यावरण मित्रों को नगर पालिका के अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी द्वारा उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिए गए हैं। नगर पालिका के अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने जनता से अपील की है कि पर्यावरण मित्रों का सहयोग करते हुए खटीमा को एक आदर्श और सुदर नगर बनाने में साथ दें। ये नगर जतना का है और इसको साफ-सुथरा रखना सभी का कर्तव्य है।

गुरजीत सिंह 'गित्ते' बने काशीपुर विधानसभा के प्रभारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। उत्तराखंड में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियों को देखते हुए कांग्रेस के हाईकमान ने वरिष्ठ नेताओं को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रभारी नियुक्त किया है। इसी के चलते बाजपुर नगर पालिका परिषद के चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' को काशीपुर विधानसभा का प्रभारी बनाया गया है।

गुरजीत सिंह 'गित्ते' के काशीपुर विधानसभा प्रभारी बनने की खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय कांग्रेस कार्यालयों तक उन्हें बधाइयों का तांता लगा हुआ है। पार्टीजनों ने इस नियुक्ति को संगठन की मजबूती की दिशा में एक अहम कदम बताया है।

गुरजीत सिंह गित्ते ने अपनी नियुक्ति पर कांग्रेस नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वह संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और काशीपुर में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

स्वरोजगार से संबंधित महिलाओं के प्रशिक्षण का सफल समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा पांच दिवसीय आम के प्रसंस्करण से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज नगरपालि. का सभागार में समापन हो गया। नगर पालिका में पहली बार आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र की लगभग पैंतालिस महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया। जिसमें आम का आचार, आम पन्ना, आम की खट्टी मीठी चटनी, आंवले का आचार, कटहल का आचार तथा करेले का आचार आदि बनाने का प्रशिक्षण उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने किया। मुख्य उद्यान अधिकारी प्रभाकर सिंह ने कहा कि विभाग द्वारा नगर पालिका में जल्द ही विभाग की योजनाओं से संबंधित सात दिवसीय एक और प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया जाएगा। जिसमें विभाग एवं नगर पालिका के सहयोग में महिलाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में हर संभव सहयोग किया जाएगा।

वहीं नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पालिका द्वारा महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए नगर पालिका हर संभव सहयोग करेगी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के साथ-साथ नगर क्षेत्र की महिलाओं को भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा एवं स्वावलंबी बनाया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी दीपक शुक्ला, कार्यक्रम की आयोजक रेनू भंडारी, मनोज वाधवा, अनुपमा शर्मा , सूर्यभान रवि, करन मौर्य, ममता आर्य तथा गुंजित भट्ट आदि उपस्थित रहे।

होली चाइल्ड में आलोचनात्मक चिंतन पर कार्यशाला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। होली चाइल्ड स्कूल में 'आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मिंटू दुबे, उप-प्रधानाचार्य (प्रशासन) प्रदीप जोशी एवं उप-प्रधानाचार्य (शैक्षणिक) मंजू अधिकारी सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यशाला का सफल संचालन हेडवर्ड की प्रसिद्ध रिसोर्स पर्सन कल्पना चौहान द्वारा किया गया। उन्होंने शिक्षकों को यह समझाने पर बल दिया कि किस प्रकार से छात्रों में आलोचनात्मक चिंतन कौशल को विकसित किया जा सकता है। श्रीमती चौहान ने विशेष रूप से ब्लूम्स टैक्सोनॉमी पर प्रकाश डाला, जो शिक्षा के उद्देश्यों को छह स्तरों में विभाजित करता है ख्र ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण और मूल्यांकन। सत्र के दौरान उन्होंने शिक्षकों को इंटरैक्टिव गतिविधियों, जीवन के वास्तविक उदाहरणों और व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से यह सिखाया कि कैसे पाठ योजनाएं इस प्रकार तैयार की जाएँ जिससे छात्रों में उच्च स्तरीय सोच विक. सित हो सके।

कार्यशाला के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य मिंटू दुबे ने कल्पना चौहान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के तेजी से बदलते समय में आलोचनात्मक चिंतन का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी दोहराया कि विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि शिक्षकों को भी सशक्त बनाने में विश्वास रखता है। यह कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी रही और उन्होंने इसे एक प्रेरणादायक अनुभव बताया।

पनौद व धनगढ़ी नाले का निरीक्षण किया

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम मे तहसीलदार रामनगर मनीषा मरकाना द्वारा मानसून सत्र के दृष्टिगत पनौद व धनगढ़ी नाले का निरीक्षण किया। तहसीलदार ने बताया कि उक्त नाले का बहाव सामान्य था और यातायात सुचारू पाया गया। जिसके बाद ग्रामवासियों की समस्याओं एवं मानसून दृष्टिगत ग्राम चुकम में सिंचाई विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य पूर्ति विभाग व पेयजल निगम के कर्मचारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि नदी के तेज बहाव से भू कटाव की सुरक्षा के लिए बनाये जा रहे सीसी. बंध का निरीक्षण किया।बैठक के दौरान ग्रामीणों द्वारा मानसून अवधि से पूर्व क्षेत्र मे राशन वितरित होना बताया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बताई गई। बताया कि मानसून अवधि मे नदी के समीप रह रहे लोगों को अधिक सतर्कता बरतने के लिए अवगत कराया गया। चुकम तहसील रामनगर अंतर्गत संवे. दनशील गांव है और ग्राम में निवासरत लोगों के पास सारी सुविधाएं है या नहीं इसकी भी समीक्षा की गई है। इस दौरान खाद्य पूर्ति निरीक्षक दीप चंद्र बेलवाल, राजस्व उप निरीक्षक राहुल आर्य आदि मौजूद रहे।

महापौर ने पार्कों का किया निरीक्षण

- बुजुर्गों और बच्चों से किया संवाद, सुझाव भी लिए

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। महापौर विकास शर्मा ने आवास विकास वार्ड नंबर 38 के सभी पार्कों का स्थलीय निरीक्षण कर पार्कों की स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ स्थानीय पार्षद राजेश जग्गा भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने पार्कों की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के साथ ही वहां मौजूद बुजुर्गों तथा बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी गंभीरता से सुना।

महापौर ने बुजुर्गों द्वारा उठाई गई आवश्यक सुविधाओं की कमी और बच्चों की खेल सुविधाओं से जुड़ी मांगों को त्वरित संज्ञान में लिया और भरोसा दिलाया कि पार्कों को न सिर्फ सुंदर बनाया जाएगा, बल्कि उनकी उपयोगिता को भी बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर नगर निगम शहर के सभी प्रमुख पार्कों का सौंदर्यीकरण करने की योजना पर कार्य कर रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि पार्कों के सौंदर्यीकरण की शुरूआत शहर के सबसे बड़े गांधी पार्क से होने जा रही है। जहां एक आधुनिक और हाईटेक पार्क की संकल्पना को साकार किया जाएगा। गांधी पार्क में अत्याधुनिक सुविधाएं, वॉकिंग सिंथेटिक ट्रैक, बच्चों के लिए झूले व खेल उपकरण, योगा पार्क सहित वृद्धजनों के लिए विश्राम स्थल और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए विशेष पौधारोपण किया जाएगा।

इस मौके पर पार्षद राजेश जग्गा ने भी कहा कि वार्ड में पार्कों की दशा सुधारने के लिए महापौर के साथ मिलकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पार्कों में लाइटिंग, पेयजल, बैठने की सुविधा, खेल उपकरण और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

चोरी की योजना बनाते चार शातिर दबोचे

- तमंचा, चाकू, आलानकब व अन्य सामान किया बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सिडकुल चौकी पुलिस ने गत रात्रि गश्त के दौरान चोरी की योजना बनाते चार शातिर चोरों को तमंचा, चाकू, आलानकब व अन्य सामान सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामद सामान कब्जे में लेकर उक्त सभी चोरों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध मुक. दमा दर्ज कर लिया

जानकारी के अनुसार चौकी प्रभारी उप निरीक्षक गणेश दत्त भट्ट , उप निरीक्षक अनिल मेहता , अपर उप निरीक्षक सतीश बाबू , कांस्टेबल नितिन कुमार सिंह, हरि सिंह, रविन्द्र सिंह धौनी के साथ गस्त करते हुए सिडकुल चौक ढाल पर पहुंचे तो मुखबिर से सूचना मिलने पर नेस्ले फैक्टी के पीछे पार्क में बने खण्डहर में चार व्यक्ति बैठकर सिडकुल क्षेत्र में चोरी करने की योजना बना रहे हैं। जिस पर पुलिस टीम ने चारों की भागने का मौका न देते हुए मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ करने पर एक व्यक्ति ने अपना नाम पता नरेन्द्र सागर उर्फ नीरज पुत्र बबलू सागर निवासी वार्ड 4 शांति कालोनी भदईपुरा बताया। उसके पास से एक नाजायज चाकू व टार्च बरामद हुआ।

उसने बताया कि वह पहले चोरी के मामले में पकड़ा गया था। दूसरे ने अपना नाम पता अजय साहनी पुत्र पवन साहनी निवासी बगवाड़ा मण्डी गेट शनि मंदिर के पास गली में बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक सरिया, टार्च, एक तमंचा 315 बोर बरामद हुआ। उसने बताया कि उसके खिलाफ कोतवाली रुद्रपुर में चोरी व लूट के चार मुकदमें दर्ज हैं। तीसरे ने अपना नाम पता करन देव गिरी पुत्र अनिल गिरी निवासी इन्द जागिर निकट सरकारी गल्ला, थाना नवाबगंज जिला बरेली उत्तर प्रदेश, हाल निवासी फुलसुंगी ट्रांजिट कैम्प बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से टार्च, एक अदद प्लास बरामद हुआ। उसने बताया कि उस पर पूर्व में लूट और चोरी का मुक. दमा थाना पंतनगर में हुआ है। पकड़े गए चौथे व्यक्ति ने अपना नाम पता हरपाल उर्फ विकास पुत्र तिलकराम निवासी ललौरी खेड़ा थाना जंहानाबाद जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश हाल निवासी भदईपुरा निकट शनि मंदिर बताया। इसके पास से ब्लेट, पेंचकस बरामद हुआ। उसने बताया कि उस पर थाना ट्रांजिट कैम्प में चोरी का मुकदमा भी है । सभी का कहना था कि वह नशे के आदि है नशे की लत ने उन्हें चोर बना दिया है। सिडकल क्षेत्र में कम्पनियों में से चोरी करके चोरी के माल को बेचकर अपने नशे की पूर्ति करते है। तमंचा व चाकू लोगों को डराने व अपने बचाव के लिये रखे हुये है। हम फिर चोरी की योजना बना रहे थे। पुलिस ने बरामद सामान कब्जे में लेकर उक्त सभी चोरों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

तानाशाही का प्रतीक था आपातकालः शर्मा

- महापौर ने लोकतंत्र सेनानियों को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में महापौर विकास शर्मा ने लोकतंत्र रक्षकों और उनके परिजनों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके योगदान को नमन करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।

भाजपा कार्यालय में सम्मान हेतु आमंत्रित किए गए स्नेह पाल, कस्तूरी लाल तागरा, नरेश रस्तोगी, अशोक जायसवाल, मुलखराज गुलाटी, यशपाल घई और प्रभु दयाल जल्होत्रा के सुपुत्र राजीव जल्होत्रा, वेद प्रकाश अरा. ेरा के पुत्र अरुण अरोरा, किशोरी लाल धीर के सुपुत्र संदीप धीर, ओमप्रकाश गुप्ता की सुपुत्री शैली बंसल, चुन्नी लाल खेड़ा के सुपुत्र बल्देव राज खेड़ा, मदन लाल खेड़ा के सुपुत्र विशाल खेड़ा, श्यामा नंद तिवारी के पुत्र घनानंद तिवारी, कुंवर सिंह के पुत्र दीवान सिंह तथा हरबंस लाल अरोरा के पुत्र संजय अरोरा आदि को महापौर ने अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके योगदान को नमन करते हुए आशीर्वाद लिया।

महापौर विकास शर्मा ने कहा कि आज जब हम लोकतंत्र की मजबूती की बात करते हैं और सत्ता में बैठे लोग जनसेवा का दावा करते हैं, तो यह सब कुछ लोकतंत्र सेनानियों की कुर्बानी और संघर्षों का प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का वर्तमान स्वरूप, उसका वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी लो. कतांत्रिक पार्टी बनना, इन लो. कतंत्र सेनानियों की तपस्या का ही परिणाम है।

उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भाजपा आज भी उन मूल्यों को आत्मसात किए हुए है जिनके लिए इन सेनानियों ने जेल की यातनाएं सहीं, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और लो. कतंत्र की रक्षा में अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष न्यौछावर कर दिए।

नहीं होने दिया जाएगा अल्पसंख्यकों का उत्पीड़नः जैन

- डा. सुरेंद्र जैन का शॉल उड़ाकर किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के नव नियुक्त सदस्य डा. सुरेन्द्र जैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए नई जिम्मेदारी मिलने पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार प्रकट किया। डा. सुरेन्द्र जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने जो दायित्व दिया है उसे निभाने का भरसक प्रयास करूंगा। आयोग द्वारा जिन योजनाओं को लागू किया गया है उसके पात्र तक उन योजनाओं का लाभ पहुंचे, अल्पसंख्यकों का कहीं किसी प्रकार उत्पीड़न ना हो इसका भी संज्ञान लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने अल्पसंख्यकों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक उन्नति को जानने के लिए पूरे प्रदेश में एक शोध कार्य करने का भी निर्देश दिया है, जिससे कि योजनाओं को व्यावहारिक रूप दिया जा सके। डा. जैन ने आयोग द्वारा प्रकाशित योजनाओं के पत्रक को वितरित किया और कहा कि इन सभी योजनाओं के प्रति सभी अल्पसंख्यक नागरिकों सचेत होना अनिवार्य है। इस अवसर पर दर्जा गन्ना राज्य मंत्री स. मंजीत सिंह राजू और भाजपा मण्डल अध्यक्ष टिंकू यादव ने डा. सुरेन्द्र जैन को उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग का सदस्य बनाए जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार प्रकट किया और डा. जैन का शॉल उड़ाकर स्वागत किया।

यातायात व्यवस्था सुधारने को खुद रोड पर उतरे कोतवाल

- बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के काटे चलाना

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाकर तिरंगा सुभाष चौक पर बेतरतीब खड़े वाहनों के विरुद्ध पुलिस टीम द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जगदीश सिंह ढकरियाल ने किया। चेकिंग अभियान में बेत. रतीब ढंग से खड़े वाहन स्वामियों में हड़कंप मच गया और सड़क के दोनों ओर खड़े ई रिक्शा, टेंपो अन्य वाहनों चालकों ने जल्दी-जल्दी सड़क के दोनों जगह को खाली कर दिया।

मीडिया से बात करते हुए प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शहर के नागरिकों जन प्रति. निधियों द्वारा सड़क के दोनों ओर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों को लेकर लगातार शिकायत की जा रही थी, जिसको लेकर आज पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था को सुधार करने हेतु अभियान चलाया गया जिसका नेतृत्व उनके द्वारा स्वयं किया गया। सुभाष चौक, तिरंगे झंडे के आसपास सड़क के दोनों ओर खड़े वाहनों को सख्ती के साथ हटाया गया।

बताया कि यदि भविष्य में सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े पाए जाने पर चालान करने और जुर्माने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद किच्छा (उधमसिंह नगर)

गृहकर नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस निकाय के वार्ड सं.-09/14,बोरिंग गनी किच्छा के पंचवर्षीय गृहकर वर्ष 2016-21 के क्रमांक (171) में स्थित भवन पर पूर्व से श्री प्रेमवल्लव सक्सेना पुत्र श्री सुभाष चन्द्र सक्सेना के नाम गृहकर दर्ज अभिलेख है, जिसकी चौहदी पूरब में - संभाष चन्द्र सक्सेना का मकान पश्चिम में रास्ता 3.04मीटर चौड़ा, उत्तर में - रास्ता 3. 65 मीटर चौड़ा एवं दक्षिण में स्व. झाझन लाल जी का मकान स्थित है। भवन स्वामी भवनस्वामी श्री प्रेमवल्लव सक्सेना पुत्र श्री संभाष चन्द्र सक्सेना द्वारा उक्त मकान मे से चार दुकाने एक कमरा बरामदा लिन्टर शुदा, शौचालय, बाथरूम व प्रथममल पर एक कमरा बाथरूम, शौचालय को रजिस्ट्री बैनामा दि. 24.03.2025 को श्रीमती रजनी सक्सेना पत्नी श्री सुभाष सक्सेना को विक्रय कर दिये जाने के परिपेक्ष्य में केता द्वारा उक्त मकान के गृहकर को अपने नाम नामान्तरण दर्ज किये जाने बावत रजिस्ट्री बैनामा आवेदक का आधारकार्ड सं0 9941 9998 2511, गृहकर रसीद की छायाप्रतियां, नोटरी शपथपत्र दि. 12.06.2025 मय प्रार्थना पत्र दि. 12.06.2025 इस निकाय में दाखिल किया गया है, के आधार पर उक्त मकान का गृहकर नामान्तरण दर्ज करने बावत 30 दिन के भीतर आपत्ति प्राप्त करने के उददेश्य से विज्ञप्ति सूचना प्रकाशनार्थ प्रेषित किया जाना प्रस्तावित है। उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों से, पूर्व भवन स्वामी श्री प्रेमवल्लव सक्सेना पुत्र श्री संभाष चन्द्र सक्सेना का नाम खारिज कर वित्तीय वर्ष 2025-26 से आवेदक श्रीमती रजनी सक्सेना पत्नी श्री संभाष सक्सेना के नाम नामान्तरण दर्ज किये जाने के सम्बन्ध में भविष्य में किसी प्रकार का कोई छल कपट अथवा मिथ्या वर्णन पाये जाने, वाद विवाद होने पर आवेदक का पूर्ण उत्तरदायित्व होगा, तथा माननीय सक्षम न्यायालय द्वारा पारित आदेश मान्य होगा ।

अधिशासी अधिकारी

पहाड़गंज में नजूल की जमीन पर चला हथौड़ा

■ **कार्रवाई के विरोध में महिलाओं का फूटा आक्रोश**

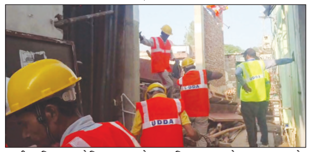

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिला प्रशासन ने बुधवार को रुद्रपुर के पहाड़गंज क्षेत्र में नजूल भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। प्रशासन की इस कार्रवाई ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। आरोप है कि नजूल भूमि पर फर्जी तरीके से स्टांप पेपरों के जरिये खरीद-फरोख्त की जा रही थी, जिसकी शिकायत प्रशासन को मिली थी।

शिकायत के आधार पर प्रशासन ने पहले अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में अवैध निर्माण कार्य बदस्तूर जारी रहा। चेतावनी की अवहेलना को देखते हुए प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए बुलडोजर चलवाए और एक के बाद एक अतिक्रमण ध्वस्त करने की कार्यवाही शुरू कर दी। इस कार्रवाई में प्रशासन के साथ भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और कार्रवाई की निगरानी करते रहे। प्रशासन का कहना है कि यह पूरी जमीन नजूल भूमि की श्रेणी में आती है और इस पर किसी भी प्रकार का निजी स्वामित्व या निर्माण अवैध है।

प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र की महिलाओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। कई महिलाओं ने कैमरे के सामने आकर भाजपा सरकार पर सीधा आरोप लगाया कि उन्होंने भाजपा को वोट देकर गलती कर दी।

कुछ लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कहा कि केवल एक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है।

दूसरी ओर, प्रशासन ने साफ कहा है कि यह कार्रवाई किसी धर्म या जाति को देखकर नहीं बल्कि कानूनी आधार पर की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि हमने समय रहते सभी को नोटिस दिया था। इसके बावजूद जब निर्माण कार्य नहीं रुके, तो नियमानुसार कार्रवाई की गई है। नजूल भूमि पर किसी को भी कब्जा करने की अनुमति नहीं है, चाहे वह कोई भी हो। इस पूरे घटनाक्रम के बाद आने वाले दिनों में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो सकती है। प्रशासन जहां इसे पूरी तरह कानूनन कार्रवाई बता रहा है, वहीं स्थानीय निवासियों का एक तबका इसे सियासी भेदभाव बता रहा है। फिलहाल, पहाड़गंज क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है और प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि आगे भी ऐसे अतिक्रमणों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। रुद्रपुर का पहाड़गंज क्षेत्र इन दिनों प्रशासन की सख्ती और स्थानीय आक्रोश दोनों का केंद्र बन गया है। नजूल भूमि पर अवैध कब्जे और उसकी आड़ में पनप रही फर्जी खरीद-फरोख्त अब प्रशासन की प्राथमिकता में है।

दीवार गिरने से आठ साल की मासूम की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। तहसील क्षेत्र के खेतलसंडा मुस्ताजर गांव की आठ साल की मासूम बच्ची के ऊपर बुधवार को दीवार गिर जाने से उसकी मौत हो गई।

बुधवार को सुबह से ही लगातार तेज बारिश हो रही थी। इसी बीच खेतल संडा मुस्ताजर निवासी नारायण सिंह धान का पौध लगाने के लिए मजदूरी पर चला गया था। वहीं नारायण सिंह के मकान से लगे खेत में उनका 14 साल का बेटा धान की रोपाई कर रहा था तथा उनकी आठ साल की मासूम बेटी शिवांगी भाई की मदद करने के लिए उसको धान का पौध लाकर दे रही थी। उसी समय खेत से लगी 9 इंच की मोटी दीवार तेज बारिश के चलते गिर गई और मासूम शिवांगी उसके नीचे दब गई। जिसकी जानकारी कुछ देर बाद परिजनों को लगी। जानकारी के बाद परिजनों तथा पड़ोसियों ने मिलकर शिवांगी को बाहर निकाला जो बुरी तरह घायल और बेहोशी की हालत में थी। आनन-फानन में परिजन तथा पूर्व ग्राम प्रधान वीरेंद्र राज ने बाइक से शिवांगी को उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने शिवांगी को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना अस्पताल द्वारा पुलिस को दी गई। पुलिस ने उप जिला चिकित्सालय पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी लिया तथा शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद मासूम बच्ची के शव को परिजनों को सौंप दिया। वहीं नारायण सिंह के दो बच्चों में से एक बेटा है जो राणा प्रताप में कक्षा 7 में पढ़ता है तथा एक बेटी शिवांगी है जो प्राइमरी स्कूल में कक्षा पांच में पढ़ती थी। वहीं इस मासूम बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मच गया तथा परिजनों का रो-रोकर में बुरा हाल है।

शिवांगी की मौत पर उसकी मां को यकीन नहीं हो रहा था। मां अस्पताल पहुंचकर मृत बेटी को गले लगाकर रोना चीखना शुरू कर दिया जिससे चिकित्सकों सहित अन्य स्टाफ और लोगों के हृदय पसीज गए। घटना की जानकारी मिलने पर खटीमा विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर हाल-चाल जाना परिजनों को ढांढस बंधाया।

कोर्ट ने दिखाया सरकार को आईना: अरुण

■ **राज्य में अपनी मनमानी पर उतरी है भाजपा सरकार**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायतों पर अंतरिम रोक लगा कर उच्च न्यायालय ने उत्तराखंड भाजपा सरकार की मनमानी और निरंकुशता पर लगाम लगाने का काम किया है।

एडवोकेट अरुण कुमार ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों का गठन 73 वें संविधान संशोधन के अनुसार होता है। उच्च न्यायालय के स्टे से यह भी स्पष्ट हुआ कि उत्तराखंड सरकार का सविंधान और वैधानिक प्रावधानों को मानने के लिए प्रतिबद्ध नहीं है। उत्तराखंड सरकार इन चुनावों को कराने के प्रति किस तरह मनमानी और लापरवाही का रुख अपनाए हुए थी, वो इस बात से भी स्पष्ट होता है कि उच्च न्यायालय द्वारा दो दिन का समय दिए जाने के बावजूद 2025 की आरक्षण नियमावली का गजट नोटिफिकेशन तक सरकार का अदालत के सामने पेश नहीं कर सकी थी। उक्त गजट नोटिफिकेशन को लेकर पंचायतीराज के सचिव और सरकार के महाधिवक्ता द्वारा दिए जा रहे बयान भ्रामक हैं और सरकार की लापरवाही व मनमानी की पुष्टि करते हैं। पंचायत चुनाव छह महीने पहले हो जाने चाहिए थे, लेकिन निर्धारित समय पर चुनाव नहीं करवाए गए और जिन चुने हुए प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो चुका था, उन्हें ही प्रशासक बना दिया गया था। महीनों के बाद भी सरकार ने कोशिश की कि अध्यादेश के जरिये छह महीने और पंचायतों को प्रशासकों के जरिये चलाया जाए, लेकिन अध्यादेश को राजभवन द्वारा लौटा दिया गया था। फिर आनन-फानन में बिना किसी नियमावली के ही आरक्षण का रोस्टर घोषित किया गया और बिना उनका पुनरीक्षण किये बिना ही आपत्तियों को निरस्त कर दिया एवं मामला उच्च न्यायालय पहुंच चुका था और न्यायालय ने राज्य सरकार को जवाब देने के लिए दो दिन का समय दिया था। उच्च न्यायालय में जवाब देने के लिए नियत तिथि का इंतजार किए बिना ही उत्तराखंड सरकार द्वारा चुनाव की तिथियां घोषित करना मनमानी एवं संविधान के प्रति विश्वास न होना दर्शाता है। असल में उत्तराखंड सरकार पंचायत चुनाव करवाने के प्रति कभी भी गंभीर नहीं थी और उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया अंतरिम आदेश सरकार की पोल खोलने के लिए कथनी एवं करनी में फरक दिखाने के लिए काफी है।

पुलिया पर रैंप बनाने में नगर निगम ने नहीं किया सहयोग

■ **पार्षद प्रतिनिधि ने परेशानी को देखते हुए खुद उठाया बनवाने का बीड़ा**

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहर के वार्ड नंबर 31 नगर निगम द्वारा पुलिया रैंप बनाने में रुद्रपुर नगर निगम द्वारा सहयोग नहीं किया गया,जिस पर पार्षद प्रतिनिधि सचिन मुंजाल ने अमृत व जुगनू के सहयोग से रैंप बनवाकर नगर निगम और मेयर को पार्षद पति ने आईना दिखाया है।

इस बार रुद्रपुर महापौर और वार्ड नंबर 31 पार्षद में आपसी तालमेल और खींचतान का विषय शहर में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। पूर्व मंडी समिति उपाध्यक्ष एवं वर्तमान पार्षद पति सचिन मुंजाल का कहना है कि विकास कार्यों हेतु और जन समस्याओं को देखते हुए नगर निगम

से हमेशा हमें लगातार उपेक्षित और नजरअंदाज किया जा रहा है। सचिन का कहना है कि मैंने सांसद अजय भट्ट और विधायक शिव अरोड़ा के सहयोग से लोकसभा चुनाव में अपने क्षेत्र के विकास कार्य करने हेतु कांग्रेस छोड़कर बीजेपी ज्वाइन की थी, लेकिन जब से चुनाव खत्म हुए हैं तब से नगर निगम के द्वारा कोई भी कार्य हमारे वार्ड में नहीं कराया जा रहा है। हम लगातार वार्ड 31 की समस्याओं को लेकर महापौर और नगर निगम के अधिकारियों से विकास कार्यों हेतु सकारात्मक बात. चीत करने को तैयार हैं, लेकिन महापौर और नगर निगम की तरफ से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिल पा रहा है।

एक नजर

जल संस्थान द्वारा खोदा गया जान लेवा गड्ढा

शाह टाइम्स संवाददाता

मझोला। भिखारीपुर मार्ग पर जल संस्थान द्वारा खोदा गया गड्ढा राहगीरों व बच्चों के के लिए भी खतरा बना हुआ है कभी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, लेकिन संस्थान सुध नहीं ले रहा है।

आपको बताते चले आजकल जल संस्थान पानी की बिछाई गई पाइप लाइन को चेक करने के लिए व पानी की लीकेज को ठीक करने के लिए जगह जगह फिर से खुदाई करने में जुटा हुआ है, लेकिन लीकेज ठीक होने का नाम नहीं ले रही। विगत कई वर्षो से लगातार हर घर जल मिशन को सफल बनाने के चक्कर ग्रामीण इलाकों की सड़कों को पलीता लगा रहा है। न जल पहुंच रहा, वहीं खोद खोद कर सड़कों की दुर्दशा खराब कर दी। इसी मिशन के चलते एक हफ्ते पहले मझोला भिखारीपुर मार्ग घनी आबादी के बीच पाइप लाइन ठीक करने के लिए मार्ग किनारे गहरा गढ्ढा खोदा गया जो एक हफ्ते ऐसे ही पड़ा है। कभी कोई भी गड्ढे में गिर सकता है। कई बार ग्रामीण ने विभागीय कर्मचारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन कोई सुध नहीं ली। गड्ढे की वजह से सिंगल रोड पर दो वाहनों को आपस में क्रॉस होने के लिए गड्ढा परेशानी का सबब बन रहा है। जेई कमलेश सिंह रावत ने बताया अगर कहीं कोई गड्ढा भूलवश रहा गया हो जल्द उसे पटवा दिया जाएगा।

अधेड़ का पांचवें दिन अमरिया में तैरता मिला शव

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। घरेलू कलह से तंग आ कर नदी कूदे अधेड़ का शव जिला पीलीभीत के तहसील अमरिया नदी क्षेत्र में तैरता मिला। जिसकी सूचना अमरिया थाना पुलिस ने सत्रहमील चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट को दी। पुलिस ने तत्काल घटना की सूचना मृतक के परिजनों को घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। ग्राम मझोला निवासी राजाराम पुत्र उमाचरन 52 वर्ष ने शनिवार की राम समय लगभग 10,45 बजे हल्दी देवहा नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या करली थी। घटना के समय उसका पुत्र शिवेंद्र कुमार मौजूद था। उसने अपने पिता को बचाने का अथक प्रयास किया, लेकिन बचा नहीं सका। जिसकी सूचना उसने पुलिस को दी। अधेड़ का शव ढूंढने के लिए एनडीआरएफ की कई टीम लगातार शव की तलाश में नदी की खाक छान रही थीं। अधेड़ का शव घटना स्थल से करीब 25 किलोमीटर दूर बुधवार की सुबह समय 7 बजे जिला पीलीभीत थाना अमरिया क्षेत्र नदी में तैरता मिला। जिसकी सूचना अमरिया पुलिस ने सत्रहमील पुलिस को दी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने शव के कपड़ों व चेहरे के आधार पर मृतक की पहचान पिता के रूप की। इधर अमरिया पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

भाजपा ने उस क्रूर दिन को याद किया, जब कांग्रेस ने पूरे देश में थोक दी थी इमरजेंसी

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। भाजपाइयों ने आज संविधान की दुहाई देने वाली कांग्रेस में जमकर आक्रोश जताया, जिसने 1975 में आज ही के दिन लोकतंत्र समर्थकों को जेल में ठूस कर पूरे देश में आपातकाल घोषित कर दिया था।

यहां भाजपा कार्यालय में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने कहा 12 जून 1975 को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज न्यायमूर्ति जगमोहन सिन्हा ने तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विरुद्ध फैसला दिया था, तो पूरे देश में कांग्रेस हटाओ का नारा गूंजने लगा। इसी को देश के लिए के खतरा मानते हुए 25 जून 1975 को आधी रात में उन्होंने पूरे देश में आपातकाल ठोक कर लोगों के मुंह में ताला लगा दिया। उन्होंने कहा आज वही कांग्रेस देशद्रोहियों के साथ खड़ी है। आज देश के लिए जो भी खतरे की स्थितियां पैदा हुई है उसके लिए कांग्रेस की पूरी तरह से जिम्मेवार है। इस अवसर पर दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे, प्रेमा पांडे, शंकर दत्त पांडे, बहादुर सिंह फर्त्याल, विनीता फर्त्याल, विकास साह, गौरव पांडे,गिरीश कुंवर, महेश बोहरा,नंदन तड़ागी, सूरत प्रहरी, गिरीश खर्कवाल, प्रकाश बिनवाल, टीका सिंह बोहरा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

बंदरों और लो वोल्टेज से चिकित्साकर्मी व मरीज हलकान

■ **चिकित्सा अधीक्षक से की समस्या को दूर कराने की मांग**

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बंदरों के बढ़ते प्रकोप से पीड़ित चिकित्सा कर्मी, मरीजों, तिमारदारों ने अपनी परेशानी चिकित्सा अधीक्षक के समक्ष रखकर बंदरों से निजात दिलाने की मांग की।

वैसे तो जसपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अपनी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गिना जाता है, लेकिन विगत कुछ समय से अस्पताल परिसर में बड़ी मात्रा में बंदरों के आने से तिमारदारों व मरीज को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसको लेकर तिमारदारों, मरीजों के साथ-साथ अस्पताल परिसर में कार्य करने वाले चिकित्सा कर्मी भी परेशान दिख रहे हैं।

मौके पर बात करने पर मरीजों के तिमारदारों अनस, राशिद हुसैन ऋषिपाल आदि ने बताया कि उन्हें खिड़की व दरवाजे बंद रखने पड़ रहे हैं, जिससे मरीजों घुटन महसूस हो रही है, लेकिन दरवाजे या खिड़की खोलने पर बंदर अंदर आकर उनका खाने का सामान व दवाई तक उठाकर ले जाते हैं, जिससे वह बहुत परेशान हैं।

बताया गया कि कोई सामान घर से अस्पताल परिसर से खरीद कर लाते हैं तो रास्ते में ही बंदरों द्वारा उन्हें छीन लिया जाता है। कभी-कभी बंदरों द्वारा उन पर झपट्टा मारकर हमला भी कर दिया जाता है। इसको लेकर उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक से अपनी बात रखी और बंदरों से निजात दिलाने की मांग की है। मौके पर देखने पर पता चला कि चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अस्पताल परिसर के बाहर लंगूर के फोटो भी लगा रखे हैं फिर भी बंदर भागने का नाम नहीं ले रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक धीरेंद्र मोहन गहलोत से वार्ता करने पर उन्होंने बताया कि बंदरों की समस्याओं को लेकर उनके द्वारा वन विभाग व नगर पालिका परिषद से कई बार मौखिक/ लिखित शिकायत की गई है, लेकिन विभाग इस समस्या को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पिछली बारिश में बिजली गिरने के कारण विद्युत ट्रांसफार्मर फुंक गया था। ट्रांसफॉर्मर तो बदल गया, लेकिन हाई-लो वोल्टेज की समस्या अस्पताल परिसर में शुरू हो गई है, जिसको लेकर विद्युत विभाग से सम्पर्क किया गया, लेकिन विभाग द्वारा अभी तक इस समस्या से भी निजात नहीं दिलाई गई है।

उन्होंने बताया कि विभागों की लापरवाही के चलते स्वास्थ्य सेवा का ग्राफ लगातार गिरता जा रहा है। भर्ती मरीज परेशान हैं, वहीं स्वास्थ्य सेवाओं में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने बिजली विभाग, वन विभाग व नगर पालिका परिषद से बंदरों की समस्या और बिजली की समस्या से जल्द से जल्द निजात दिलाने की मांग की, जिससे कि जसपुर की स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू व बेहतर ढंग से संचालित की जा सकें।

संवेदनशील स्थानों का डीएम ने किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। राष्ट्रीय राजमार्ग में वर्षा के दौरान भी यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने आज राजमार्ग के 75 किलोमीटर के दायरे में उन संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया जहां भूस्खलन के कारण चंपावत- पिथौरागढ़ जिले की लाइफ लाइन ही बाधित होने से जन जीवन अस्त व्यस्त हो जाता है। उन्होंने स्वाला में भारी वर्षा के कारण चट्टान दरकने से वाहनों के लिए खतरा पैदा हो जाता है उसके लिए ऐसे उपाय किए जाएं कि यातायात भी सुचारू रहे और यात्री भी सुरक्षित रहे। उन्होंने सभी संवेदनशील स्थानों में ऐसे चिह्न लगाने को कहा जिससे चालक उसे खतरे का संकेत मानते हुए सावधानी से चले।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का विस्तार

■ **पंकज जिंदल जिलाध्यक्ष व शीतल सिंघल बने नगराध्यक्ष**

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लच्छू गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री दीपक सिंघल एवं प्रदेश संयुक्त सचिव उपेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में स्थानीय होटल में वैश्य महासम्मेलन के नवीन पदाधिकारियों का चयन किया गया। इनमें जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी पंकज जिंदल और नगराध्यक्ष शीतल सिंघल को बनाया गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लच्छू गुप्ता ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन का विस्तार कर वैश्य समाज को संगठित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज सेवा भाव में सदैव अग्रणी रहा है और समाज की रीति नीति हमेशा राष्ट्र सेवा भावना की रहती है और वैश्य समाज का व्यक्ति सदैव हर क्षेत्र में काम करने की विशेष क्षमता रखता है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल,ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश सिंघल,पूर्व अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल,अग्रवाल महासभा के जिलाध्यक्ष महेश मित्तल,ट्रस्ट महामंत्री सुरेश जैन, गौशाला महामंत्री राजेश जिंदल, रक्तदान समिति संरक्षक राजीव गुप्ता,मुकेश गर्ग,बिना साहू, व्यापार मंडल अध्यक्ष सोनू गर्ग, कोषाध्यक्ष दीपेंद्र सिंघल, विनोद मित्तल आदि थे।

नशे से अपना घर परिवार न करों बर्बाद

■ **इस आग से अपनों के साथ बचाओ, दूसरों को भी**

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। आईटीबीपी के हिमवीरों ने 'नशे से बचाओ अपना गांव, इस आग से अपना तथा बचाव दूसरों का घर' नारे के साथ नशा मुक्त भारत को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई, जो गांव से होते हुए डुंगरी गांव पहुंची। इससे पूर्व कमांडेंट संजय कुमार ने रैली को हरी झंडी दिखाते हुए कहा किसी प्रकार का नशा परिवार की शांति, मां के अरमानों, पिता की भविष्य की उम्मीदो को एक घूंट में नील लेता है। इस सामाजिक विकृति से समाज को बचाने के लिए हर व्यक्ति को उठ खड़ा होना होगा।

उप. सेनानी नारायण सिंह के नेतृत्व में निकाली गई रैली डूंगरी गांव पहुंचने पर एक गोष्ठी में बदल गई जहां गांव के महिला, पुरुष व हर उम्र के लोग शामिल हुए। उप. सेनानी ने कहा आज कुछ लोग थोड़े से लाभ के लिए नशे का कारोबार कर दूसरों का घर बर्बाद करने में तुले हुए हैं। ऐसे लोग समाज व राष्ट्र के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उनकी पहचान करनी होगी ।इस अवसर पर इंस्पेक्टर गोपाल वर्मा, जीएस राठौर, रणजीत सिंह, एसआई सियाराम भी मौजूद थे। ग्रामीण महिलाओं व लोगों ने आईटीबीपी के इस अभियान की प्रशंसा की तथा इसके लिए हर घर से आवाज निकालने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता का किया विमोचन

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता - 2024 के द्विभाषीय संस्करण की पुस्तक का विमोचन जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी एवं पुलिस अधीक्षक रेखा यादव द्वारा किया गया। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी राकेश चंद्र के प्रयासों की सराहना की। जनपदस्तर पर यूसीसी में दिए गए प्रशिक्षण को भी सराहनीय बताया, तथा उक्त पुस्तक के माध्यम से यूसीसी के विधिक प्राविधानों का जनता तक पहुंचाने में उपयोगी बताया। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव द्वारा भी पुस्तक पर शुभकामनाएं देते हुए विधिक के क्षेत्र में राकेश चंद्र के प्रयासों की सराहना की। राकेश चंद्र द्वारा बताया गया कि उक्त पुस्तक में तुलनात्मक अध्ययन चार्ट प्रस्तुत किया गया है जो कि विधि के विद्यार्थियों एवं अधिवक्ताओं व अधिकारियों के लिए उपयोगी होगा तथा विवाह पंजीकरण, तलाक के दावे, भरणख्रपोषण के दावे आदि अब यूसीसी के किन धाराओं में दायर होंगे।

भारत जनहित सेवा संगठन ने विभिन्न मांगों को लेकर मांग पत्र सौंपा

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। भारत जनहित सेवा संगठन की ओर से अध्यक्ष सोनू कादरी के नेतृत्व में अपनी टीम के साथ शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र पालिका अध्यक्ष मौ. नौशाद सम्राट को सौंपा । मांगपत्र में जसपुर की विभिन्न समस्याओं जैसे पट्टी चौहान स्थित नाले का निर्माण ,अबुल कलाम पार्क का सौंदर्यकरण, बरसात के चलते जल भराव की समस्या व बढ़े हाउस टैक्स को कम करने आदि से अवगत करवाया गया। जिस पर अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद सम्राट व ईओ शाहिद अली ने जल्द ही उपरोक्त समस्याओं के समाधान हेतु अपनी सहमति प्रदान की।

नशे को लेकर लोगों को जागरूक किया

■ **एसओ उमेश कुमार ने नशा तथा साइबर अपराध की लोगों को जानकारी दी**

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । ड्रग्स फ्री इंडिया, सुरक्षित जीवन कार्यक्रम के तहत पुलिस ने लोगों को नशे के प्रति जागरुक किया।

बुधवार को थाना अध्यक्ष उमेश कुमार की मौजूदगी में नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत ड्रग्स फ्री इंडिया सुरक्षित जीवन कार्यक्रम के तहत समाज में फैला रहे नशे के प्रति लोगों को जागरुक किया। एसओ उमेश कुमार ने कहा की नशा हमारे युवाओं को खोखला कर रहा है। हम सभी को नशे के प्रति जागरुक होकर नशे के प्रति अभियान चलाकर नशे की लत में पड़े अपने परिवार के युवाओं को बचाना है। मोबाइल पर किसी भी अपरिचित को अपनी जानकारी शेयर ना करें। थाना अध्यक्ष ने कहा कि फ्रॉड व्यक्ति द्वारा आपको फोन कर बिना किसी अपराध के अपनी बातों से डराया जाता हैं, फिर खुद को पुलिस या सीबीआई का बताकर डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी जाती हैं, उन्होंने कहा की कई लोग इसका शिकार भी हो जाते हैं, जबकि डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ होता ही नहीं हैं, सभी को इसके प्रति जागरुक अति अवशयक है। आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक नेता केएन अटवाल ने अपने विचारों में कहा कि पढ़े लिखे व्यक्ति भी नकली सीबीआई जैसे ठगों की बातों का शिकार हो जाते है, जबकि हमें इसकी शिकायत पुलिस से करनी चाहिए । उप निरीक्षक संजय कुमार ने यहा मौजूद लोगों को बताया की पुलिस निरन्तर नशा व उसके कारोबार में लिप्त तस्करों के विरुद्ध कारवाई कर रही हैं अब तक क ई नशा बेचने वालों को पकड़सलाखो तक पहुंचाया जा चुका है। यहां उप निरीक्षक संजय कुमार, उप निरीक्षक मनोज जोशी, सिपाही नवीन जोश, शिक्षक नेता केएन अटवाल, पूर्व सभासद सुखलाल सिंह, आशिफ अली, व्यापार मण्डल कोषाध्यक्ष नन्नू चौहान, सोबरन सिंह, समीर, दिनेश गोयल आदि थे।

खाद्य मंत्री ने किया सरकारी गोदाम का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। प्रदेश की खाद्य मंत्री रेखा आर्य ने बुधवार को रामनगर में स्थित आमडंडा में सरकारी खाद्य गोदाम का निरीक्षण करते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि वर्तमान में बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए सरकारी गोदाम में रखा चावल एवं गेहूं खराब ना हो और उनकी व्यवस्थाओं को परखने के लिए यह निरीक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार एवं उनकी मंशा है कि जनता को दिया जाने वाला सरकारी राशन गुणवत्ता युक्त हो और पौष्टिक हो।उन्होंने कहा कि इन गोदाम की मरम्मत एवं रास्ते की मरम्मत को लेकर अधिकारियों को प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए गए हैं। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि राशन डीलरों का कोरोना के समय का रुका हुआ भुगतान भी शीघ्र उन्हें दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राशन डीलरों को दी जा रही भारत सरकार की योजना के तहत ई पोश मशीन की ट्रेनिंग सभी दुकानदारों को दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इससे राशन डीलरों के कार्य में काफी राहत मिलेगी तो वहीं उन्होंने कहा कि सरकारी गोदाम से काम राशन दुकानदारों को दिए जाने के संबंध में पूर्व में ही उनके द्वारा गोदाम पर कांटे लगाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गर्जिया मंदिर और सीतावनी मंदिर जाकर पूजा अर्चना कर मत्था टेक्कर आश्रीवाद लिया। इस दौरान भाजपा के इंदर सिंह रावत, भूपेंद्र सिंह खाती, अशोक गुप्ता, घनश्याम शर्मा, नवीन करगेती, पारस गोला, शुभम उत्तम, बदलदेव सिंह रावत, शलभ मित्तल, रामभरोसे लाल के अलावा तहसीलदार मनीषा मरकाना, खाद्य पूर्ति निरीक्षक दीप चंद्र बेलवाल आदि मौजूद रहे।

मां के नाम पर लगाया पौधा

पुराने दोस्त महेन्द्र पाल से मिलकर खुश हुए उपराष्ट्रपति

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। तीन दिवसीय दौरे पर नैनीताल पहुंचे देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शिरकत की। उससे पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कार्यक्रम स्थल हरमिटेज भवन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अपने पूज्य पिता एवं माता जी के नाम पर दो पौधे रोपे गए। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने नैनीताल प्रवास के दौरान पहले दिन यानी बुधवार को अन्य लोगों के साथ ही अपने काफी पुराने मित्र तथा नैनीताल-ऊधम सिंह नगर सीट के पूर्व सांसद डा. महेंद्र सिंह पाल से मुलाकात की। इस दौरान डा. पाल ने उनका नैनीताल आगमन पर स्वागत करते हुए कुछ देर तक बाते की। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल समेत कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

29 जून को लगेगी बेस अस्पताल में कार्डियो ओपीडी

श्रीनगर। बेस चिकित्सालय में 29 जून को कार्डियो ओपीडी लगेगी। जिसमें दून अस्पताल के वरिष्ठ कार्डियोजॉजिस्ट डॉ. अमर उपाध्याय ओपीडी लगायेगे, जो हर माह के अंतिम शनिवार को बेस चिकित्सालय में मरीजों के हित में ओपीडी लगायेगे। 29 जून शनिवार को मेडिसिन विभाग की ओपीडी के समीप कार्डियो ओपीडी लगेगी। जहां हार्ट सबंधी जांच एवं परामर्श के लिए मरीज पहुंच सकते है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के प्रयासों से कार्डियो ओपीडी लगाये जाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे है। कहा कि बेस अस्पताल में माह के प्रथम और तृतीय बुधवार को कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. संदीप मालविया ओपीडी लगायेगे।

12वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर के तल्लीताल क्षेत्र में 18 वर्षीय युवती की सन्दिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। युवती घर के अंदर दरवाजे की चौखट से बंधे फंदे पर लटकी मिली। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कबजे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। तल्लीताल थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कैंची धाम तहसील की मूल निवासी रेनू खत्री (18) तल्लीताल धर्मशाला पुराना कोयला टाल के समीप एक अधिवक्ता के घर के ग्राउंड फ्लोर में रहती थी। यहां अधिवक्ता के घर में रहकर वह 12वीं में पढ़ाई कर रही थी। मंगलवार की सुबह देर तक जब युवती ने दरवाजा नहीं खोला तो अधिवक्ता पीछे के रास्ते उसको देखने गए। वह फर्स्ट फ्लोर से उतर कर ग्राउंड फ्लोर पर पहुंचे तो उसको अंदर जाते ही युवती दरवाजे की चौखट पर बंधे फंदे से लटकी मिली। यह देख अधिवक्ता ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना पर तल्लीताल थाने के एसआई सतीश उपाध्याय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे, जहां युवती फंदे पर लटकी थी। युवती का एक पैर मुड़ा हुआ कुर्सी पर था जबकि दूसरा पैर जमीन को छू रहा था। पुलिस ने शव को फंदे से निकाल कर कबजे में ले लिया। बुधवार को पोस्टमार्टम के दौरान युवती मामा ने कहा कि घटना के बाद युवती की मां को अज्ञात युवक का कॉल आया था जिसमें उसने युवती के आत्महत्या करने का पता होने की भी बात कही है। एसआई सतीश उपाध्याय ने बताया कि परिजनों को सूचित कर शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में लोगों से पूछताछ की जा रही है।

एक नजर....

मुख्य कोषाधिकारी को हाईकोर्ट से राहत नहीं

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने विजिलेंस टीम नैनीताल के द्वारा मुख्य कोषाधिकारी नैनीताल एवं एकाउन्टेन्ट कोषागार नैनीताल को 1 लाख 20 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ती राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने फिलहाल मुख्य कोषाधिकारी दिनेश राणा व एकाउंटेट बसंत जोशी को राहत नहीं देते हुए अगली सुनवाई 7 जुलाई सोमवार की तिथि नियत की है। बता दें कि बुधवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान आरोपी की तरु से कहा गया कि की उन्हें इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है जबकि उनके द्वारा शिकायतकर्ता की एसीपी के कलेम की फाइल पहले ही वापस लौटा दी थी इससे नाराज होकर उनके द्वारा यह षड़यंत्र रचा गया जो पैसों की रिकवरी हुई वह एकाउंटेड के दराज से हुई जबकि सरकार की तरफ से कहा गया कि जब मामले की जांच हुई तो पाए गए नोटों पर एकाउंटेंट व मुखय कोषाअधीकारी दोनों के ही उंगलियों के निशान पाए गए। इसकी पुष्टि एक काँच के गिलास में पानी भरकर रखा गया। उसके सोडियम कार्बोनेट डाला गया। उसके बाद दिनेश राणा व बंसत जोशी के हाथ धोए गए। इसमे दोनों के हाथ धोने पर पानी का रंग गुलाबी हो गया। इससे स्पस्ट हो गया कि इन लोगों ने रिश्वत ली है, नोटो पर इनके उंगलियों के निशान लगे हुए हैं।

स्थिति स्पष्ट करे लोक सेवा आयोग

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आईटीबीपी के एक जवान की अपर पीसीएस की मुख्य परीक्षा छूटने के मामले में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में हुई। मामले के अनुसार आईटीबीपी में कार्यरत विमल चन्द ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उसने अपर पीसीएस की प्री-परीक्षा पास की थी जबकि मुख्य परीक्षा जो कि 3 व 5 फरवरी को हुई थी को आयोग ने यह कहकर निरस्त कर दी कि इस परीक्षा के प्रश्न पाठ्यक्रम के बाहर से थे। जिसके बाद यह परीक्षा 14 मई को कराई गई। किन्तु उस अवधि में सेना का ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। जिस कारण उसकी छुट्टियां रद्द हो गई। याची ने आयोग से निवेदन किया कि या तो उसकी मुखय परीक्षा ली जाय या उसके द्वारा फरवरी में दी गई परीक्षा पर विचार किया जाए लेकिन आयोग ने इस प्रत्यावेदन का जवाब नहीं दिया जिस कारण उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। हाईकोर्ट ने आयोग से इस मामले में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

चारधाम यात्रा में सतर्कता बरते सरकार: हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मानसून अवधि में चारधाम यात्रा में सतर्कता बरतने को कहा है। बता दें कि पर्वतीय क्षेत्र में रोज हो रही बारिश के बीच जारी चारधाम यात्रा में शामिल यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा को लेकर चिंतित हाईकोर्ट के मुखय न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने बुधवार को मौखिक रूप से महाधिवक्ता व मुख्य स्थायी अधिवक्ता से कहा कि चार धाम यात्रा को लेकर पूर्ण सतर्कता बरतने के लिये सरकार से कहा जाए। सरकार यात्रियों को सावधान रहने के लिये कहें और जगह जगह साइन बोर्ड लगाए जाएं। कहा कि यात्रा के दौरान किसी तरह का रिस्क न लिया जाए।

अधिवक्ता विकास गुगलानी को पितृशोक

नैनीताल। हाईकोर्ट के अधिवक्ता विकास कुमार गुगलानी पिताजी के आकस्मिक निधन पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शोक व्यक्त किया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की बुधवार को हुई शोक शोक सभा मे दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई। शोक सभा में दुर्गा सिंह मेहता अध्यक्ष हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, वीरेन्द्र सिंह रावत महासचिव समेत रजत मित्तल, भुवनेश जोशी, पुष्पा जोशी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन ने इमरजेंसी पर कराई गोष्ठी

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सभागार में बुधवार को 1975 में लगे आपातकाल के 50 वर्ष पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी की अध्यक्षता दुर्गा सिंह मेहता अध्यक्ष हाईकोर्ट बार एसोसिएशन व गोष्ठी का संचालन वीरेन्द्र सिंह रावत महासचिव हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा किया गया। गोष्ठी को गजेन्द्र सिंह सन्धु, एमसी पन्त, नवनीश नेगी आदि ने संबोधित किया। गोष्ठी में रजत मितल, भुवनेश जोशी, पुष्पा जोशी वरिष्ठ अधिवक्ता, आनन्द सिंह मेर, सौरव अधिकारी, त्रिलोचन पाण्डे, सैयद नदीम खुर्शीद, डीसीएस रावत, घनश्याम जोशी, भारत सिंह, प्रभा नैथानी, अंजली भार्गव, मनीषा भण्डारी, दीपा आर्या, कुन्दन सिंह, प्रकाश चन्द्र, तपन सिंह, एनके पपनोई, बीएस कोरंगा, रजत खोलिया, सरिता बिष्ट, पीएस सोन, मनोज चन्द्र भट्ट, राजीव पाठक, प्रेम प्रकाश भट्ट तथा मनोज साह आदि कई अधिवक्तागण उपस्थित थे।

राजकीय वाहन चालक पपोला का निधन

नैनीताल। नगर के एटीआई में कार्यरत राजकीय वाहन चालक हरीश सिंह पपोला का निधन हो गया है वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। बता दें कि बुधवार की सुबह उनका दिल्ली में निधन हो गया है। उनके निधन पर जिलाध्यक्ष राजकीय वाहन चालक महासंघ गोपाल सिंह अधिकारी सहित जिले जनपद के समस्त वाहन चालकों द्वारा गहरा शोक व्याप्त किया गया है साथ ही भगवान से वंदना की है कि मृत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

मांगों को लेकर कुटा ने उच्च शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ कूटा ने बुधवार को नैनीताल दौरे पर पहुंचे सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत से शिष्टाचार मुलाकात कर प्राध्यापकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया तथा ज्ञापन देकर उनके समाधान का निवेदन किया। कूटा के शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे कूटा के अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी कहा कि कुमाऊं विश्वविद्यालय में वर्षो से संविदा तथा अतिथि शिक्षक सेवा से रहे हैं परंतु उनको सममानजनक वेतन नहीं मिल रहा है। प्रो. तिवारी ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों द्वारा इन शिक्षकों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुसार 47 हजार 700 रुपया प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है साथ ही एक जेआरएफ को भी इनसे अधिक छात्रवृति मिल रही है। कहा कि सरकार को इनको सममानजनक वेतन 47 हजार 700 रुपए दिए जाना चाहिए। कहा कि 10 वर्षो से अधिक कार्य करने वाले उक्त शिक्षकों को नियमित किया जाए। प्रो. तिवारी के मुताबिक ऐसे प्रोफेसर जिनको 100 वर्ष से अधिक प्रोफेसर के पद पर हो गए हैं उनको यूजीसी नियमानुसार वेतन लेवल 15 भी स्वीकृत किया जाना चाहिए। कूटा के शिष्टमंडल में डा. विजय कुमार, डा. दीपक मेलकानी, डा. मोहित सिंह रौतेला के साथ साथ विधायक सरिता आर्य, भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन सिंह कार्की समेत मोहित लाल साह भी शामिल रहे।

कल मुहर्रम के महीने की पहली तारीख

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। मुहर्रम कमेटी की बैठक बुधवार को सदर नाजिम बख्श की अध्यक्षता मे हुई। बैठक में सबसे पहले अखाड़ा कमेटी उस्ताद के निधन पर दो मिनट का शोक जताया गया। बैठक में आने वाले मुहर्रम को लेकर चर्चा हुई जिसमें तय हुआ कि चांद की एक तारीख 27 जून शुक्रवार को चांद की एक तारीख होगी उसी दिन कर्बला सूखाताल व इमामबाड़ा रज़ा क्लब में परचम लगाया जाएगा और चांद की 7 तारीख यानि 3 जुलाई वीरवार को जुलूस आलम सांय 6.30 बजे से रॉयल होटल से निकला जाएगा जिसके बाद रजा क्लब इमामबाड़ा मे जिक्र हुसैन की महफिल होंगी और उसके बाद लंगर (भंडारा) होगा ओर चाँद की 8 तारीख को यानी 4 जुलाई शुक्रवार को आम लंगर (भंडारा) किया

जाएगा और हर वर्ष की तरह ताजियों का जुलूस चाँद की 9 तारीख यानी 5 जुलाई शनिवार सांय 7 बजे से निकला जाएगा जो अपने निर्धारित मार्ग से होता हुए रजा क्लब में संपन्न होगा और चांद की 10 तारीख यानी 6 जुलाई रविवार को यौमे अशुरा के दिन में जुलुस हुसनी निकला जाएगा जो ढोल तशों, अखाड़ा तथा फतहे निसान के साथ रॉयल होटल से शुरू होगा जो इंद्रा मार्किट, बेकरी कंपाउंड से रजा क्लब में पहुंचेगा जहाँ से कमेटी की जानिब से बनाया जा रहा ताजिया और पीतल का मैन ताजिये के साथ जुलूस जुलूस हुसैनी, अंडा मार्किट, जय लाल शाह बाजार, बीच का बाजार, खड़ी बाजार, गारी पड़ाव मल्लीताल से कोतवाली से वापस शारदा शंघ, पुराना घोड़ा स्टैंड, गोलघर, बड़ा बाजार से इंद्रा मार्किट, रॉयल होटल, नैनीताल कलब से चीना बाबा से हाईकोर्ट रोड से होते हुए देर रात कर्बला मे संपन होगा जहां पर कमेटी द्वारा बनाया गया तजियो को सुपुर्द ए खाक (दफनाया) किया जायेगा। दूसरी ओर इमाम बाड़ा में ताजिया बनाने के काम शुरू हो गया है। मुहर्रम कमेटी के महासचिव समीर अली ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा न्याज व जुलूस में शिरकत करने की अपील की।

इमरजेंसी की 50वीं बरसी पर प्रदर्शनी

भाजपा की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक सरिता ने किया

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। भारतीय जनता पार्टी नैनीताल मंडल द्वारा बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर आपातकाल का काला दिवस विषयक चित्र प्रदर्शनी का आयोजन मल्लीताल रिकशा स्टैंड स्थित प्रदर्शन स्थल पर किया गया। इससे पूर्व प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक सरिता आर्या द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन सिंह कार्की ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय अध्याय था। कहा कि भाजपा हर स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान शांति मेहरा दर्जा राज्य मंत्री, निखिल बिष्ट, मोहित

लाल साह व ज्योति ढोंडियाल मंडल उपाध्यक्ष, आशा आर्या मंत्री, काजल आर्या मंत्री और सह संयोजक, मयंक /मनोज पंत कोषाध्यक्ष, भारत सिंह मेहरा कार्यालय मंत्री, कमल जोशी आईटी संयोजक, आनंद बिष्ट पूर्व मंडल अध्यक्ष, नीतू जोशी वरिष्ठ नेत्री, अरविंद सिंह पडियार वरिष्ठ कार्यकर्ता व दयाकिशन पोखरिया समेत सभासद भगवत सिंह रावत, पूरन सिंह बिष्ट, गजाला कमाल, मनोज साह जगाती समेत राहुल नेगी, रोहित जोशी, युवराज करायत, प्रियांशु आर्या, अरुण कुमार, संतोष कुमार, शैलेन्द्र बर्गली, आशु उपाध्याय, कलावती असवाल, कविता गंगोला, संतोष साह, कृष्ण कुमार शर्मा, धीरज व गौरव पटवाल, मनीष भट्ट, अरुण बोरा तथा आशीष बजाज आदि मौजूद रहे। प्रदर्शनी को सफल बनाने में सह संयोजक काजल आर्या, आशीष बजाज व रोहित और युवराज का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति गीतों और आपातकाल के शहीद लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुआ।

डॉक्टरों ने मंत्रीजी से गुहार लगाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में प्रांतीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा संघ उत्तराखंड द्वारा स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत को डाक्टरों की समस्या के निस्तारण की मांग को लेकर ज्ञापन दिया। जिला अस्पताल में डाक्टरों ने उनके समक्ष कई समस्याओं को प्राथमिकता से रखा। इस दौरान चिकित्सकों की एक मांग पर स्वास्थ्य मंत्री डा.रावत ने कहा कि नैनीताल का बीडी पांडे जिला अस्पताल को दुर्गम श्रेणी में रखा जाएगा। प्रदेश भर से अधिवेशन में पहुंचे डाक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री के सामने सरकारी आवासों की समस्या रखी, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आवासों के लिए सरकार की ओर से पूरा बजट दिया जाएगा। इस दौरान संघ के जिलाध्यक्ष डा. नरेंद्र सिंह रावत समेत डा. महिमन सिंह दुग्ताल ने स्वास्थ्य मंत्री को पुष्प गुच्छ व शाल भेंट कर उनका स्वागत किया जिसके बाद विभिन्न जिलों से पहुंचे डाक्टरों ने अपनी समस्याएं स्वास्थ्य मंत्री के सामने रखी। डाक्टरों ने कहा कि राज्य भर में डाक्टरों के लिए आवासों की उपलब्धता हो तो डाक्टरों समेत मरीजों को भी इसका लाभ मिलेगा। वहीं डाक्टरों की ओर से 108 सेवा की ओर से कई बार देरी होने की भी शिकायत की। वहीं कई सर्जन ने अस्पतालों में असिस्टेंट सर्जन की मांग की। इधर नैनीताल के डाक्टरों ने बीडी पांडे अस्पताल को दुर्गम श्रेणी में रखने की मांग की। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बीडी पांडे अस्पताल को सुगम से दुर्गम श्रेणी में डाला जाएगा। इस दौरान अपर स्वास्थ्य निदेशक डा. एनएस गुंज्याल, पीएमएस डा. टीके टम्टा, डा. नरेंद्र रावत, डा. एमएस दुग्गल, डा. वीके मिश्रा, डा. मोनिका कांडपाल, डा. अनिरुद्ध गंगोला समेत विधायक सरिता आर्य, मण्डल अध्यक्ष नितिन कार्की, मनोज जोशी समेत लोग मौजूद रहे।

नोटिस वापस लो, मालिकाना हक दो

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। आवास विकास, सुभाष नगर, दमुवाढूंगा, कुसुमखेड़ा, भगवानपुर और छड़ैल क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा जारी किए गए अतिक्रमण नोटिसों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों में भारी असंतोष और चिंता का माहौल है। नोटिस के चलते बड़ी संख्या में लोग बेघर होने की आशंका से परेशान हैं। बुधवार को स्थानीय जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता रोहित कुमार इन प्रभावित बस्तियों में पहुंचे और वहां रह रहे लोगों का हालचाल जाना।

उन्होंने पीड़ित परिवारों को हिम्मत देते हुए आश्वासन दिया कि उनकी समस्याएं सरकार के समक्ष मजबूती से उठाई जाएंगी। इस दौरान स्थानीय निवासियों की ओर से मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी से मांग की गई कि गरीबों को दिए गए नोटिस तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाएं। साथ ही वर्षों से रह रहे लोगों को फी में मालिकाना अधिकार (पट्टा) देने की भी मांग की गई, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और बेघर होने का डर न रहे। प्रभावित लोगों का कहना है कि वें कई वर्षों से इन क्षेत्रों में रह रहे हैं, अपने जीवन भर की पूंजी लगाकर घर बनाए हैं, लेकिन अब नोटिस के माध्यम से उन्हें उजाड़ने की तैयारी की जा रही है, जो सरासर अन्याय है। स्थानीय प्रशासन से भी निवेदन किया गया है कि इस मुद्दे पर संवेदनशील रुख अपनाते हुए गरीबों और जरूरतमंदों के हित में निर्णय लिया जाए। साथ ही मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की गई है ताकि जनमानस को राहत मिल सके।

बंधक बनाए युवक को परिजनों को सौंपा

थराली। थराली के उपजिलाधिकारी पंकज भट्ट ने बताया कि बंधक बनाएं गए युवक को पंजाब की सामाजिक संस्था के द्वारा जरूरी पूछताछ के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में उनकी युवक के परिजनों से वार्ता हो चुकी है। एसडीएम ने बताया कि इस मामले को काफी अधिक गंभीरता से लेते हुए उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त गुरमीत सिंह ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक से वार्ता कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। और युवक एवं उसके परिजनों को हर संभव सहायता को कहा है।

एसएसपी से नैनीताल हिंसा की जांच रिपोर्ट तलब

शिकायत पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का कड़ा रुख

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 30 अप्रैल 2025 को नैनीताल में हुई एक शर्मनाक आपराधिक घटना के बाद पूरे मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाकर किए गए सुनियोजित सांप्रदायिक हमलों के विरोध में फरीद अहमद द्वारा दायर शिकायत पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। आयोग द्वारा 12 जून 2025 को जारी आधिकारिक पत्र द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नैनीताल को निर्देश दिया है कि वह पूरे मामले की जांच कर 21 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि मामला आयोग के समक्ष विचारार्थ रखा जा सके। 30 अप्रैल को मल्लीताल थाना क्षेत्र में 73 वर्षीय एक मुस्लिम व्यक्ति मोहम्मद उस्मान द्वारा एक 12 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना प्रकाश में आई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन इसके बाद सांप्रदायिक संगठनों द्वारा समूचे मुस्लिम समुदाय के विरुद्ध उग्र प्रदर्शन किए गए। मुस्लिमों को चिन्हित कर उनके व्यवसाय व दुकानों में तोड़-फोड़, मारपीट तथा धार्मिक और घृणास्पद नारेबाज़ी कर पूरे नगर में तनाव फैलाया गया था। जिसकी एक विस्तृत साक्ष्यों सहित शिकायत हल्द्वानी निवासी फ़रीद अहमद ने 07 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को प्रेषित की थी। उसी क्रम में आयोग ने फरीद अहमद की शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए एसएसपी नैनीताल से रिपोर्ट तलब की है। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अवर सचिव सुनील कुमार सिंह द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में पुलिस अधीक्षक नैनीताल से अपेक्षा की गई है कि वे मामले की निष्पक्ष जांच कर विस्तृत रिपोर्ट 21 दिनों के भीतर आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। पत्र की प्रतिलिपि शिकायतकर्ता फरीद अहमद को भी भेजी गई है जिससे वे आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई कर सकें।

यह केवल एक व्यक्ति का अपराध था, जिसे नफरतपसंदों ने मुस्लिम समाज से मनसूब करके पूरे मुस्लिम समाज को निशाना बनाया गया। हमें न्यायपालिका और आयोग पर विश्वास है कि सच्चाई सामने आएगी और दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलेगी।

फ़रीद अहमद (शिकायतकर्ता)

बिड़ला स्कूल ओवरऑल चैंपियन

अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का समापन, विजेताओं को बांटे पुरस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठ विद्यालय बिड़ला विद्या मंदिर में आयोजित अखिल भारतीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुखर्जी निर्वाण और बिड़ला विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य व चेयरमैन आईपीएससी अनिल कुमार शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि ने विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए। उन्होंने कहा की आज के विजेता कल के चैंपियन हैं। इस दौरान प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने कहा बिड़ला

विद्या मंदिर में इस प्रतियोगिता का आयोजन करना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज के फाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ी विजेता है। प्रतियोगिता के आयोजन को सफल बनाने में बिड़ला विद्या मंदिर खेल विभाग की टीम और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित की गई जिसमें अंडर 14 अंडर 17 और अंडर 19 रहें। अंडर 14 विजेता बिड़ला विद्या मंदिर, उप विजेता असम वेली स्कूल। अंडर 17 विजेता बिड़ला विद्या मंदिर, उप विजेता एमरल्ड हाईट्स इंटरनेशनल स्कूल इंदौर। अंडर 19 विजेता बिड़ला विद्या मंदिर, उप विजेता राजकुमार कॉलेज राजकोट। 25 स्वर्ण 5 रजत और 1 कांस्य पदक के साथ ओवरऑल चैम्पियन का खिताब बिड़ला विद्या मंदिर नैनीताल को दिया गया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य राकेश मुलासी, वित्तीय नियंत्रक संजय गुप्ता, पृथ्वीराज सिंह किरौला, लीला सिंह बिष्ट, केदार सिंह गढ़िया, आलोक कुमार अस्थाना, तुषार मिश्रा आदि उपस्थित थे। संचालन जतिन ग्रोवर ने किया।

भाजपा को धौलादेवी में बड़ा झटका

अल्मोड़ा। धौलादेवी विकासखंड में भारतीय जनता पार्टी को उस समय बड़ा झटका लगा, जब ग्राम तलचौना निवासी व भाजपा के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश भट्ट ने पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस का दामन थाम लिया। सुरेश भट्ट पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य और भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुनाथ सिंह चौहान के जनसंपर्क अधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने अपने चार दर्जन से अधिक समर्थकों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की उपस्थिति में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। यह कदम धौलादेवी क्षेत्र में भाजपा के लिए एक बड़ा राजनीतिक नुकसान माना जा रहा है। इससे पहले भी दन्या क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता गोपाल सिंह बिष्ट 200 से अधिक समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। सुरेश भट्ट ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी में भ्रष्टाचार चरम पर है। विकास कार्यो के नाम पर स्वीकृत बजट में जमकर बंदरबांट की जा रही है और जनप्रतिनिधि खुद इसमें लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में अब जनहित की बात सुनने वाला कोई नहीं रह गया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल के विकास कार्यों और ईमानदार छवि से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, पूर्व जिलाध्यक्ष पीतांबर पांडे, पूर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष दीवान सिंह भैसोड़ा, प्रशांत भैसोड़ा, राजेंद्र सिंह बिष्ट, अंकुर कांडपाल, बिशन सिंह, गोपाल सिंह बिष्ट और रमेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

Mob.: 9837006200, 9837275223, 9837072454

बी0एस0एम0 चैरिटेबिल ट्रस्ट, रुड़की-247667 (हरिद्वार)

B.S.M. CHARITABLE TRUST, ROORKEE-247667 (HARIDWAR)

पत्रांक: 141/2025-26 दिनांक: 22/06/2025

आवश्यक सूचना

बी0एस0एम0 चैरिटेबल ट्रस्ट रूडकी के अर्न्तगत संचालित बी0एस0एम0 पी0जी0 कालेज रूडकी की प्रबन्ध समिति के चुनाव/अधिवेशन दिनांक 04 जौलाई 2025 दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे बी0एस0एम0 पी0जी0 कालेज रूडकी के सभागार में बी0एस0एम0 चैरिटेबल ट्रस्ट रूडकी के नियमानुसार होने जा रहा है। कृप्या आप सभी बी0एस0एम0 चैरिटेबल ट्रस्ट रूडकी के समस्त सदस्यों से अनुरोध है कि समय पर पधारने का कष्ट करें।

(रजनीश कुमार शर्मा) एडवोकेट
अध्यक्ष / सचिव
बी0एस0एम0 चौरिटेबल ट्रस्ट रूडकी

इंग्लैंड ने भारत को पांच विकेट से हराया

बेन डकेट ने 149, जैक क्रॉली ने 65 और जो रूट ने नाबाद 53 रनों की पारी खेली

लीड्स, वार्ता। बेन डकेट (149) की शतकीय, जैक क्रॉली (65) और जो रूट (नाबाद 53) की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच के पांचवें एवं आखिरी दिन भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। भोजनकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहला झटका प्रसिद्ध कृष्णा ने जैक क्रॉली (65) को आउटकर दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए पहली पारी के शतकवीर ऑली पोप (आठ) को भी प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई।

इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने बेन डकेट को नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। बेन डकेट ने 170 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक (शून्य) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर (दो-दो विकेट) के झटको को झेलते हुए इंग्लैंड ने मैदान गिला होने के कारण खेल रोके जाने के समय चायकाल तक चार विकेट पर 269 रन बना लिये थे। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (33) को आउट कर भारत पांचवीं सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभाला और धैर्य के साथ बल्लबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत की ओर ले गए। इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट पर 373 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। जो रूट (53) और जेमी स्मिथ (44) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की हार कारण खराब क्षेत्ररक्षण रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े जिसका खामियाजा हार के रूप में सामने आया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में कल के 21 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। जैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने संयम का परिचय देते हुए भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया और रन भी बटोरे। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने 30 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 117 रन बना लिये और टीम के मैच जीतने की उम्मीद जगाई।

उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारियों की बदौलत 471 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन का स्कोर बनाया था। भारत ने दूसरी पारी में 364 रन का स्कोर बनाया था और उसके पहली पार में सात रन की बढ़त मिली थी।

ऋषभ पंत ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

● आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी की, गिल की शीर्ष-20 में एंट्री, टेस्ट ऑलराउंडर्स में जडेजा शीर्ष पर

दुबई, वार्ता। आईसीसी ने बुधवार को ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। भारत के आक्रामक विकेटकीपर ऋषभ पंत बल्लेबाजों की नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में दोनों पारियों में दो शतक लगाए थे।

इसके अलावा शुभमन गिल की भी शीर्ष-20 बल्लेबाजों में एंट्री हो गई है। टीम इंडिया को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 371 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने बैजबाल अंदाज में 82 ओवर में हासिल कर लिया। आईसीसी ने ताजा रैंकिंग इसके बाद ही जारी की है। लीड्स टेस्ट में दो पारियों में दो शतक लगाने वाले दूसरे विकेटकीपर बने पंत टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान ऊपर चढ़ गए। 27 वर्षीय पंत से पहले जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर एक ही टेस्ट मैच में दो शतक लगाने वाले एकमात्र विकेटकीपर थे। पंत ने लीड्स टेस्ट में 134 और 118 रन बनाए। वहीं, शुभमन गिल ने भी पांच स्थान की छलांग लगाई और शीर्ष 20 में पहुंच गए। वह 20वें स्थान पर हैं। गिल ने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में शतक लगाया था। शीर्ष 20 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में भारत के केवल तीन बल्लेबाज हैं। पंत और गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर काबिज हैं। यशस्वी ने भी लीड्स टेस्ट की पहली पारी में शतक जमाया था। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले टेस्ट में 14वीं बार पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा कायम रखा है। 62 और 149 रन की पारी खेलने और इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बेन डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए। डकेट के साथी ओली पोप तीन पायदान ऊपर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ आठवें पायदान ऊपर 27वें स्थान पर पहुंच गए।

हमें कैच छोड़ना महंगा पड़ा: कप्तान शुभमन गिल

● हमने पहली पारी में खराब प्रदर्शन के बारे में बात की, हमें आगे बढ़ते हुए इसमें सुधार करना होगा

लीड्स, वार्ता। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि हमारे पास टेस्ट जीतने का मौका था, लेकिन कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि टेस्ट मैच शानदार रहा। हम इंग्लैंड की टीम को 430 रनों का लक्ष्य देने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन हमने 31 रन जोड़कर अपने आखिरी पांच विकेट गवां दिए। उन्होंने कहा कि हमारे पास मैच जीतने का मौका था। कैच छोड़ना हमें महंगा पड़ा। उन्होंने कहा कि आज भी, मुझे लगा कि पहले विकेट के बाद हमारे पास मौके थे। हमने पहली पारी में खराब प्रदर्शन के बारे में बात की, हमें आगे बढ़ते हुए इसमें सुधार करना होगा। इस तरह के विकेट पर मौके आसानी से नहीं मिलते, लेकिन हमारी टीम युवा है, टीम में सीखने का जज्बा है।

उम्मीद है कि इसमें सुधार होगा। उन्होंने कहा कि पहले सत्र में हमने शानदार गेंदबाजी की और रनों पर अंकुश लगाया, लेकिन एक बार गेंद पुरानी हो जाने के बाद रन रोकना मुश्किल होता है। जब गेंद नरम हो जाए तो विकेट लेते रहना चाहिए। जाडेजा ने शानदार गेंदबाजी की, उन्होंने मौके बनाए।

टंग की गेंदबाजी, जैक क्रॉली व बेन डकेट की पारी ने मैच का रुख बदला: बेन स्टोक्स

● हमारे पास यहां इस मैदान को लेकर कुछ अच्छी यादें है, एक और इजाफा करना अच्छा रहा

लीड्स, वार्ता। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि तेज गेंदबाज जॉश टंग के स्पैल के बाद जैक क्रॉली और बेन डकेट की धैर्यपूर्ण पारी ने मैच का रुख बदल दिया।

पहले टेस्ट मैच में मंगलवार रात भारत को पांच विकेट से हराने के बाद कप्तान स्टोक्स ने कहा कि हमारे पास यहां इस मैदान को लेकर कुछ अच्छी यादें हैं, एक और इजाफा करना अच्छा रहा है। आखिरी दिन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए एक अच्छे टेस्ट का हिस्सा बनना शानदार रहा है। वैसे टंग के स्पेल ने भी खेल का रुख बदला दिया था। इसके बाद डकेट और क्रॉली की अविश्वसनीय बल्लेबाजी ने लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया। क्रॉली और डकेट की साझेदारी शानदार रही। जिस तरह से क्रॉली ने संयम के साथ 60 रन बनाए वह भी महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि आप नहीं जानते कि गेंद फेंके जाने से पहले क्या होगा आप वहीं चुनते हैं जो आपको सबसे अच्छा लगता है। हमने सोचा कि गेंदबाजी करने का फैसला करते समय हमें जीतने का सबसे अच्छा मौका क्या देगा। विरोधी टीम को अच्छा खेलने की अनुमति है हमने पहले सत्र में अच्छी गेंदबाजी की फिर भी भारत ने भी पहले दिन अविश्वसनीय प्रदर्शन किया। मुझे नहीं लगता कि कभी भी अलग फैसला लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करना आपको आत्मविश्वास देता है। इस सीरीज की शानदार शुरुआत रही। जीत में बहुत सारे कौशल का योगदान रहा है हम लंबे समय से मैदान में हैं, लेकिन हम प्रत्येक सत्र में इस दृष्टिकोण के साथ आए कि हम मैच को पूरी तरह से बदल देंगे। प्लेयर ऑफ द मैच बेन डकेट ने कहा कि यह एक अविश्वसनीय मैच था, भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। पांचवें दिन की शुरुआत में जिस तरह से हमने मैच को खत्म किया वह अविश्वसनीय था। हम बिना विकेट खोए कल शाम खेलना चाहते थे। आज सुबह यह स्पष्ट था अगर हम रुककर बल्लेबाजी करते हैं, तो हम जीत जाएंगे। ड्रेसिंग रूम के लोगों का मानना है हमने पूरे दिन परिपक्वता दिखाई और जता दिया कि जीतना कितना मायने रखता है। कई बार हम इस मैच में पीछे रह गए। हमारे गेंदबाजों को बहुत बड़ा श्रेय जाता है, जिन्होंने कम समय में पुछल्ले बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर दिया। वरना अगर वह लक्ष्य में 50 से 60 रन और जोड़ देते तो मैच अलग होता। हमने क्रॉली को पिछले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते देखा, वह शांत रहकर अच्छा खेला था। अच्छी गेंदों का सम्मान किया और खराब गेंदों को उचित स्थान पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, उन्होंने पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खेल समाचार

निशानेबाजी लीग के पहले संस्करण के लिए 400 पंजीकरण

नई दिल्ली, वार्ता। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा शुरू की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के पहले संस्करण में भाग लेने के लिए दुनियाभर के 400 से अधिक निशानेबाजों ने पंजीकरण कराया है। इस लीग का आयोजन 20 नवंबर से दो दिसंबर तक आयोजित किया जायेगा। इसके लिए भारत, कजाकिस्तान, रूस, ईरान, हंगरी, क्रोएशिया, अजरबैजान, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेनेडा, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, सर्बिया, अमेरिका, स्पेन, थाईलैंड, जर्मनी, चेक गणराज्य, नॉर्वे, सैन मैरिनो और रोमानिया के 400 से अधिक एथलीट पंजीकरण करा चुके हैं और यह संख्या बढ़ती जा रही है। पंजीकरण प्रक्रिया जुलाई 2025 के मध्य तक चलेगी। लीग में (10 मीटर, 25 मीटर) पिस्टल, (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजीशन) राइफल व (ट्रैप और स्कीट) शॉटगन में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी।

खडसे ने अगरतला में साई द्वारा संचालित खेल प्रशिक्षण केंद्र का किया दौरा

अगरतला, वार्ता। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा संचालित खेल प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया। बिना बताये खेल प्रशिक्षण केन्द्र पहुंची केंद्रीय मंत्री ने प्रशिक्षण सुविधाओं की गहन समीक्षा की, प्रशिक्षकों के समर्पित कार्य और एथलीटों की प्रगति तथा एसटीसी केंद्र की आधुनिक सुविधाओं की समग्र तैयारी का भी निरीक्षण किया। त्रिपुरा में अपने प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री ने खेल, युवा नीति, शिक्षा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाओं सहित विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की।

कलिंगा ब्लैंक टाइगर्स व हैदराबाद ने जीत दर्ज की

● दिन के पहले मुकाबले में कलिंगा ने मुंबई पर 33-5 से जीत दर्ज की

मुंबई, वार्ता। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग सीजन वन के मुकाबलों में कलिंगा ब्लैक टाइगर्स और हैदराबाद हीरोज ने बेहत. रीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। यहां शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में खेले गए मुकाबले में टाइगर्स ने मुंबई ड्रीमर्ध को हराया।

वहीं हैदराबाद हीरोज ने चेन्नई बुल्स पर जीत हासिल की। दिलचस्प बात यह रही कि हीरोज और बुल्स दोनों ही टीमें सोमवार को नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर चुकी थीं। दिन के पहले मुकाबले में कलिंगा ब्लैक टाइगर्स ने मुंबई ड्रीमर्स के खिलाफ शानदार और प्रभावशाली खेल दिखाते हुए उन्हें 33-5 से पराजित किया। कलिंगा ब्लैक टाइगर्स ने शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया और मुंबई ड्रीमर्स को दबाव में रखा। पहले क्वार्टर के अंत से ठीक पहले पेरी बेकर ने एक शानदार ट्राई की, जिसे मॉरिस लॉन्गबॉटम ने आसानी से कन्वर्ट कर लिया। थोड़ी ही देर में बेकर ने एक और ट्राई की और इस बार ईथन टर्नर ने सफलतापूर्वक किक को कन्वर्ट किया। हाफ टाइम तक कललगा ब्लैक टाइगर्स 14-0 की बढ़त ले चुके थे। ब्रेक के बाद भी टाइगर्स का दबदबा कायम रहा और इस बार ईथन टर्नर ने खुद एक ट्राई किया। दूसरी ओर, डीमर्ज ने आखिरकार स्कोर बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया जब एलियास हैनकॉक ने ट्राई की। ड्रीमर्ध की वापसी की उम्मीदों पर टाइगर्स ने पानी फेर दिया, जब लुकास लैकेम्प ने दो त्वरित ट्राई किए और लॉन्गबॉटम ने दोनों कन्वर्ज़न को सफलता से पूरा किया। दिन के दूसरे मुकाबले में हैदराबाद हीरोज और चेन्नई बुल्स के बीच शानदार मुकाबला देखने को मिला, जिसमें हीरोज ने जीत दर्ज की। हीरोज ने 17-0 से मुकाबला अपने नाम किया और यह टूर्नामेंट में दूसरी बार हुआ जब कोई टीम एक भी अंक नहीं बना सकी। हैदराबाद हीरोज ने मुकाबले की शुरुआत में ही केविन वेकेसा और टेरियो तमानी की ट्राई की बदौलत बढ़त बना ली।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बांग्लादेश पर कसा शिकंजा

● श्रीलंका ने टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश के 220 रन पर 8 विकेट लिए

कोलंबो, वार्ता। असिता फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो और सोनल दिनुशा (दो-दो विकेट) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को बांग्लादेश के 220 रन पर आठ विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। असिता फर्नांडो ने अनामुल हक (शून्य) को बोल्ड कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मोमिनुल हक ने शादमान इस्लाम के साथ पारी को संभलने का प्रयास किया। धनंजय डीसिल्वा ने मोमिनुल हक (21) को आउट कर बांग्लादेश को दूसरा झटका दिया। इसके थोड़ी देर बाद ही विश्वा फर्नांडो ने कप्तान नजमुल शान्तो (आठ) को अपना शिकार बना लिया। चौथे विकेट के रूप में शादमान इस्लाम (46) को थलरडु रत्नायके ने आउट किया। मुशफिकुर रहीम और लिटन कुमार दास ने बांग्लादेश की पारी को कुछ देर संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 67 रनों की साझेदारी हुई। सोनल दिनुशा ने 48वें ओवर में लिटन कुमार दास (34) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। दिनुशा ने इस के बाद मुशफिकुर रहीम (35) को आउटकर बांग्लादेश को छठा झटका दिया। मेहदी हसन (31) को विश्वा फर्नांडो ने आउट किया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

बर्लिन, वार्ता। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हरा दिया। यहां खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के टोबी मैलन ने दूसरे हाफ में 40वें मिनट में मैदानी गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी। इसके बाद भारत के रोहित ने (45वें) मिनट में गोलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत के अजीत यादव ने (52वें) मिनट में गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले हाफ में दोनों टीमें के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ लेकिन शुरुआती दो क्वार्टर में दोनों टीमें गोल करने में विफल रही।

सिर्फ शतक नहीं जीत जरूरी: गौतम गंभीर

लीड्स, वार्ता। लीड्स टेस्ट हारने के बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि सिर्फ शतक नहीं, जीत मायने रखती है। उन्होंने यह बात पंत के शतकों के सवाल पर कही। गेंदबाजों के प्रदर्शन पर गंभीर ने कहा कि भारत के युवा गेंदबाजों को समय देना होगा।श उन्होंने शुभमन गिल की कप्तानी और जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी की तारीफ की। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। टीम ने आखिरी दिन 371 रन का मुश्किल टारगेट सेट किया, जिसे इंग्लिश टीम ने 5 विकेट पर हासिल कर लिया। गौतम गंभीर ने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा है, लेकिन जीत सबसे बड़ी चीज ऋषभ पंत के दो शतकों पर जब सवाल पूछा गया, तब गंभीर ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में तीन और शतक भी लगे हैं। वह भी बड़े पाजिटिव हैं, लेकिन सिर्फ शतक नहीं, जीत ज्यादा मायने रखती है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल (कप्तान के रूप में पहला टेस्ट), केएल राहुल और पंत इन पांच बल्लेबाजों के शतक पाजिटिव बात हैं। ारियों में शतक लगाया था। उन्होंने पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। बुम. राह 3 ही टेस्ट खेलेंगे जसप्रीत बुमराह के सवाल पर गौतम गंभीर ने साफ किया है कि तेज गेंदबाज बुमराह का पांच विकेट लेना शानदार था। हम अपनी योजना नहीं बदलेंगे। बुमराह के वर्कलोड को संभालना जरूरी है, क्योंकि आगे और भी क्रिकेट है। गंभीर ने युवा गेंदबाजों पर भरोसा जताते हुए कहा, हमने जो टीम चुनी है, वो विश्वास के साथ चुनी है, न कि उम्मीद के भरोसे। हम मानते हैं कि ये गेंदबाज बेहतर करेंगे।

अनाहत-चिनप्पा की जोड़ी स्क्वैश के सेमीफाइनल में

● अनाहत और चिनप्पा की जोड़ी ने फिलीपींस की जोड़ी को 2-0 (11-6, 11-3) से हराया

मलेशिया, वार्ता। अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई स्क्वैश युगल चैंपियनशिप 2025 के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। यहां एरिना एमास में खेले गए मुकाबले में अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस की जेमिका एरिबाडो और यवोन एलिसा डालिडा की जोड़ी को मात्र 12 मिनट में 2-0 (11-6, 11-3) से हराया। भारत की अन्य महिला युगल जोड़ी, पूजा अर्थी रघु और रथिका सीलन ने अपने पूल बी मैच में सिंगापुर की विक्की यू लयग लाई और ग्रेसिया चुआ रुई एन को 2-0 (11-8, 11-9) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

हालांकि, वे अपना क्वार्टर फाइनल मैच मलेशिया की आइना अमानी और यी शिन लयग से 2-0 (11-7,11-8) से हार गई और वे अब प्लेसमेंट राउंड में पांचवें से आठवें स्थान को लेकर स्पर्धा करेगी। पुरुष युगल वर्ग में गत चैंपियन अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में कोरिया गणराज्य के लमवु ली और जूयंग ना के खिलाफ 2-1 (10-11, 11-3, 11-5) से जीत दर्ज की। दूसरी ओर, रवि दीक्षित और गुहान सेंथिलकुमार की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग चीन के चेउक नाम लाई और वैलोक टो के खिलाफ 2-0 (11-6, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, भारत की दोनों मिश्रित युगल स्क्वैश टीमों को राउंड ऑफ 12 में बाई मिली और वे क्वार्टर फाइनल में पहुँच गईं, जो बुधवार को होगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता और शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह और अभय सिंह मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के जेमिका एरिबाडो और डेविड विलियम पेलिनो से भिड़ेंगे। जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार का मिश्रित युगल के अंतिम आठ में मलेशिया की एशियाई खेलों की पदक विजेता आइरा अजमान और जोआचिम चुआ से मुकाबला होगा।

भगवानपुर व बुग्गावाला में चोरों के हौसले बुलंद

❖ पुलिस बेखबर, एक सप्ताह में आधा दर्जन से अधिक घरों से उड़ाए जेवरात लोगों में दहशत

राव तौसीफ अली

भगवानपुर। भगवानपुर व बुग्गावाला थाना क्षेत्र में सोमवार की रात चोरों ने पुलिस व्यवस्था की पोल खोल दी। एक ही रात में चार घरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देकर चोर फरार हो गए, जबकि पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। क्षेत्र के लोग भय और गुस्से से भर चुके हैं, और पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि एक सप्ताह में दोनों थाना क्षेत्र में करीब आधा दर्जन चोरी की घटनाओं को बेवकूफ होकर चोर अंजाम दे चुके हैं। जानकारी के अनुसार भगवानपुर व बुग्गावाला थाना क्षेत्र में सोमवार की रात चोरों ने पुलिस व्यवस्था की पोल खोल दी। घटनाएं सबसे पहले भगवानपुर के डाडा पट्टी गांव से पिछले सप्ताह शुरू हुई जिसमें बालेश्वर सैनी के घर उसकी पत्नी और लड़की को चोरों ने अपना शिकार बनाया जिसमें वह घायल भी हो गई इसके बाद अगले ही दिन डाडा जलालपुर में चोरों ने अपने कृत्य को अंजाम दिया इसके बाद बुग्गावाला थाना क्षेत्र अंतर्गत गाँजा मजरा गांव में देर रात लगभग 11 बजे स्वर्गीय प्रदीप के घर घुसे और उनकी पत्नी ललतेश के कानों से झुमकी छीनकर फरार हो गए। इसके बाद पास ही रहने वाले बाबूराम के घर पहुंचे चोरों ने उनकी पत्नी के झुमके भी निकाल लिए। जब बाबूराम ने विरोध किया तो बदमाशों ने उनके साथ मारपीट कर दी, जिससे बाबूराम के सिर में गंभीर चोट आई है। इसी रात हसनावाला गांव में भी चोरों ने गुफरान और खालिक के घरों में धावा बोला और उनकी पत्नियों से जेवरात छीन लिए। चोरों के भीतर पुलिस का कोई डर नहीं दिखा और उन्होंने बिना किसी हड़बड़ी के वारदातों को अंजाम दिया। यह कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले 14 जून को इन्हीं गांवों में शुभम, करण आदि के खेत से ट्यूबवेल की मोटर का तांबा और केबल चोरी हो चुकी है, वहीं 7 जून को तेलपुरा निवासी कृष्ण दत्त और यशपाल की ट्यूबवेल मोटरें भी चोरी हो गई थीं। लेकिन अब तक किसी भी चोरी का सुराग तक नहीं लग पाया है। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। ग्रामीणों के मुताबिक पुलिस द्वारा शिकायत पत्र लेकर रख लिया जाता है उसका मुकदमा दर्ज नहीं होता। जिससे चोरों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर पिछले एक सप्ताह में आधा दर्जन से अधिक भगवानपुर और बुग्गावाला रहना क्षेत्र में चोरों ने आतंक मचा रखा है। जिसका रिकॉर्ड में अभी तक इक्का दुक्का ही मुकदमा लिखा गया है इसलिए भी चोर बेखौफ हैं, और आम नागरिक रात भर जाग कर अपने घरों की रखवाली करने को मजबूर हैं। पीड़ित कृष्णदत्त ने बताया कि क्षेत्र में गश्त नाम मात्र की हो रही है। हर घटना के बाद पुलिस औपचारिकता निभाकर लौट जाती है। लेकिन अपराधियों को पकड़ने के लिए न कोई दबिश दी जा रही है और न ही खोजबीन। चोरी की घटनाओं ने पुलिस की नाकामी को उजागर कर दिया है। यदि समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो जनाक्रोश और अधिक बढ़ सकता है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का खतरा है। वहीं इन मामलो को लेकर एसपी देहात शेखर सुयाल ने बताया कि एस एस आई भगवानपुर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है जिसमें टीम वर्क कर रही और जल्दी ही इसका खुलासा किया जाएगा तथा चोरों को जल्द ही सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया जाएगा।

भगवानपुर थाना क्षेत्र में खनन माफियाओं के हौसले बुलंद

चोकी से महज 100 मीटर की दूरी पर अवैध खनन का खेल

❖ आखिर किसकी शह पर खनन माफिया लगा रहे चूना

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाने क्षेत्र के अंतर्गत मंडावर पुलिस चौकी के समीप अवैध खनन का कारोबार जोर-शोर से चल रहा है। खनन माफिया बिना किसी रोक-टोक के सोलानी नदी का सीना चीर कर अवैध खनन कर रहे हैं। जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। रात के अंधेरे में जेसीबी मशीनों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए बड़े पैमाने पर हो रहे इस खनन से न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है। अवैध खनन से नदी का कटाव रेत की हानि स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पुलिस की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा अवैध कारोबार संभव नहीं है। प्रशासन की चुप्पी और कार्रवाई की कमी से खनन माफिया बेखौफ हैं जिससे पर्यावरणीय विनाश का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कमाल की बात तो ये है कि तीन तीन चौकी आर टी ओ, सिविल पुलिस तथा वन विभाग के सामने से पूरी रात अवैध खनन से भरे ट्रैक्टर ट्राली गुजरती है लेकिन किसी भी विभाग के अधिकारी या कर्मचारी की नजर इन पर नहीं पड़ती। कहने को तीनों चौकियों पर निगरानी के लिए सरकार ने कैमरे भी लगवाए हुए हैं लेकिन पता नहीं उनमें ये अवैध खनन कर रहे वाहन जो कि आर टी ओ चेक पोस्ट तक रॉंग साइड चलते हुए क्यों नजर नहीं आते। जिस प्रकार से खनन से भरे ये वाहन रॉंग साइड चलते हैं इससे कभी भी कोई बड़ा हादसा या दुर्घटना हो सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या कोई जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई कदम उठाता है या फिर अवैध खनन का ये खेल यूं ही चलता रहेगा। हालांकि इस मामले में नायब तहसील दार भगवानपुर अनिल गुप्ता से इस बारे में बात हुई उन्होंने जगह चिन्हित कर जल्द कार्रवाई करने की बात कही है।

भगवानपुर पुलिस ने 17 ग्राम अवैध स्मैक सहित दो नशा तस्कर दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना पुलिस पुलिस का नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। थाना पुलिस ने अलग-अलग जगह से क्रमश 6.25 ग्राम व 10.68 ग्राम अवैध स्मैक के साथ 02 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जानकारी के अनुसार मिशन ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान 2025 को सफल बनाने की और एक और कदम के तहत हरिद्वार जनपद को नशा मुक्त करने व नशा (अवैध शराब/स्मैक/ चरस/ गांजा आदि) तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम में भगवानपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत दौराने चौकिंग दिनाँक 24/06/2025 को अभियुक्त जसवीर सिह पुण्डीर पुत्र अनिल कुमार निवासी ग्राम शकरपुर थाना व पोस्ट पुरकाजी मुज्फरनगर (उ0 प्र0) से 6.25 ग्राम अवैध स्मैक व अभि0 (2)गुरमीत सिह पुत्र राज सिह निवासी ग्राम नुरनगर थाना व पोस्ट पुरकाजी मुज्फरनगर (उ0 प्र0) को 10.68 ग्राम अवैध स्मैक के साथ सिकरौड़ा रोड़ निकट हरिसिंह शक्ति फर्निचर के पास से गिरफ्तार किया गया। जिनके विरुद्ध थाना हाजा पर मु0अ0स0 211/2025, धारा 8/21 एनडीपीएस पंजीकृत किया गया। अभि0 गणो को आज ही माननीय न्यायलय के समक्ष पेश किया जा रहा है। नाम पता अभियुक्त 1. जसवीर सिह पुण्डीर पुत्र अनिल कुमार निवासी ग्राम शकरपुर थाना व पोस्ट पुरकाजी मुज्फरनगर (उ0 प्र0) 2-गुरमीत सिह पुत्र राज सिह निवासी ग्राम नुरनगर थाना व पोस्ट पुरकाजी मुज्फरनगर (उ0 प्र0)बरामदगी का विवरण 1-6.25 ग्राम अवैध स्मैक 2-10.68 ग्राम अवैध स्मैक की है। वहीं पुलिस टीम में उ0नि0 पुनीत दनौषी खवाना भगवानपुर,उ0नि0 मुकेशदत्त नौटियाल थाना भगवानपुर, अ0उ0नि0 प्रदीप चौहान, कानि0 राहुल थाना भगवानपुर कानि0 चन्द्रविकास-थाना भगवानपुर शामिल रहे।

चिकित्सक से मारपीट करने पर मुकदमा

रुड़की। सरकारी उप जिला चिकित्सालय रुड़की में डॉक्टर तथा स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार करने तथा चिकित्सालय में तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा' दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षकके मुताबिकदिनांक 25-06-25 को डॉक्टर मोहम्मद एजाज चिकित्साधिकारी जिला उप चिकित्सालय रुड़की के प्रार्थना पत्र बावत दिनांक 23-06-25 की रात्रि लगभग 9:00 बजे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मुकदमा वादी तथा स्टाफ के साथ ड्यूटी के दौरान मारपीट, गाली गलौज कर सरकारी कार्य में बाधा डालने के संबंध में कोतवाली गंगनहर पुलिस बीएनएस में पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं।

लक्सर गन्ना समिति में डायरेक्टर चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर गन्ना समिति में डायरेक्टर पद के लिए चुनाव प्रक्रिया आज से नामांकन दाखिल करने के साथ शुरू हो गई है। सभी इच्छुक उम्मीदवारों ने अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।जिला पंचायत सदस्य रवि पाल सैनी और पूर्व प्रधान चौधरी इकबाल सिंह व करण पाल सिंह ने बताया कि गन्ना समिति के चुनाव की प्रक्रिया जारी है, जिसमें डेलीगेट (प्रतिनिधि) के चुनाव पहले ही संपन्न हो चुके हैं। आज, डायरेक्टर पद के लिए सभी दावेदारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।उन्होंने बताया कि 4 जुलाई, 2025 को डायरेक्टर पद के लिए चुनाव संपन्न कराए जाएंगे और 5 जुलाई, 2025 को गन्ना समिति के चेयरमैन पद के लिए चुनाव प्रक्रिया संपन्न होगी।यह देखना दिलचस्प होगा कि गन्ना समिति के डायरेक्टर चुनाव में कौन-कौन निर्वाचित होते हैं और गन्ना समिति के चेयरमैन के पद पर किसकी किस्मत चमकती है। यह तो अभी भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है

प्रधान की शिकायत पर नायब तहसीलदार ने सरकारी जमीन से अवैध कब्जा तुड़वाया

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार ने ग्राम पंचायत की शिकायत पर सरकारी भूमि पर किए जा रहे पक्के निर्माण को पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में तुड़वाते हुए अवैध कब्जा धारी को सख्त हिदायत दी की भविष्य में अगर सरकारी जमीन पर कब्जा किया तो सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता ने बताया कि उप जिलाधिकारी महोदय श्री देवेंद्र सिंह नेगी जी भगवानपुर के आदेश के अनुपालन में ग्राम सिकंदरपुर भैंसवाल महादी चौराहा में सड़क हाईवे एवं गांव की ओर जा रही सड़क से मिलती हुई भूमि पर कुछ व्यक्तियों के द्वारा पुख्ता ईटों की न्यू भरी जा रही थी जिसमें ग्राम प्रधान राव नाजिम के द्वारा शिकायत की गई वर्तमान में गांव चकबंदी प्रक्रियाओं के अंतर्गत है मौके पर चकबंदी विभाग एवं राजस्व विभाग के द्वारा विवादित स्थल पर निर्माण कार्य बंद कर दिया गया है तथा कार्रवाई गतिमान है।

शांति व्यवस्था भंग करने में एक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस ने शांति व्यवस्था प्रभावित करने पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा शांति व्यवस्था बनाए रखने संदिग्ध व्यक्तियों व असामाजिक तत्वों पर सर्तक दृष्टि रखने के लिए निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबीर की सूचना पर 25 जून 2025 को लक्सर क्षेत्र के रामपुर राय घटी से कुलदीप पुत्र बाबूराम उम्र 29 वर्ष निवासी रामपुर रायघटी को गिरफ्तार किया है।

संबंध-विच्छेद सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र बाकिर व उसकी पत्नी सना का आचरण मेरे में मेरे परिवार के प्रति ठीक ना होने के कारण उपरोक्त दोनों को मैं अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद बाकिर व सना किसी भी अनैतिक कृत्य व लेनदेन की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

गय्यूर आलम पुत्र बुंद नि. मौहल्ला माहीग्रान रुड़की, हरिद्वार।

लक्सर पुलिस के चेकिंग अभियांन से मची खलबली

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया है अवैध रूप से वाहन चलाने वालों में खलबली मच गई है राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया उच्च अधिकारियों के आदेश अनुसार लगातार चेकिंग अभियान चला जा रहा है जिनमें नोटिफाइड साइलेंसर बगैर हेलमेट बगैर ड्राइवर लाइसेंस बिना कागजो के नाबालिक बच्चों से गाड़ी चलाने चलवाने वालों के खिलाफ चेकिंग की जा रही है उन्होंने बताया कुछ लोग अवैध नशा करके गाड़ी चलाते हैं उनके खिलाफ भी चेकिंग की जा रही है उन्होंने यह भी कहा की ईस तरह के सभी व्यक्तियों के खिलाफ चेकिंग की जा रही है उन्होंने आमजन से अपील की है की सरकार के द्वारा बनाए गए नियम का पालन करें और अपने आप को सुरक्षित रखें आज के आईएस चेकिंग अभियां में उप निरीक्षक कर्मवीर सिंह उप निरीक्षक रंजीत नौटियाल कॉस्टेबल आदि मौजूद रहे।

ममता की मिठास भरी सफलताः ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार श्रीमती आकांक्षा कोण्डे के मार्गदर्शन में, जनपद हरिद्वार में ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के अंतर्गत अल्ट्रा पूवर सपोर्ट, फार्म एवं नॉन-फार्म एंटरप्राइजेज और सीबीओ स्तर के उद्यमों की स्थापना की जा रही है। इसी क्रम में भगवानपुर विकासखंड के तेज्जुपुर गांव की ममता ने एक सफल महिला उद्यमी के रूप में अपनी एक नई पहचान बनाई है। ममता, गणपति स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं और पहले छोटे स्तर पर चाय, समोसे एवं मिठाई बेचकर प्रतिमाह ҕ6,000ख्र ҕ7,000 की आय अर्जित करती थीं। मिठाइयों के शीघ्र खराब हो जाने के कारण उनका व्यवसाय सीमित था, लेकिन वे इसे बड़े स्तर पर बढ़ाने की इच्छुक थीं। ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2024ख्र25 में एकल उद्यम गतिविधि के तहत ममता को उद्यम विस्तार हेतु प्रेरित किया और ҕ75,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके अतिरिक्त ҕ1,50,000 का बैंक ऋण और ममता द्वारा स्वयं का ҕ75,000 का योगदान मिलाकर कुल ҕ3,00,000 की लागत से उन्होंने अपनी मिठाई की दुकान का विस्तार किया। आज ममता ष्काका मिष्ठान एवं चाट भंडारष् के नाम से अपना व्यवसाय सफलतापूर्वक चला रही हैं। अब वह प्रतिमाह ҕ15,000ख्र ҕ20,000 की शुद्ध बचत कर रही हैं। ममता का यह समूह विश्वास ग्राम संगठन और उज्जवलमय बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता से जुड़ा हुआ है। ममता की यह कहानी न केवल ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के ग्रामीण महिला उद्यमिता विकास के लक्ष्य को दर्शाती है, बल्कि यह हरिद्वार की अन्य महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत भी बन गई है। अगर संकल्प हो, तो सीमित साधनों से भी सफलता की मिठास पाई जा सकती है-ममता

सर्जन के बाद अब निश्चेतक ने किया ज्वाइन

रुड़की। सिविल अस्पताल रुड़की में मंगलवार को एक निश्चेतक चिकित्सक ने भी ज्वाइन कर लिया है। जबकि एक दिन पहले सर्जन की तैनाती हुई थी। सिविल अस्पताल में चिकित्सकों की कमी अब धीरे-धीरे दूर हो रही है। सोमवार को सर्जन डॉ. प्रनम प्रताप सिंह ने ज्वाइन कर लिया था। मंगलवार को निश्चेतक डॉ. एबी पाराशर ज्वाइन कर लिया है। जल्द ही पांच और चिकित्सक भी अस्पताल में ज्वाइन करने वाले है। जिसमें ईएनटी, फिजिशयन, निश्चेतक व तीन चिकित्सा अधिकारी है। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके मिश्रा ने बताया कि अस्पताल में मंगलवार को निश्चेतक डॉ. एबी पाराशर ने ज्वाइन कर लिया है। जल्द ही अन्य चिकित्सक भी ज्वाइन कर लेंगे।

लंढौरा में कई दिनों से हो रही दूषित जलापूर्ति बीमारी फैलने का खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। जल संस्थान द्वारा लंढौरा में कई दिनों से दूषित पेयजल की सप्लाई की जा रही है। घरों में पहुंच रहे पानी में बदबूदार पानी भी मिलकर आ रहा है। जिस कारण पर्याप्त स्वच्छ पेयजल लोगों को नहीं मिल पा रहा है। दूषित जल आपूर्ति से कस्बे में संक्रामक बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है। जानकारी के अनुसार जल संस्थान द्वारा लंढौरा में कई दिनों से दूषित पेयजल की सप्लाई की जा रही है। लंढौरा में कभी पानी की किल्लत तो कभी दूषित जलापूर्ति ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। आलम यह है कि जब भी पानी की सप्लाई आती है तो शुरुआती 20 से 25 मिनट तक तो गंदा पानी ही सप्लाई होता है। इस पानी को नालियों में बहाने के अलावा अन्य किसी कार्यों में भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। लाइन लीकेज, वॉल से रिसाव या फिर लोगों के कनेक्शन लीकेज के चलते दूषित पानी सप्लाई हो रहा है या फिर अन्य कोई वजह है इसको लेकर कुछ भी स्पष्ट पता नहीं चल पा रहा है। कस्बे के नसीम, राहुल, अफजल, कुलदीप, तौसिफ मलिक, अकबर, संदीप जाटव, शोशपाल कश्यप, तहसीन, इस्लाम आदि लोगों का कहना है कि जल संस्थान द्वारा घरों के लिए जो पेयजल सप्लाई दी जा रही है। उसमें बरसाती व दूषित पानी मिला हुआ आ रहा है। ऐसे में बदबूदार ये पानी किसी भी तरह से पीने लायक नहीं है। लोगों का कहना है कि दूषित जल आपूर्ति से कस्बे में संक्रमित रोग फैलने का भय बना हुआ है। दूषित जलापूर्ति को लेकर अवर अभियंता दीपक भट्ट का कहना है कि नलकूप संख्या 3 की जाली फटने के कारण यह मिट्टी उठा रहा है। जिस कारण पानी रेत आने की शिकायत हो सकती है। पाइप लाइन व कनैक्शन लीकेज होने पर गंदा पानी आ सकता है। कस्बे की पाइप लाइनों व कनैक्शनों को चेक कर ठीक कराया जाएगा।

लाखों की चोरी का खुलासा : दो शातिर चोर गिरफ्तार

लाखों की जेवरात व नकदी बरामद, दो फरार आरोपियों की तलाश जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। गंगनहर कोतवाली पुलिस ने एक महिला के घर से हुई लाखों की ज्वेलरी और नकदी चोरी की गुत्थी को सुलझाते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से चोरी किया गया जेवरात और नकदी भी बरामद की गई है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी गई है। घटना में शामिल दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इस मामले का खुलासा एसपी देहात शेखर सुयाल ने गंगनहर कोतवाली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया। एसपी देहतन शेखर सुयाल ने बताया बीते 10 जून को प्रीत विहार रुड़की निवासी एक महिला ने कोतवाली गंगनहर में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर ज्वेलरी और नकदी चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और एसपी देहात शेखर सुयाल के दिशा-निर्देशन में गंगनहर प्रभारी निरीक्षक आर.के. सकलानी के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और ब्ब्ज्ट फुटेज के गहन विश्लेषण के साथ ही पूर्व अपराधियों से पूछताछ करते हुए संदिग्धों की पहचान की। जिसके फलस्वरूप पुलिस टीम को सूचना मिली कि वारदात में शामिल कुछ आरोपी एक और वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर दो आरोपी अंकुश पुत्र जोगेंद्र निवासी ग्राम निठोरी, थाना डासना मसरू, गाजियाबाद, काले पुत्र अमरप्रकाश निवासी असलोरी, थाना भोजपुर, गाजियाबाद को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से की गई पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल किया और उनके कब्जे से चोरी का माल भी बरामद किया गया। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। वांछित अभियुक्त....अमित पुत्र मीतू, निवासी हैदर नगर, थाना सराय, जनपद हापुड़2:- नरेंद्र पुत्र रामफूल, निवासी ग्राम निडोरी, थाना डासना मसरू, जनपद गाजियाबाद बरामद माल का विवरण...गले की चेन (पीली धातु 2 नग) 2:- कान की बाली (पीली धातु 2 नग)3:- कान के टॉप्स (पीली धातु 2 नग)4:-अंगूठिया (पीली धातु 2 नग)5:- कान के झुमके (पीली धातु 2 नग) 6:-नकदी 33,500/-(कुल अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये) इस सफल खुलासे में जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही, उनकी सूची....1:- आर.के. सकलानी प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली गंगनहर 2:-अजय शाह ख्व0उ0नि0, कोतवाली गंगनहर 3:- रंजीत उनियाल ख्र उप निरीक्षक 4:-नवीन कुमार उप निरीक्षक 5:- प्रवीण बिष्ट उप निरीक्षक 6:-मनीष कवी अपर उपनिरीक्षक 7:- इसरार हेड कांस्टेबल 8:- प्रमाकर, नितिन, संदीप कांस्टेबल 9:-लाल सिंह ख्र कांस्टेबल चालक 10:-महिला कांस्टेबल (सीआईयू रुड़की) 11:- राहुल (सीआईयू रुड़की) कांस्टेबल आदि शामिल रहे।

शाह टाइम्स
सम्पादकीय
गुरुवार, 26 जून 2025

परमाणु कार्यक्रम पर बहस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व कतर के नेताओं के प्रयासों से ईरान व इजरायल के बीच संघर्ष विराम तो हो गया, लेकिन खुद अमेरिका में ही एक नई बहस छिड़ गई कि सीजफायर से एक दिन पूर्व अमेरिका ने जो ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर हमला किया था, वह कितना कारगर था, जहां तक बात अमेरिकी राष्ट्रपति की है, उन्होंने इन हमलों को पूरी तरह सफल बताया और बुधवार इन हमलों की तुलना 1945 में जापान के हिरोशिमा में अमेरिका के परमाणु हमलों से कर डाली। ट्रम्प इस समय नीदरलैंड के हेग में हैं, जहां वह नाटो देशों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे हुए हैं।

वहीं से उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वह हिरोशिमा और नागासाकी का उदाहरण नहीं देना चाहते, लेकिन यह मूलरूप से वही सीज थी, जिसने ईरान-इजरायल के बीच जंग खत्म की। उनका कहना था कि अगर हमने उन्हें नहीं हटाया होता तो वह लड़ रहे होते। मतलब साफ है कि अमेरिका के हमले इतने सफल थे जिस कारण सीजफायर हो पाया। तो वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी सरकार के ही खुफिया विभाग डिफेंस इंटेजिलेंस एजेंसी (डीआईए) ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया है और यह पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ कुछ महीने के लिए पीछे हो गया है।

डीआईए की यह रिपोर्ट अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के माध्यम से सामने आई है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति इन रिपोर्टों पर भड़के हुए हैं, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि सीएनएन असफल हो रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ मिलकर इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियान को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि सीएनएन व न्यूयॉर्क टाइम्स को जनता ने लताड़ लगाई है। व्हाइट हाउस ने भी मीडिया रिपोर्ट को खारिज किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने खारिज करते हुए कहा है कि रिपोर्ट लीक होना राष्ट्रपति ट्रम्प को बदनाम करने की साजिश है। साथ ही उन बहादुर फाइटर का क्रेडिट लेने की कोशिश है जिसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट किया।

उन्होंने खुद ही सवाल किया कि कोई भी समझ सकता है कि जब 30 हजार पॉन्ड के 14 बम कहीं गिरते हैं, तो वहां क्या होता है। मतलब साफ है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर खुद अमेरिका में ही बहस चल रही है। जबकि ईरान ने अपनी तरफ से साफ कर दिया है कि उसके कार्यक्रम को कोई खास नुकसान नहीं हुआ है और वह अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे नहीं हटेगा। जबकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अभी भी यह कहते नहीं थक रहे कि अगर ईरान ने परमाणु कार्यक्रम को जारी रखा तो वह उस पर हमला करने में जरा भी देर नहीं लगाएंगे। जाहिर है, यह सारा झगड़ा ही ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। इससे साफ हो जाता है कि भले ही सीजफायर हो गया हो, लेकिन भविष्य में कोई संघर्ष नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। यूं भी दोनों तरफ से धमकियों का दौर अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि समय रहते विश्व के बड़े देश ऐसा रास्ता तलाशें, जिससे शांति स्थापित होने में मदद मिले।

अब अन्नदाता किसान खुशहाल है, आत्महत्या नहीं करता

पिछली सरकारों की अकर्मण्यता के कारण कृषि के क्षेत्र में जो विकास हो सकता था वो नहीं हो पाया, इससे हमारे किसान लाभ से वंचित रह गए। योजनाएं आपस में धन के बंदरबांट के लिए बनती थीं और हमारे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पाता था, 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के आने के बाद देश में समग्र विकास की जो अवधारणा विकसित हुई है, उससे देश का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है, समग्र विकास के परिणाम स्वरूप अब किसानों के जीवन में परिवर्तन आ रहा है, अब अन्नदाता किसान खुशहाल है, आत्महत्या नहीं करता है।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र

अगर इमरजेंसी नहीं लगी होती तो...

2014 से अब तक कुछ हुआ हो या न हुआ हो लेकिन एक बात तो हुई है कि संघ और उसके अनुवांशिक संगठनों द्वारा गांधी, नेहरू, पटेल, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह से लेकर गणेश को दूध और नदी नहाकर मोक्ष की प्राप्तियों के जो भी कट-पेस्ट विचार विगत 78 सालों में पूरी एक पीढ़ी के भीतर ठूंसे गए थे, वो सब पोपले साबित हुए। तथ्यात्मक बात करना और भविष्य निर्माण पर बात करना, कभी संघ को नहीं भायाी

शायद ही आपने कभी सुना हो कि संघ और उसके संगठनों ने बेहतरीन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, ज्ञान, विज्ञान और प्रगतिशीलता से लेकर पर्यावरण के गंभीर हो चले विषयों पर कोई जनांदोलन खड़ा किया हो? इनसे धर्म और पता नहीं कौन सी संस्कृति से आगे कभी बात नहीं हुई। कुछ लोगों का भविष्य ही हर साल बे-सिर-पैर के मुद्दे उखाड़कर पीढ़ियों को बरगलाना, सामाजिक समरसता को समाप्त करना और धार्मिक उन्माद को पैदा करते हुए लोगों को पाखंड के काला सागर में फेंकते रहना यही उद्देश्य रहा है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जिस देश में साइंस, टेक्नोलॉजी, शानदार सरकारी लैबोरेटरीज, रिसर्च सेंटरों और चीन द्वारा तबाह कर दिए गए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टरों को बचाने की बात होनी चाहिए थी, वह अतीत दिवस मनाते हैं। इनसे वर्तमान और भविष्य पर सवाल करके देखिए तो जरा आपको सीधे 1947 तक खींच ले जाएंगे। इनका झूठ हर पल मजबूत और इतना भयावह है कि यह आपसे एक वृक्ष मां के नाम पर लगाने को कहेंगे और दूसरी ओर हजारों हेक्टेयर जंगल साफ करवा देंगे। यह इतने खतरनाक हैं कि यह आपको राम के पदचिन्हों पर डाक्यूमेंट्री दिखाएंगे और दंडकारण्य क्षेत्र के ही जंगल निपटा देंगे।

आज यह फिर एक मरी हुई लाश यानी 1975 की इमरजेंसी निकाल कर लाए हैं। हर साल लाते हैं और आगे भी लाएंगे। कांग्रेसियों का लंबे समय तक सत्ता शासन रहा, लेकिन वो कभी आम जनता के बीच अपने विरोध के खिलाफ तथ्यों को लेकर सामने नहीं आए। वह यह बता ही नहीं पाए कि देश में यदि 25 जून, 1975 को इमरजेंसी न लगती तो CIA एक समूचे राष्ट्र को ही निपटाने की तैयारी कर चुका था। बात शुरू करते हैं पूज्य होमी जहांगीर भाभा से। यह महान आत्मा चाहती थी कि भारत 1980 तक एक स्वतंत्र परमाणु शक्ति बन कर उभरे। दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि दिनांक 24 जनवरी, 1966 को एक विमान दुर्घटना हुई और तमाम रहस्यों में उलझी हुई उनकी मृत्यु हो गई। यह ऐसी विमान दुर्घटना थी जिसका न तो मलबा मिला, न कोई शव मिला, न विमान का ब्लैक बॉक्स मिला। इसके बाद पता चला कि इस दुर्घटना में अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA का हाथ था। वही अमेरिका जिसके लिए तथाकथित राष्ट्रवादी लोग अपना अंगौछा बिछाए रहते हैं। इस हाथ के होने की पुष्टि भी हो गई जब CIA के एक पूर्व अधिकारी रॉबर्ट क्रॉली ने स्वीकार किया कि हमें भाभा को रोकना ही पड़ा, क्योंकि वो परमाणु बम बनाने के बहुत करीब थे। अमेरिका भारत की औद्योगिक, स्पेस साइंस, चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति का कभी भी पोषक नहीं रहा। आज भी इससे खतरनाक और धूर्त देश दुनिया में दूसरा नहीं है। सीआईए की इस हरकत से भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम बुरी तरह से प्रभावित हो गया, लेकिन तत्कालीन सत्ता नेतृत्व नहीं टूटा और न उसकी हिम्मत टूटी। विक्रम साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और उन्होंने भाभा के अधूरे कार्यों को पूरा किया। पूज्य भाभा जी के निधन के बाद, परमाणु

पवन सिंह

परीक्षणों में कुछ देरी हुई, लेकिन 1974 में पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया गया, जो भाभा के दृष्टिकोण का परिणाम था। आगे बढ़ते हैं, होमी जहांगीर भाभा जी की हत्या के बाद CIA अपने मानस पुत्रों के जरिए भारत में सत्ता परिवर्तन की योजना में लगा। वर्ष, 1970 के दशक में CIA ने भारत में अपने मानस पुत्रों की जबरदस्त मदद की ताकि भारत को युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि विचारों के मैदान में निपटा दिया जाए। यहीं से, CIA का Soft Regime Change मॉडल सामने आया। तमाम अमेरिकी फाउंडेशनों के जरिए और अमेरिकी गुट के देशों की यूनिवर्सिटीज के जरिए भारत के तथाकथित पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और छात्रों पर जबरदस्त वैचारिक नियंत्रण का अभियान शुरू हुआ और अंततः यह एक बहुत बड़े छात्र आंदोलनों के रूप में दिखा और फिर इसे एक जनक्रांति का रूप दे दिया गया। इसके बाद न्यायपालिका के जरिए खेल शुरू हुए और कुछ फैसले ऐसे कराए गए जिससे देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो। इसी बीच जेपी आंदोलन शुरू हुआ और वह वैचारिकता से आगे हिंसक होता चला गया। रेलें रोकी जाने लगीं, सरकारी संपत्तियां जलाई जाने लगीं, सरकारी अफसरों को घेरा जाने लगा। खतरा तब और बढ़ा जब जेपी साहेब ने सार्वजनिक रूप से सेना और पुलिस से आह्वान किया कि वे सरकार के आदेश को अस्वीकार कर

> **दुर्घटना में अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA का हाथ था। इस हाथ के होने की पुष्टि भी हो गई जब CIA के एक पूर्व अधिकारी रॉबर्ट क्रॉली ने स्वीकार किया कि हमें भाभा को रोकना ही पड़ा, क्योंकि वो परमाणु बम बनाने के बहुत करीब थे।**

आंदोलन से जुड़ें। CIA का रचा खेल अब अंतिम रंग बिखेरने वाला था। इंदिरा गांधी की नजर इस पूरे मामले पर थी। कहते हैं कि सोवियत रूस ने भी इंदिरा गांधी जी को कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत करा दिया था और कहा था कि अब समय नहीं है। अगर आपने कोई बड़ा कदम नहीं उठाया तो पूरा देश अराजकता की भेंट चढ़ जाएगा। अंततः 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने संविधान के अनुच्छेद 352 का प्रयोग किया और आंतरिक संकट के मद्देनजर आपातकाल लागू कर दिया। CIA की पूरी की पूरी योजना एक झटके में निपट गई। मैं इंदिरा गांधी को तब तानाशाह मानता जब वह दोबारा विधिवत लोकसभा का चुनाव न करातीं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। तानाशाह मतदान नहीं कराता है। CIA का गेम बजाने के बाद इंदिरा गांधी ने 1977 में आपातकाल हटाया और निष्पक्ष चुनाव कराकर खुद चुनाव हार भी गईं लेकिन इसी देश की जनता ने पांच साल उन्हें दोबारा चुना। CIA ने होमी जहांगीर भाभा की कथित हत्या के बाद जिस भारतीय मीडिया, अदालतों और छात्र आंदोलनों के मोर्चे खोले थे वे सब ध्वस्त हो गए। भारत अमेरिकी गंध का शिकार होने से बच गया। इंदिरा गांधी ने असली वाला आपरेशन सिंदूर किया और सीआईए को मात दी। वह नहीं झुकीं और न राष्ट्र को झुकने दिया। इंदिरा गांधी तक भी नहीं झुकीं जब भारत को सख्त नापसंद करने वाला व भारतीयों से लगभग घृणा करने वाला अमेरिका पाकिस्तान की ओर से भारत के खिलाफ लड़ने को तैयार हो गया था।

वैसे मानस पुत्रों का इतिहास रहा है यह मुगलों की बात तो करते हैं लेकिन गोरी चमड़ी वालों का कभी विरोध नहीं करते। अंग्रेजों ने भारत पर लगभग 200 वर्षों तक शासन किया। 1757 में प्लासी की लड़ाई के बाद, अंग्रेजों ने भारत में अपना प्रभुत्व स्थापित करना शुरू कर दिया और 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने तक, ब्रिटिश क्राउन का शासन रहा। इस बीच हमारे पूर्वजों के साथ कैसी भयावह नृशंसता हुई। कैसे अंग्रेजी हुकूमत ने आम जनता तक के घरों से जेवर लूटे और विक्टोरिया के खजाने भरे। उस पर यह हमेशा खामोश रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

युवा सोच पर नशे का ग्रहण, चिंता का सबब

> **एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है।**

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है।

ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिए लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं।

कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ए तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं।

मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंता. जनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है। युवा जिस कदर मादक पदार्थों के शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके।

-योगेश कुमार गोयल

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देश की एकता व अखंडता के लिए खतरनाक है भाषाई विवाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है, जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं।

उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक हैं। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेजी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन

गडकरी अंग्रेजी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चांद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ। पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आएगी अंग्रेजी बोलने वालों को? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइए, यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिका. रियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमे. रिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिए नहीं गई हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं, परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में खासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेजी भाषा को श्शर्म श् वाली भाषा तो हरगिज नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेजी नाम तो न रखते? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेजी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है। डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेजी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमजोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी वैश्विक अर्थव्यवस्था

निर्मल रानी

में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेजी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ-साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नजरअंदाज करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेजी बोलने वालों को हमेशा इज्जत की नजर से देखा जाता है, इसलिए भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा, उपयोग की वस्तुएं, क्रॉकरी, मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीजों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे? इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खामोशी के बाद फिर बोले डोनाल्ड ट्रम्प

फिर शुरू हुआ परमाणु प्रोग्राम तो ईरान की खैर नहीं

22 जून को अमेरिकी हमले के बाद इजरायली एजेंट्स ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट गए थे: ट्रम्प

तेहरान/तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड के हेग में नाटो समिट में मीडिया से बात की। इसमें उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू किया तो फिर हमला करेंगे।

ट्रम्प ने कहा कि 22 जून को अमेरिकी हमले के बाद इजरायली एजेंट्स ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट गए थे। उन्होंने ही बताया कि फोर्डो न्यूक्लियर साइट पूरी तरह तबाह हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर मीडिया रिपोर्ट्स को फर्जी करार दिया। उन्होंने लिखा कि सीएनएन और न्यूयार्क टाइम्स ने इतिहास के सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक को बदनाम करने की कोशिश की है। इजरायल-ईरान के बीच जंग के 12वें दिन, यानी मंगलवार को सीजफायर हो गया। दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की है और साथ ही इस जंग में अपनी जीत का दावा किया। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजरायल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा-हम शेर की तरह उठे और हमारी दहाड़ ने तेहरान को हिला दिया। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा-शहमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं। विक्ट्री सेलिब्रेशन में कई महिलाओं ने ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई का पोस्टर लहराकर अपना समर्थन जाहिर किया। ट्रम्प ने ईरान पर किए गए ताजा हमलों की तुलना 1945 में जापान के हिरोशिमा में अमेरिका के परमाणु हमले से की है। ट्रम्प ने नाटो सम्मेलन में मीडिया से कहा कि मैं हिरोशिमा और नागासाकी का उदाहरण नहीं देना चाहता, लेकिन यह मूल रूप से वही चीज थी, जिसने ईरान और इजरायल के बीच जंग खत्म की। इसने युद्ध के साथ ही उसे (परमाणु हथियार) खत्म कर दिया।

ईरानी परमाणु स्थलों पर कार्रवाई से पहले ट्रम्प ने यूरापीय देशों को नहीं किया आगाह

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमले का फैसला यूरोपीय नेताओं को बिना बताये लिया था। एक यूरोपीय अधिकारी के अनुसार ट्रम्प ने 22 जून को ईरान के परमाणु ठिकानों पर बी-2 फाइटर जेट से हमला करने के निर्देश देने से पहले यूरोपीय सहयोगियों को सतर्क नहीं किया था। हालांकि, कनाडा में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में ट्रम्प ने ऐसे हमले की मंशा ज़ाहिर की थी। वहीं, स्काई न्यूज ने डाउनिंग स्ट्रीट के सूत्रों के हवाले से बताया कि ब्रिटेन सरकार को इस हमले की पहले से जानकारी दी गई थी। इजरायल ने ईरान पर गुप्त सैन्य परमाणु कार्यक्रम का आरोप लगाया और 13 जून को बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया, जिससे मध्य पूर्व में हालात बिगड़ गए।

पाकिस्तान व ईरान से 1685 अफगान परिवार लौटे स्वदेश

काबुल। अफगानिस्तान के 1685 परिवारों के 7474 सदस्य मंगलवार को ईरान और पाकिस्तान से स्वदेश लौट आए। अफ़गानिस्तान के उच्चायोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। उच्चायोग ने कहा कि शरणार्थी पूर्वी नंगरहार प्रांत में तोरखम, दक्षिणी कंधार प्रांत में स्पिन बोल्डक, पश्चिमी हेरात प्रांत में इस्लाम कला और पश्चिमी निम. रोज़ प्रांत में पुल- ए-अब्रेसहम सीमा से घर लौटे हैं। उन्होंने कहा कि उच्चायोग लौटने वाले लोगों के लिए उनके संबंधित प्रांतों में अस्थाई आश्रय, पोषण, पानी, चिकित्सा देखभाल और परिवहन सेवाएं प्रदान करता है। लगभग 70 लाख अफ़गान शरणार्थी जिनमें से अधिकांश अनिर्दिष्ट प्रवासी हैं।

झमाझम बारिश...

छत्तीसगढ़। बस्तर जिले के जगदलपुर में साइकिल चालक खुद को बारिश से बचाते हुए।

अभिनंदन को पकड़ने वाला पाकिस्तानी अफसर मारा गया

2019 में पाकिस्तानी में गिरा था विंग कमांडर का विमान, 58 घंटे बाद रिहा हुई थी

इस्लामाबाद। भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने वाला पाकिस्तानी कमांडर मोइज अब्बास मंगलवार को एक हमले में मारा गया।

दक्षिणी वजीरिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तानी आर्मी पर हमला किया, इसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक मोइज अब्बास भी था। बालाकोट में एयर स्ट्राइक के अगले दिन 27 फरवरी को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी। जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था। हालांकि, उनका विमान पाकिस्तानी सीमा में गिर गया था। पाकिस्तानी आर्मी ने अभिनंदन को कैद कर लिया था।

संक्षिप्त समाचार

तेल टैंकर में आग लगने से चार लोगों की मौत, पांच घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के रियाउ द्वीप प्रांत में बटाम द्वीप पर एक शिपयार्ड में डॉक किए गए कच्चे पाम ऑयल टैंकर में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। पीड़ित लोग फेडरल। नामक जहाज पर काम कर रहे तकनीशियन थे। यह जहाज बटुआजी क्षेत्र में पीटी एएसएल शिपयार्ड इंडोनेशिया में मरम्मत के लिए जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:15 बजे आग समय लगी लगी जब टैंकर रखरखाव के लिए डॉक किया गया था। बटुआजी पुलिस प्रमुख राडेन बिमो द्वी लांबांग ने पुष्टि की कि दुर्घटना में नौ लोग शामिल थे।

उत्तर पश्चिमी कोलंबिया में भूस्खलन में आठ की मौत

बोगोटा। उत्तर पश्चिमी कोलंबिया में एंटिओक्विया विभाग के बेलो नगरपालिका में मंगलवार को भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मेयर लोरेना गोंजांलेज ने कहा कि बहुत दुख के साथ मैं आपको सूचित करती हूं कि आज सुबह करीब 3:25 बजे ग्रैनिज़ल सेक्टर में भूस्खलन हुआ। अब तक हमने आठ लोगों की मौत और पांच लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ला नेग्रा धारा के ज्यादा प्रवाह से शुरू हुए भूस्खलन ने एल पिनार पड़ोस के 10 घरों को प्रभावित किया। एंटिओक्विया के गवर्नर एंड्रेस जूलियन ने कहा कि आपातकाल का निपटने के लिए विभाग के सभी संसाधन जुटाए गए हैं।

बीएनपी समर्थक गुटों के बीच झड़पों में नौ घायल

ढाका। बंगलादेश में ढाका साउथ सिटी कॉर्पोरेशन के मुख्यालय नगर भवन में बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) समर्थित श्रमिक-कर्मचारी यूनियन के दो गुटों में मंगलवार को झड़प के दौरान नौ लोग घायल हो गए। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12:00 बजे ढाका नगर भवन में बीएनपी समर्थित यूनियन के दो गुटों-आरिफुज्जामान प्रिंस और आरिफ चौधरी के समर्थकों के बीच झड़प हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झगड़ा तब शुरू हुआ जब प्रिस गुट के एक समर्थक पर इशराक हुसैन को मेयर के रूप में शपथ दिलाने की मांग के विरोधी होने के शक में हमला किया गया। इसमें नौ लोग घायल हो गए। ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पुलिस कैंप के प्रभारी मोहम्मद फारुक ने कहा कि नौ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिकी हमले में बच गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम

अमेरिकी खुफिया विभाग डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी ने रिपोर्ट में अनुमान जताया, रिपोर्ट को ट्रम्प ने बताया झूठा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन रिपोर्ट्स को झूठा बताया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिकी हवाई हमले में ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह नहीं हुए हैं।

दरअसल अमेरिकी सरकार के खुफिया विभाग डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी (डीआईए) ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया है और ये पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ कुछ महीने के लिए पीछे हो गया है। डीआईए की रिपोर्ट की जानकारी अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने दी है। हालांकि ट्रम्प ने इसे झूठी खबर बताकर खारिज कर दिया। ट्रुथ सोशल पर लिखे एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रम्प ने लिखा कि झूठी खबर, सीएनएन असफल हो रहे न्यूयार्क टाइम्स के साथ मिलकर इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियान को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। दोनों न्यूयार्क टाइम्स और सीएनएन को जनता ने लताड़ लगाई है। व्हाइट हाउस ने भी मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि खुफिया रिपोर्ट लीक होना राष्ट्रपति ट्रम्प को बदनाम करने की साजिश है। साथ ही उन बहादुर फाइटर पायलट का क्रेडिट लेने की कोशिश है।

नाटो समिट में ट्रम्प के एजेंडे का विरोध

स्पेन ने रक्षा खर्च बढ़ाने से किया इन्कार, फ्रांस, इटली और कनाडा भी एजेंडे से सहमत नहीं

हेग। नीदरलैंड के द हेग शहर में आज से नार्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन (नाटो) समिट का आज दूसरा दिन है और सदस्य देशों के प्रमुखों की मीटिंग होगी।

इस बार की बैठक को नाटोके इतिहास की सबसे अहम बैठकों में माना जा रहा है। यह ऐसे समय हो रही है जब मिडिल ईस्ट में ईरान-इजरायल जंग का 12 दिनों बाद सीजफायर हुआ है। इस बार की मीटिंग का एजेंडा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांग पर यूरोपीय देशों के रक्षा खर्च में हिस्सेदारी को बढ़ाने का रखा गया है।

ट्रम्प चाहते हैं कि सभी सदस्य देश अपने जीडीपी का 5 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करें, हालांकि वर्तमान में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30 प्रतिशत है और जीडीपी का केवल 2 प्रतिशत है। ट्रम्प का मानना है कि अमेरिका नाटोको बहुत पैसा देता है और बाकी देश अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे। हालांकि, स्पेन ने पहले ही रक्षा खर्च बढ़ाने से इन्कार कर दिया है। वहीं, फ्रांस, इटली और कनाडा भी इससे सहमत नहीं हैं। नीदरलेंड के किंग विलेम-अलेक्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा ने मंगलवार को नाटोदेशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों के लिए डिनर का आयोजन किया। वहीं, इससे पहले मंगलवार को संगठन में मतभेद गहराते नजर आए। समिट में सबसे बड़ी चिंता नाटोदेशों के बीच रक्षा खर्च को लेकर आपसी मतभेद की रही। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि संगठन यूक्रेन जैसे मुद्दों से निपट सकता है, लेकिन ट्रम्प ने नाटो की सबसे अहम संधि आर्टिकल-5 (एक-दूसरे की रक्षा का वादा) पर सीधा समर्थन देने से इन्कार कर दिया। ट्रम्प के इस कदम के बाद आज की मीटिंग में दूसरे देशों की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल सकती है। वहीं, रक्षा बजट पर भी ट्रम्प के रुख से नाराज चल रहे यूरोपीय देश कोई निर्णय ले सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांगों को ध्यान में रखते हुए नाटो महासचिव मार्क रूटे ने समिट का एजेंडा तय किया है।

बैठक में मुख्य जोर यूरोपीय देशों द्वारा रक्षा खर्च बढ़ाने पर है, जिसे ट्रम्प लंबे समय से मांगते आ रहे हैं। नाटोमें चल रहे मतभेदों के बीच महासचिव मार्क रूटे ने एक नया प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, सदस्य देशों को अपनी जीडीपी का 3.5 प्रतिशत सीधे सेना और हथियारों पर खर्च करना होगा और 1.5 प्रतिशत ऐसे कामों पर जो रक्षा से जुड़े हों। प्रस्ताव में 1.5 प्रतिशत खर्च की परिभाषा बहुत खुली रखी गई है। इसका मतलब यह है कि हर देश इसे अपने तरीके से समझ सकता है और किसी भी खर्च को 'रक्षा खर्च' बता सकता है।

संघर्ष विराम के अगले ही दिन तेहरान ने दिखाए तेवर

मोसाद से जुड़े तीन कैदियों को फांसी

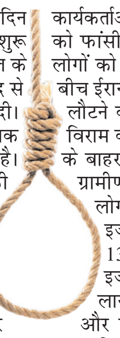

तेहरान। संघर्ष विराम के अगले ही दिन ईरान ने इजरायल के जासूसों से निपटना शुरू कर दिया। बुधवार को ईरान ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में मोसाद से जुड़े तीन और कैदियों को फांसी दे दी। जबकि इजरायल से जुड़े 700 से अधिक लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है। अब तक ईरान छह लोगों को फांसी की सजा दे चुका है। बुधवार को ईरान के पश्चिमी अज़रबैजान प्रांत के उर्मिया जेल में आजाद शोजाई, एड्रिस आली और इराकी नागरिक रसूल अहमद रसूल को फांसी दी गई। ईरान की न्यायपालिका के मुताबिक इन लोगों पर देश में हत्या उपकरण लाने का आरोप था। ईरान ने इजरायल के साथ संघर्ष के दौरान करीब छह लोगों को फांसी दे दी है। कार्यकर्ताओं को डर है कि और अधिक लोगों को फांसी दी जाएगी। वहीं अब तक 700 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस बीच ईरान में लोग अपने सामान्य जीवन में लौटने की कोशिश करने लगे हैं। संघर्ष विराम के बाद ईरान की राजधानी तेहरान के बाहर कैस्पियन सागर क्षेत्र और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भारी ट्रैफिक है, क्योंकि लोग शहर की ओर लौट रहे हैं। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष 13 जून को शुरू हुआ था, जब इजरायल ने 'आपरेशन राइजिंग लायन' शुरू करके ईरान की परमाणु और सैन्य सुविधाओं पर बड़ा हवाई हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने 'आप. रेशन ट्रू प्रामिस 3' शुरू किया और इजरायल ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया।

ईरान ने इजरायल के जासूसों से निपटना शुरू किया, अब तक इजरायल से जुड़े 700 लोग गिरफ्तार

फिर अमेरिका ने भी दोनों के युद्ध में एंट्री ली और ईरान के तीन परमाणु ठिकानों-फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर सटीक हमले किए। मंगलवार को ट्रम्प ने ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम समझौते की घोषणा की। यह तब हुआ जब ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में कतर और ईरान में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला किया था। हालांकि, ट्रम्प की घोषणा के कुछ देर बाद ही इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने तेहरान के उत्तर में एक ईरानी रडार ठिकाने पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने इजरायल पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

भारत के साथ बातचीत को बेताब पाक पीएम शहबाज शरीफ

सऊदी अरब के युवराज से कहा: लंबित मुद्दों के समाधान को भारत से सार्थक वार्ता को तैयार

इस्लामाबाद। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद हालात यह हैं पाकिस्तान अब वार्ता करने के लिए बेताब है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अब सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान से भारत से वार्ता कराने की बात कही है।

टेलीफोन पर बातचीत में शरीफ ने कहा कि वह लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ सार्थक वार्ता करना चाहते हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर, जल, व्यापार और आतंकवाद सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री शरीफ ने भारत के साथ हाल के गतिरोध के दौरान पाकिस्तान को दिए गए दृढ़ समर्थन के लिए सऊदी अरब का आभार व्यक्त किया। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि शरीफ और सऊदी नेता ने पश्चिम एशिया के हालात पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ईरान-इजरायल संघर्ष को तत्काल कम करने और बातचीत और कूटनीति के माध्यम से इसके शांतिपूर्ण समाधान का पूरा समर्थन करता है। क्राउन प्रिंस ने प्रधानमंत्री शरीफ को धन्यवाद दिया। साथ ही पाकिस्तान के सऊदी अरब के प्रति व्यक्त एकजुटता एवं समर्थन की सराहना की। मोहम्मद बिन सलमान ने ईरान-इजरायल संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की। इससे पहले शहबाज शरीफ ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से भारत से बातचीत करने की इच्छा जाहिर की थी।

दक्षिण कोरिया में गहराया जनसंख्या संकट, लगातार तीसरे महीने गिरावट

सियोल। दक्षिण कोरिया में जनसंख्या का संकट गहराता जा रहा है। लगातार तीसरे महीने आबादी में गिरावट और वृद्धों की बढ़ती संख्या ने देश के समक्ष गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सांख्यिकी कोरिया के आंकड़ों के अनुसार, मई में स्थानीय स्तर पर जनसंख्या में 4. 9 प्रतिशत (473000 लोग) की कमी दर्ज की गई। इससे पहले मार्च में यह गिरावट 2.6 प्रतिशत और अप्रैल में 10.7 प्रतिशत थी। जनसंख्या में इस कमी के कारण रियल एस्टेट बाजार में लंबे समय से चली आ रही मंदी और गहरा गई है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने टिप्पणी की कि यह स्थिति देश के भविष्य के लिए चिंताजनक है। यदि जन्म दर में सुधार नहीं होता है, तो सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राजधानी सियोल में 3657 और दूसरे सबसे बड़े शहर बुसान में 1014 लोगों की कमी देखी गई। हालांकि, सियोल के आसपास के ग्योंगगी प्रांत में 3205 और पश्चिमी बंदरगाह शहर इंचियोन में 3,237 लोगों की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई।

गाजा में बख्तरबंद वाहन में विस्फोट सात इजरायली सैनिकों की मौत

यरूशलम। गाजा में मंगलवार को हुई गोलीबारी के बीच बख्तरबंद वाहन में हुए विस्फोट में सात इजरायली सैनिकों की मौत हो गई। वहीं हमास के लड़ाकों ने दक्षिणी गाजा में एक इमारत में छिपे इजरायली सैनिकों पर हमला बोला। इजरायल के एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी गाजा के शहर खान यूनिस में मंगलवार को बख्तरबंद वाहन पर विस्फोटक लगा। इसमें सात इजरायली सैनिकों की मौत हो गई। वहीं गोलीबारी में एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह गाजा में इजरायल की सेना पर बड़ा हमला था।

इजरायली हमलों में 70 फलस्तीनियों की मौत

अस्पताल ने कहा: उसी स्थान से छह अतिरिक्त शवों को अन्य फील्ड अस्पतालों में स्थानांतरित दिया गया

गाजा। गाजा पट्टी में मंगलवार को इजरायली गोलीबा. री और हवाई हमलों में कम से कम 70 फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने संवाद एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली बलों ने दक्षिणी गाजा पट्टी में राफा के उत्तर में शाकौश क्षेत्र में एक अमेरिकी समर्थित सहायता वितरण केंद्र के पास जुटे फलस्तीनियों की भीड़ पर गोल. ीबारी की। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के एक चिकित्सा स्रोत ने एजेंसी को बताया कि शाकौश में हुई इस गोलीबारी में कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। सूत्र ने कहा कि सुरक्षा स्थितियों और क्षेत्र की दूरस्थता के कारण घायलों को पास के फील्ड अस्पतालों में ले जाने के लिए जानवरों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। इस बीच एक अन्य घटना तब हुई जब इजरायली सेना ने कथित तौर पर वाडी गाजा के दक्षिण में सलाह अल-दीन स्ट्रीट पर खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए एकत्र हुए फलस्तीनियों को निशाना बनाया। मध्य गाजा पट्टी के नुसेरात में अल-अवदा अस्पताल ने एक प्रेस बयान में कहा कि उसे 19 शव और 146 घायल व्यक्ति मिले हैं जिनमें से 62 की हालत गंभीर है। अस्पताल ने कहा कि उसी स्थान से छह अतिरिक्त शवों को अन्य फील्ड अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। इस बीच इज़रायली सेना ने किसी भी घटना के बारे में तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया है। हमास संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 27 मई से गाजा में खाद्य वितरण केंद्रों तक पहुँचने की कोशिश करते समय 500 से ज़्यादा फ़लस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच गाजा में नागरिक सुरक्षा अधिका. रियों ने 24 जून को एक प्रेस बयान में कहा कि गाजा शहर के दक्षिण में अल-सबरा पड़ोस में एक रिहायशी घर को निशाना बनाकर किए गए इज़रायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 10 लोग मारे गए।